

डॉक्टर अभिषेक सिंघवी एक जानीमानी शख्सियत हैं। वे संसद में एक श्रेष्ठ प्रतिनिधि के तौर पर जाने जाते हैं। डॉक्टर सिंघवी एक शानदार विचारक, लेखक और बुद्धिजीवी हैं। वे कांग्रेस पार्टी के सबसे युवा प्रवक्ता बने और भारत के श्रेष्ठ प्रवक्ताओं में उन्हें जाना जाता है। पेशे के तौर पर वे एक अधिवक्ता हैं और अपने पेशे में उनकी उपलब्धियाँ किसी परिचय की मोहताज नहीं। 2011 में उन्हें पार्लियामेंट की उस सफल कमेटी के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था जिसने 4 महीने के भीतर लोकपाल की रिपोर्ट सौंपी थी। वे कांग्रेस के मीडिया विभाग के पूर्व उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। डॉक्टर सिंघवी एआईसीसी और मानवाधिकार विभाग के अध्यक्ष भी रहे। दावोस में उन्हें 'ग्लोबल लीडर ऑफ टुमारो' के प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा जा चुका है। एक लेखक और समालोचक के तौर पर उनके आलेख *हिंदुस्तान टाइम्स* और *टाइम्स ऑफ इंडिया* में प्रकाशित होते रहे हैं। प्रकाशित लेखों का यह संकलन दो खंडों में पुस्तकाकार हो चुका है। *कैंडिड कोर्नर* और *स्ट्रेट टॉक* शीर्षक से प्रकाशित इन पुस्तकों की भूमिका पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह ने लिखी है। डॉक्टर सिंघवी, *राजस्थान पत्रिका* और *दैनिक भास्कर* के लिए हिंदी भाषा में भी लिखते रहे हैं। वे संसद की इंडो-यूस फोरम के अध्यक्ष रहे। उन्होंने दो वर्ष तक संसद के 12 प्रतिनिधियों का येल यूनिवर्सिटी के लिए प्रतिनिधित्व किया। वे सार्क लॉ और एपेक्स सार्क एनजीओ के न्यायिक अधिवक्ता रहे। कुछ वर्ष पहले ही उन्हें भारत की प्रतिष्ठित पत्रिका *इंडिया टुडे* ने एक राजनीतिक और कानूनविद के रूप में 50 सबसे शक्तिशाली शख्सियतों की सूची में 34वां स्थान दिया। लीगल ईगल्स और कोर्टिंग पॉलिटिक्स में उन्हें भारत के सर्वश्रेष्ठ अधिवक्ताओं की सूची में शामिल किया गया। इस सूची में वे सबसे युवा व्यक्ति हैं। दानशीलता उनके जीवन का हिस्सा है। अपने व्यक्तित्व में वे बेहद दयालु हैं। उन्होंने अनीता सिंघवी के साथ मिलकर प्रयास सेंटर के माध्यम से बच्चों और विकलांगों की असीमित सहायता की है। उन्होंने ट्रिनिटी कॉलेज, केंब्रिज, यू.के. में सिंघवी ट्रिनिटी छात्रवृत्ति शुरू की हैं। यहाँ तक कि अनबोलता जानवरों के लिए भी वे एक दया भाव वाले व्यक्ति और मददगार रहे हैं। उन्होंने अधिवक्ता कल्याण के लिए भी धन मुहैया करवाया है। यह किताब डॉक्टर अभिषेक सिंघवी के जीवन और कार्यों का एक लेखाजोखा है। यह पुस्तक डॉक्टर सिंघवी के जीवन के अलग-अलग आयामों को पेश करती है, साथ ही 2006-2018 के बीच उनके द्वारा राजस्थान में स्वास्थ्य, शिक्षा और जन कल्याणकारी कामों में किए गए योगदान की एक तस्वीर प्रस्तुत करती है। इस पुस्तक में उनके द्वारा किए गए सांसद निधि के सफल प्रयोग को भी पेश किया गया है।

डॉक्टर के.एन. भंडारी, न्यू इंडिया एश्योरेंस के पूर्व सीएमडी हैं। वे जोधपुर नेशनल लॉ स्कूल के प्राध्यापक रहे। 2002 में अपनी सेवा निवृत्ति के बाद वे कई प्रमुख कार्पोरेट के सलाहकार रहे। वे हमेशा से सामाजिक और जनकार्यों में रुचि लेते रहे हैं, साथ ही जरूरतमंदों की लगातार मदद करते रहे हैं। समाजसेवा, जनकल्याण के साथ वे लेखन और अध्ययन में भी गहरी रुचि रखते हैं।

डॉ. के.एन. भंडारी राजस्थान में संसद के संदेशवाहक



डॉ. अभिषेक सिंघवी का शिक्षा
और
स्वास्थ्य के लिए पहल
2006-2018

राजस्थान में संसद के संदेशवाहक डॉ. के.एन. भंडारी

**राजस्थान में
संसद के
संदेशवाहक**

राजस्थान में संसद के संदेशवाहक

डॉ. अभिषेक सिंघवी का शिक्षा और
स्वास्थ्य के लिए पहल
2006 – 2018

डॉ. के.एन. भंडारी

राजस्थान में संसद के संदेशवाहक

डॉ. अभिषेक सिंघवी की शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए पहल 2006-2018

डॉ. के.एन. भंडारी

डॉ. के.एन. भंडारी द्वारा स्व-प्रकाशित
हाउस नंबर 5,
इंदिरा गांधी पार्क के सामने,
पावर हाउस रोड के पास,
शास्त्री नगर, जोधपुर,
राजस्थान 342003, भारत

द्वारा छपा
अवंतिका प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड
टी -20, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेस-II,
नई दिल्ली 110020, भारत

पहला संस्करण

ISBN:

© 2020 डॉ. के.एन. भंडारी और अविष्कार सिंघवी

सभी अधिकार सुरक्षित। डॉ. के.एन. भंडारी और अविष्कार सिंघवी की लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी भाग का उपयोग या पुनरुत्पादन नहीं किया जा सकता है।

विषय-वस्तु

भूमिका	vii
1. शुरुआती वर्ष	1
2. वंशावली और विरासत	2
3. शिक्षा	5
4. अनीता से विवाह	11
5. वकालत	13
6. राजनैतिक सफ़र	18
7. विद्यार्थी के रूप में योगदान	25
8. पारिवारिक जीवन	26
9. एक ऐसा व्यक्तित्व जोकि काम को महत्त्व देता है	31
10. सांप्रदायिक सदभाव के लिए सामाजिक कार्य को करना	32
11. डॉ. सिंघवी द्वारा सार्वजनिक उपयोग में आनेवाले भवनों से संबंधित मामलों में भागीदारी	39
12. सामाजिक एकरूपता के प्रति डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी का अनूठा उदाहरण	39
13. जोधपुर के सरकारी अस्पताल को पूर्ण सहयोग	41
14. ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के प्रति प्रकट इच्छा	44
15. डॉ. सिंघवी ने ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क मार्गों का एक जाल बिछाया	50
16. पीने के पानी की समस्या से त्रस्त इलाकों को राहत	53
17. डॉ. सिंघवी ने पुस्तकालय और वाचनालय विकसित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई	54
18. सांसद निधि की उपयोगिता की परिपूर्णता को सिद्ध करना	55

19.	डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने मारवाड़ की 'प्याऊ' परंपरा को पुनर्जीवित किया	58
20.	खुले में शौच से राहत	59
21.	ज्ञान की गंगा के प्रवाहक	60
22.	सार्वजनिक निर्माण कार्यों के प्रति डॉ. सिंघवी की सहानुभूति	61
23.	ग्रामीण यात्रियों की सुविधाओं के प्रति चिंता	62
24.	बेजुबान जानवरों के प्रति डॉ. सिंघवी की सहानुभूति	64
25.	अभिषेक मनु सिंघवी का नाम – विकास का एक नया आयाम	65
26.	कमजोर एवं नेत्रहीनों को डॉ. सिंघवी द्वारा मदद	68
27.	डॉ. सिंघवी द्वारा संसद सदस्य के रूप में आदर्श ग्रामीण योजना को सफल बनाना	69
28.	जनजातीय लोगों के कल्याण में डॉ. सिंघवी की भागीदारी	71
29.	स्वीकृतियाँ	72
30.	प्रस्तावित कार्यक्रमों की सूची	73
	<i>निष्कर्ष</i>	112
	<i>लेखक परिचय</i>	114
	<i>डॉ. अभिषेक सिंघवी का संक्षिप्त परिचय</i>	117

भूमिका

भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी बीमा कंपनियों में से एक के उच्चतम पद पर सेवा करने के बाद, जब मैं अब अपनी पेशेवर उपलब्धियों को मुड़कर देखता हूँ तो मैं संतुष्ट महसूस करता हूँ। यद्यपि, एक सवाल मुझे लगातार परेशान करता है, वह यह कि जीवन का उद्देश्य क्या है? मेरे दिमाग में इस सवाल का जवाब यह है कि हर इंसान खुश रहना चाहता है। हालाँकि, खुशी का स्तर 'व्यक्ति दर व्यक्ति' अलग होता है। कुछ लोगों के लिए खुशी का अर्थ केवल भौतिक सुख से भरा एक शानदार जीवन जीना है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह इससे कहीं ज्यादा बड़ा है, यानि की दूसरों को खुश रखना। जितना अधिक हम दूसरों की खुशी की परवाह करते हैं, उतना ही ज्यादा हम इस खुशी की पूर्ति को महसूस करते हैं। हमें अपने साथी इंसानों के दुखों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि वास्तव में, मैं विश्वास करता हूँ कि जब तक कि एक इंसान दूसरों के लिए करुणा नहीं भर लेता है तब तक वह व्यक्ति एक पूर्ण इंसान नहीं हो सकता है। मेरे अनुसार एक इंसान, जो दयावान नहीं है, वह मानव कहलाने लायक नहीं है। मेरा मानना है कि अंदरूनी शांति दूसरों के लिए प्यार और दया के प्रभाव से आती है। गरीबों की सेवा से बेहतर भगवान और मानवता की कोई और सेवा नहीं हो सकती है। यही विचार इस पुस्तक के मूल और आधारभूत सिद्धांत का निर्माण करता है।

डॉ. अभिषेक सिंघवी और उनके परिवार से मेरा रिश्ता बहुत पुराना है। हालाँकि मैं डॉ. सिंघवी के बहुत दूर का रिश्तेदार हूँ, लेकिन मैंने उन्हें करीब से जाना है। इस पुस्तक को लिखने का विचार उस समय मेरे ज़ेहन में आया जब एक दिन मैं उनसे मिला और हम दोनों की आपसी बातचीत के दौरान मुझे ज्ञात हुआ कि उन्होंने राजस्थान के अपने

संसदीय क्षेत्र में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में महान पहल किए हैं। विचार आया कि क्यों न डॉ. सिंघवी के व्यक्तित्व व अन्य पक्षों को कुरेदा जाए, वह पक्ष जो लगातार गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों के लिए महसूस करता है, जो एक ऐसे समतावादी समाज में विश्वास करता है, जहाँ गरीब और अमीर के साथ समान व्यवहार हो। सामाजिक कार्य से उनका अर्थ सांप्रदायिक सद्भावना बनाना और एक समावेशी समाज को स्थापित करना है। डॉ. सिंघवी सिर्फ एक महान वकील, जाने-माने सार्वजनिक बुद्धिजीवी, विद्वान, और राजनेता ही नहीं हैं बल्कि एक महान इंसान भी हैं। वह दयालु हैं और हमेशा गरीबों की मदद के लिए अधीर रहते हैं, यह एक ऐसा गुण है जो उन्हें उनके परिवार से मिला है। सिंघवी परिवार के खून में सामाजिक सेवा बसी हुई है।

यह पुस्तक राष्ट्र निर्माण में डॉ. सिंघवी के योगदान को रेखांकित करती है। यह पुस्तक डॉ. सिंघवी द्वारा अपने संसदीय क्षेत्र, जोधपुर में राज्यसभा सांसद के रूप में 2006 से 2018 तक के अपने कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों का सिलसिलेवार ब्यौरा प्रस्तुत करती है। पुस्तक डॉ. सिंघवी के व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों का अवलोकन कराती है, जो उनके बचपन से शुरू हो कर एक वकील, राजनीतिक, और सार्वजनिक बुद्धिजीवी के रूप में उनके जीवन पर प्रकाश डालती है। अंत में, पुस्तक उनकी विकास पहलकदमियों के बारे में बताती है, जिसे उन्होंने सफलतापूर्वक जोधपुर, राजस्थान में निष्पादित किया है। डॉ. सिंघवी ने सांसद निधि का विकास उद्देश्यों के लिए बेहतर तरीके से उपयोग करने का सही उदाहरण स्थापित किया है। मेरे अनुमान में डॉ. सिंघवी सिर्फ एक वकील या राजनेता ही नहीं हैं बल्कि इसकी तुलना में वह बहुत कुछ और हैं। मैं ईमानदारी से मानता हूँ कि यह पुस्तक डॉ. अभिषेक सिंघवी के व्यक्तित्व के अन्य पहलुओं और विशेष रूप से समाज के प्रति उनके योगदान के बारे में ज्ञान प्रसारित करने में सहायक होगी। इस किताब के प्रकाशन में बहुत से लोगों का सहयोग रहा उन सबका शुक्रिया। खासतौर से सुमेर सिंह राजपुरोहित का शुक्रिया, किताब के प्रकाशित होने तक उनका सहयोग रहा।

डॉ. के.एन. भंडारी

जोधपुर, राजस्थान, भारत

अक्टूबर 2020

राजस्थान में संसद के संदेशवाहक

1. शुरुआती वर्ष

डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी भारत के सबसे प्रतिष्ठित वकील, राजनेता, और विद्वानों में से एक हैं, जिन्हें डॉ. सिंघवी के नाम से भी जाना जाता है। उनका जन्म 24 फरवरी 1959 को राजस्थान के जोधपुर में न्यायविदों, लेखकों, और राजनेताओं के पारंपरिक जैन परिवार में हुआ था। उनके पिता डॉ. एल. एम. सिंघवी देश के जाने-माने वकील और सार्वजनिक हस्ती रहे हैं, जोकि यूनाइटेड किंगडम में लंबे समय तक भारत के उच्चायुक्त रहे। उनकी माँ, श्रीमती कमला सिंघवी एक जानी-मानी समाज सुधारक, लेखिका, और कवयित्री रही हैं जिन्होंने कई साहित्यिक किताबों को लिखा है। शुरुआत में आपको 'मनु सिंघवी' का नाम दिया गया था, जिसे बाद में उनके माता-पिता द्वारा और अधिक साहित्यिक नाम 'अभिषेक' (उनकी बहन अभिलाषा से जोड़ कर) से पुनः नवाजा गया। वह एक शरारती एवं लाड़-प्यार से पाले गए बच्चे थे, जोकि जोधपुर स्थित सिंघवी के छोटे से फ्लैट के बरामदे से आने-जानेवाले लोगों पर चाँदी व अन्य प्रकार के बर्तनों को फेंका करते थे, जिनमें से ज्यादातर लोग अपनी भलमानसता के चलते उन बर्तनों को वापस लौटा दिया करते थे। उन्हें अपने पिता के तीन भाइयों की पीढ़ी में एक मात्र पुरुष उत्तराधिकारी होने के नाते, अक्सर छोटे भगवान के रूप में पूजा जाता था, और दादी तो उनको दादाजी के अवतार के रूप में देखती थीं। उनकी बचपन की कहानियों में से एक बताती है कि कैसे चार साल का मनु, उसे पकड़ो! उसे पकड़ो! चिल्लाते हुए उस समय भगवान श्री कृष्ण जैसा महसूस किया करता था। जब वह अपने मूत्र मार्ग में उत्पन्न बाधा के कारण बीमारी से जूझ रहे थे, तब उस दौरान उन्होंने मौत को

बहुत करीब से अनुभव किया था। इससे उनके अंदर अचानक, शुरुआती, और स्थायी अंतर्दृष्टि प्रकट हुई कि 'भगवान मौजूद हैं'।



बचपन

2. वंशावली और विरासत

अभिषेक के पिता, डॉ. एल. एम. सिंघवी, उस समय के हार्वर्ड के स्कॉलर, व देश में व्यापक रूप से सम्मानित और कई प्रतिभाओं के धनी व्यक्ति थे। उन्होंने अपना ग्रेजुएशन इलाहाबाद विश्वविद्यालय से गोल्ड मेडल के साथ किया था। उन दिनों इलाहाबाद विश्वविद्यालय को पूरब का ऑक्सफ़ोर्ड कहा जाता था। 1954 में उन्हें हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ाई जारी रखने के लिए रोटरी से एक फ़ेलोशिप मिली, जिसने उनको राजस्थान में इस पुरस्कार को पानेवाला प्रथम व्यक्ति बना दिया था। 1956 में, उन्होंने कॉर्नेल विश्वविद्यालय से विधि में पीएचडी की डिग्री अर्जित की और बर्कले लॉ स्कूल में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त हुए। इन कीर्तिमानों के साथ ही संस्कृत, अंग्रेजी, और हिंदी तीनों भाषाओं में उनकी निपुणता/दक्षता ने उन्हें अपने समय का सबसे शानदार बुद्धिजीवी बनाया। विदेश से लौटने के बाद, दिल्ली के एक प्रसिद्ध वकील और भारतीय विद्या भवन के सह-संस्थापक डॉ. कन्हैयालाल मुंशी के एक शिष्य के रूप में डॉ. एल. एम. सिंघवी 1957 में दिल्ली स्थानांतरित होने के बजाय, मुंशी जी की सलाह पर अपने शहर जोधपुर चले गए। चार वर्ष की

छोटी अवधि के भीतर ही और मात्र 29 वर्ष की उम्र में, वह राजस्थान उच्च न्यायालय में सबसे ज्यादा माँगवाले शीर्ष वकील बन गए। उन्होंने सत्तर के दशक में, महाधिवक्ता (एडवोकेट जनरल) जनरल के रूप में राजस्थान राज्य की सेवा की।

अभिषेक सिंघवी की माँ श्रीमती कमला सिंघवी बुद्धिमान और व्यक्तित्व से भरपूर एक सफल हिंदी लेखिका भी रही हैं, यद्यपि वह कोलकाता के एक पारंपरिक मारवाड़ी बिजनेस परिवार से संबंधित हैं। कहा जाता है कि जब उन्होंने हार्वर्ड विश्वविद्यालय के विद्यावान एल. एम. सिंघवी के बारे में सुना तो वह उनकी बौद्धिक उपलब्धियों से (बिना कभी मिले हुए) बहुत प्रभावित हुईं और अपने पिता से कह दिया कि अगर वह शादी करेगी, तो सिर्फ उन्हीं से करेगी, अन्यथा अविवाहित बनी रहेंगी! उनकी शादी के पीछे की कहानी भी किसी सिनेमा की पटकथा की तरह ही मजेदार है। अपने विवाह की कोशिशों के सिलसिले में राजस्थान के चुरू जिले के एक करीबी रिश्तेदार के घर पर जब वे पहली बार मिले तो कमला देवी पूरी तरह से अपनी शादी के फैसले से आश्चस्त थीं। बाद में, जोधपुर स्थित अभिषेक सिंघवी के निवास पर जब उनकी दादी श्रीमती अकाल कुंवर, अपनी खो गई चाभी को बड़ी चिंता के साथ खोज रही थी, तो उस समय कमला देवी ने उस चाभी को खोज कर सिंघवी परिवार का दिल और जगह दोनों जीत लिया। आगे चल कर उनके दो बच्चे हुए, बेटी अभिलाषा, जोकि दिल्ली और गुजरात में मानव सेवा सन्निधि के प्रबंधन का काम देखती हैं। यह पूर्णतया एक अव्यवसायिक और गैर-सरकारी संगठन है, (जहाँ हाशिए के सबसे गरीब लोगों के लिए कृत्रिम अंग फिटनेस शिविर आयोजित किए जाते हैं) और बेटा अभिषेक, एक प्रसिद्ध वकील, जाने-माने संसद सदस्य, और खासतौर पर जन बुद्धिजीवी हैं।

अपने पिता, दशरथमल सिंघवी की तरह ही, डॉ. एल. एम. सिंघवी को भी सार्वजनिक जीवन और जन-सेवा का बड़ा जुनून था। श्री डी. एम. सिंघवी एक प्रसिद्ध वकील, स्वतंत्रता संग्रामी और कांग्रेस पार्टी के पूर्णकालिक सदस्य थे। परन्तु, शुरु से ही बीमारी के चलते वह राजनीति के लिए ज्यादा कुछ नहीं कर सके। स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों के चलते, उनका निधन 1957 में 49 वर्ष की कम उम्र में हो गया था। डॉ. एल. एम. सिंघवी ने 1962 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लोकसभा का चुनाव लड़ा और तीस वर्ष की आयु से भी कम उम्र में वह चुनाव जीत गए। दरअसल 1962 के लोकसभा चुनाव में, कांग्रेस पार्टी ने डॉ. एल. एम. सिंघवी को चुनाव लड़ने का मन बना लिया था परंतु उनके पिता, डी. एम. सिंघवी के तथाकथित राजनीतिक मित्रों द्वारा षड्यंत्र रचे जाने

के चलते, उनका पार्टी टिकट काट दिया गया। पार्टी द्वारा टिकट देने से मना करने पर 30 वर्षीय युवा डॉ. एल. एम. सिंघवी ने 1962 का चुनाव निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में शीर्ष कांग्रेसी नेता, सांघी मोटर्स के एन. के. सांघी, जो उस दौर के राजस्थान के सबसे धनी व्यक्तियों में से एक थे, के खिलाफ लड़ा और अपने पूरे चुनावी अभियान में उन दिनों सिर्फ पंद्रह हजार रुपये खर्च करके एल. एम. सिंघवी ने संसद पहुँचने में सफलता प्राप्त की। यहाँ यह बताना भी मौजूं होगा कि जब अभिषेक मनु सिंघवी मात्र साढ़े-तीन वर्ष के थे, तब उन्होंने अपने पिता के चुनाव अभियान के दौरान बहुत ही उत्साह से और उन्मादी भीड़ के बीच तक्दी को वोट दो! तक्दी को वोट दो! के नारे लगाते हुए भागीदारी की थी, जोकि वरिष्ठ सिंघवी का चुनावी चिह्न था।

चूँकि डॉ. एल. एम. सिंघवी एक पुराने कांग्रेसी और स्वतंत्रता संग्रामी परिवार से संबंधित थे, इसलिए उनका राजनैतिक जीवन कई बाधाओं को लाँघ कर आगे बढ़ा। यह पुष्ट है कि उनके लोकसभा चुनाव जीतने के एक वर्ष के भीतर ही, तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने उन्हें मंत्री पद की पेशकश की थी, जिसे उन्होंने बड़ी विनम्रता के साथ अस्वीकार कर दिया क्योंकि उन्होंने लोकसभा का चुनाव एक स्वतंत्र प्रत्याशी के रूप में जीता था और वे नहीं चाहते थे कि उन पर किसी तरह की तोहमत लगे। 1989 में प्रधानमंत्री राजीव गाँधी ने एल. एम. सिंघवी को पाली से चुनाव लड़ने का आग्रह किया जोकि वह हार गए (कांग्रेस ने उस चुनाव में राजस्थान की सभी पच्चीस सीटें हारी थी)। उन्होंने श्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ कई साहित्यिक, दार्शनिक, और कलात्मक मूल्यों और यादों को भी साझा किया था। 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने उन्हें राज्यसभा के लिए बीजेपी के उम्मीदवार के रूप में मनोनीत किया और इसके बाद उन्होंने अंत तक बीजेपी के साथ अपना रिश्ता बनाए रखा। डॉ. एल. एम. सिंघवी का व्यक्तित्व इतना शानदार और समर्पित था कि कैबिनेट रैंक के साथ यूनाइटेड किंगडम में भारत की तरफ से सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले उच्चायुक्त रहने के दौरान, उन्होंने भारत के पाँच प्रधानमंत्रियों क्रमशः चंद्रशेखर, नरसिम्हा राव, अटल बिहारी वाजपेयी, एच. डी. देवगौड़ा, और आई. के. गुजराल को बदलते हुए देखा, परंतु इनमें से किसी ने भी इस पद के साथ छेड़छाड़ करने का प्रयास नहीं किया। इसके साथ ही उन्होंने तीन ब्रिटिश प्रधानमंत्रियों क्रमशः थेचर, मेजर, और ब्लेयर के कार्यकाल के दौरान भी काम किया था। वह एक महान राजनयिक थे जिन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान भारत-ब्रिटिश संबंधों पर अमिट छाप छोड़ी।

डॉ. एल. एम. सिंघवी बदलाव के पक्षधर व्यक्ति, एक सफल वकील, मशहूर कानूनविद, सांसद, और महान राजनेता के रूप में जाने जाते थे और इन सबसे ऊपर वह अनंत गुणों और बहुमुखी प्रतिभाओं के धनी व्यक्ति थे। कुछ ही लोगों को उनके संस्कृत (जिसमें वह बातचीत कर सकते थे) और अंग्रेजी के विशद ज्ञान, सभी संस्कृतियों, परंपराओं, रंगों की पारस्परिकता के साथ ही धर्मों के तुलनात्मक अध्ययन और मानवाधिकारों व साहित्य संबंधी जानकारी की गहराई और ज्ञान की सीमाओं का अंदाज़ा था। 5 अक्टूबर 2012 को हिंदुस्तान टाइम्स में प्रकाशित शीर्षक 'इंडिया'ज विब्योर मैग' में श्री गोपालकृष्ण गांधी, जोकि पश्चिम बंगाल के पूर्व गवर्नर थे, ने दिल को छू लेनेवाले शब्दों में डॉ. एल. एम. सिंघवी की प्रशंसा की है :

‘चागला, चागला थे, पालकीवाला, पालकीवाला ही थे और सिंघवी तो सिंघवी ही थे। वे एक-दूसरे से तुलना नहीं किए जा सकते हैं। फिर भी इनमें यह सामान्य था : उन सभी ने वकील के रूप में, मंत्री या दूत के रूप में, भारतीय गणराज्य के लिए सोचा, बोला, और कार्य किया था। आज टुकड़ों, क्षेत्रों, खुर्चनों के नेता, बड़े कद के नज़र आते हैं। जो लोग गणराज्य के लिए सोचते और बोलते हैं, वह पूरी तरह से हाशिये पर आ गए हैं और इस बात को सोचते हुए अविश्वसनीय लगता है कि एल. एम. सिंघवी जैसा एक हमारे आस-पास अभी कल तक मौजूद था’।

आश्चर्य नहीं कि ऐसे डॉ. एल. एम. सिंघवी के परिवार के साथ-साथ उनके राजनैतिक जीवन और वकालत से डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी का खून का वास्ता रहा है। लिहाजा, उनके लिए राजनीति महज सार्वजनिक जीवन और जन-सेवा, मूलतः समानता और गरिमा के आधार पर एक समावेशी और प्रगतिशील समाज बनाने के अवसर के सिवाय और कुछ भी नहीं रही है।

3. शिक्षा

यदि 1962 में चुनाव नहीं होता तो चार वर्षीय अभिषेक सिंघवी जोधपुर में ही अपना रहना जारी रखते; परंतु उनके पिता द्वारा लोकसभा का चुनाव जीतने के बाद सिंघवी परिवार को नई दिल्ली आना पड़ा और अभिषेक मनु सिंघवी का प्रवेश सेंट्रल दिल्ली में स्थित सेंट कोलंबस स्कूल में कराया गया, जोकि सिर्फ लड़कों का स्कूल था। वहाँ अधिकांश बच्चे स्कूल बस का इस्तेमाल करते थे, पर वे ड्राईवर के साथ कार से आया करते थे, बावजूद इसके अपने क्लास के दोस्तों से घुलने-मिलने में उन्होंने

ज्यादा समय नहीं लगाया। यह कहा जाता था कि वह एक बच्चे के रूप में बुद्धिमान और तेज दिमाग के थे, पर साथ ही गंभीर और गुम-सुम तथा शर्मीले स्वभाव के भी थे। बाद में उनको विभिन्न एक्स्ट्रा-करीकुलर गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करा कर उनकी इस व्यक्तिगत समस्या से उनको उबारा गया। शुरू से ही वह अकादमिक रुझानवाले एक परिश्रमी छात्र थे और कभी भी किन्हीं सवालियों के पूछे जाने को लेकर डरते नहीं थे। धाराप्रवाह बोलने के कारण, उन्हें स्कूल के सभी कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भाषणों, क्रियाकलापों, और सम्बोधनों के लिए जाना जाता था। के.जी. से ले कर स्कूल छोड़ने तक वे लगभग हमेशा ही अपनी क्लास में सर्वश्रेष्ठ (कभी-कभार दूसरा या तीसरा स्थान) रहे। उन्हें कक्षा नवीं के सभी सेक्शन में सबसे श्रेष्ठ अंकों की प्राप्ति के साथ लोवी राज्यसभा पुरस्कार से नवाजा गया; उन्होंने प्रथम श्रेणी को कायम रखते हुए दसवीं क्लास में एक बार फिर से प्रथम श्रेणी प्राप्त कर संतोष मेमोरियल पुरस्कार हासिल किया था।

1975 में एक कदम और आगे बढ़ते हुए अभिषेक मनु सिंघवी भारत के सैकड़ों नामी स्कूलों द्वारा कराई गई उच्चतर कैंब्रिज परीक्षा (Senior Cambridge Exam) में अपने खुद के पुराने अकादमिक मानकों को पछाड़ कर पूरे देश के स्तर पर प्रथम आए। उन्होंने चार में 95 प्रतिशत पाने के चलते चार पॉइंट अर्जित किए और एक में 90 प्रतिशत प्राप्त कर एक पॉइंट पाया जिससे कुल मिला कर उन्हें पाँच पॉइंट अर्जित कर भारत में प्रथम रैंक हासिल किया। अपने निरंतर अकादमिक उत्कर्षता की पहचान के चलते, उन्हें सीधे स्कूल की पढ़ाई के बाद इंग्लैंड में अध्ययन के लिए ओपीओएस छात्रवृत्ति के लिए चयनित किया गया परंतु उनके माता-पिता की चाहत थी कि वह भारत में ही स्नातक करें। सेंट कोलंबस के दिनों में, उन्होंने पंकज सहाय, राजेश सांघी, और विमल भंडारी के साथ न टूटनेवाली दोस्ती को विकसित किया और इन सभी तथा कुछ औरों को भी, वह अपना सबसे करीबी दोस्त मानते रहे हैं। अपने स्कूल के दिनों को याद करके आज भी उनकी आँखें चमक जाती हैं। वह अभी भी अपने स्कूल के दोस्तों के साथ संपर्क रखते हैं और अपने दिल्ली के दो दोस्तों के साथ अक्सर समय बिताते और उनके साथ सिनेमा देखने जाते हैं। उन्होंने एक साधारण बचपन बिताया, जो आज जैसे तकनीक संचालित यांत्रिकी और प्रौद्योगिकी से भरा हुआ नहीं दिखाई देता था, क्योंकि वह दौर किताबों, साहित्य, और विचारों से भरा हुआ था। जिस माहौल में वह पले-बढ़े, वह 'स्वतंत्र और तार्किक' था, जहाँ सभी सवालियों पर बहस और चर्चा

होती थी, यहाँ तक कि गलतियों पर भी बहस और चर्चा हुआ करती थी। यही वह समय था जब युवा सिंघवी का रंगमंच के प्रति लगाव बढ़ा और मुख्यमंत्री, महाभोज, और तुगलक जैसे जाने-माने नाटकों को उन्होंने देखा, जिसे वह 'विलक्षण' के रूप में मानते हैं। वह अभी भी उन दिनों को याद करते हैं, जब वह किशोरावस्था में अपने माता-पिता और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों जैसे कि एल. के. आडवाणी और प्रकाश वीर शास्त्री के साथ शाम का समय रंगमंच पर बिताया करते थे (वरिष्ठ सिंघवी प्रतिष्ठत नेशनल स्कूल ऑफ़ ड्रामा के चेयरमैन भी हुआ करते थे)। कॉलेज के शुरुआती दिनों में, इब्राहीम अल्काजी के बेटे फैज़ल अल्काजी के आग्रह पर उत्साही सिंघवी ने भी 'द स्लो टुमॉरो' (the slow tomorrow) में दूसरी पंक्ति का एक किरदार अभिनीत कर अभिनय में भी हाथ आजमाइश की। यह इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में शुरू हुए थिएटर क्लब का उद्घाटन नाटक था। सिंघवी को जल्द ही एक्टिंग में अपनी सीमाओं का ज्ञान हो गया। उन्होंने संगीत के क्षेत्र में जोर-अजमाइश की और दिल्ली स्कूल ऑफ़ म्यूजिक में गिटार और पियानो सीखना शुरू किया; यद्यपि अकादमी में उनकी रुचि ने दूसरी इच्छाओं को दबा दिया, इसने उन्हें एहसास दिलाया कि एक संगीतकार बनने के बजाय गायक से शादी करना आसान था।

सेंट कोलंबस में शानदार तरीके के साथ अपनी शिक्षा समाप्त करने के बाद, अभिषेक मनु सिंघवी फिर दिल्ली विश्वविद्यालय के सभ्रांत और माने-जाने सेंट स्टीफन्स कॉलेज, जोकि इकोनॉमिक्स ऑनर्स के लिए 'गोल्ड स्टैण्डर्ड' या 'भारत का हार्वर्ड' कहा जाता था, में इकोनॉमिक्स में डिग्री के लिए आगे बढ़े। युवा और उत्साही अभिषेक मनु सिंघवी, अब पहली बार दिल्ली के विशेषाधिकार प्राप्त और बौद्धिक वर्गों की जीवनशैली से अवगत हुए। जल्द ही उन्हें परिसर में छात्रों के बीच उच्च प्रतिस्पर्धा महसूस हुई, क्योंकि सेंट स्टीफन्स के 'इको ऑनर्स' (जैसा कि यह कहलाता था) के लिए यहाँ उन्हें राज्य स्तरीय अब्बल रहनेवाले छात्रों से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा। निश्चित ही आई.आई.टी. और आई.आई.एम. दोनों को मिला कर भी उसकी इस कार्यक्रम से कहीं ज्यादा माँग थी! उन्होंने सेंट स्टीफन्स कॉलेज में रहते हुए देश के कुछ सबसे अच्छे बुद्धिजीवियों के साथ अपना समय बिताया जिनमें से दो वर्तमान सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीश, डॉ. डी. वाई. चंद्रचूड़ और संजय किशन कौल हैं। इनके अलावा कई वर्तमान दौर के उच्च न्यायालय के न्यायधीश हैं, मास्टर कार्ड के विश्व प्रमुख अजय बंगा; भारतीय सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यम; DIAGEO के

विश्व प्रमुख इवान मेनेजेस; भारत सरकार के सचिव के. पी. कृष्णन; यूरोपीय संघ के वर्तमान भारतीय राजदूत मंजत्व सिंह पुरी; फीडबैक के चेयरमैन विनायक चटर्जी और कई अन्य जिन्होंने अपने लिए बहुत शानदार प्रदर्शन किए हैं। इन असाधारण दिमागों ने शीर्ष रैंकिंग के सिंघवी के अंदर उथल-पुथल मचा दी और उन्हें सेंट स्टीफेन में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। हालाँकि सिंघवी कोलंबस की शानदार छवि को पुनः कर-गुजरने में असफल रहे, परंतु विश्वविद्यालय में चौथा स्थान अर्जित किया और ऊपर उल्लेखित किए गए अधिकांश लोगों से वह आगे रहे, सिवाय न्यायधीश चंद्रचूड के, जिन्हें सिंघवी ने सेंट कोलंबस में पछाड़ा था लेकिन उन्होंने स्टीफेन में अव्वल अंक ला कर कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया! असाधारण बुद्धि के व्यक्ति के रूप में, अभिषेक मनु सिंघवी ने डॉ. मनमोहन सिंह जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व द्वारा बहस और वार्ता सहित कई और करिकुलम गतिविधियों में खुद को शामिल किया। उन्होंने अपने बड़े हुए आत्मविश्वास के लिए स्टीफेन के माहौल को भी श्रेय दिया है। अपनी अंतर्मुखी शैली के बावजूद उन्होंने खुद अपने व्यक्तित्व को आगे बढ़ने से कभी नहीं रोका और स्टीफेन के कार्यकारी परिषद चुनाव में चुनाव लड़ा जिसे वह बहुत ही कम अंतराल से हार गए। वह अपने आत्मविश्वास के निर्माण और अपने बहस कौशल को बेहतर करने के योगदान को स्वीकारते हुए स्टीफेन के अपने दिनों को याद करते हैं।

प्रतिष्ठित दिल्ली विश्वविद्यालय में इन कीर्तिमानों को स्थापित करने के पश्चात, अभिषेक सिंघवी ने पारंपरिक मार्ग का चयन किया और यूनाइटेड किंगडम में स्थित दुनिया के सबसे स्वीकार्य और प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान ट्रिनिटी कॉलेज, केंब्रिज विश्वविद्यालय, में अपनी कानून की डिग्री और फिर पीएचडी करने के लिए गए। उन्होंने 1981 में अपना नामांकन कराया। दरअसल, कानून की पढ़ाई चुनना, उनके लिए सही मायने में कोई विकल्प नहीं था, बल्कि यह अलग-थलग पड़े रहने के खयालात से उभर कर सामने आया था। हुआ यह कि एक बार उनकी माँ ने अपने अचूक तर्क के साथ कहा कि 'यदि तुम कानून की पढ़ाई करने नहीं जाओगे तो इस बड़े पुस्तकालय के साथ क्या करोगे जो हमारे पास मौजूद है'। अपनी माँ के इस तर्क को गलत साबित करना उनके लिए यदि असंभव नहीं था, तो निश्चित रूप से कठिन तो था ही और इसलिए उन्होंने केंब्रिज से कानून की पढ़ाई करने का फैसला कर लिया। स्टीफेन की तरह ही उन्हें केंब्रिज में भी अत्यधिक प्रतिस्पर्धा भरे माहौल के बीच बेहतर प्रदर्शन करने की आवश्यकता महसूस हुई।

कैंब्रिज विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री प्राप्त करने के बाद अभिषेक मनु सिंघवी के पिता, डॉ. एल. एम. सिंघवी चाहते थे कि वह तुरंत वकालत शुरू कर दें पर अपनी माँ के सहयोग से उन्होंने कैंब्रिज विश्वविद्यालय में पीएचडी के लिए नामांकन करा लिया। वह भाग्यशाली थे कि अपनी पीएचडी के लिए उन्हें असाधारण प्रतिभाशाली और प्रसिद्ध प्रोफेसर सर एच. डब्लू. आर. वेड का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जोकि संवैधानिक और प्रशासनिक कानून के असीम जानकार (हालाँकि भारत के लिए कम उपयोगी, इंग्लिश लॉ ऑफ़ प्रॉपर्टी) रहे हैं और उनकी थीसिस का विषय 'आपातकालीन शक्ति: एक तुलनात्मक अध्ययन' (Emergency Power: A Comparative Study) था, जिसमें आपातकाल के कानूनी और न्यायशास्त्रीय पहलुओं की जाँच करना था। उन्हें डॉक्टरेट के अध्ययन के चुनाव को अंतिम रूप देने में छः माह का समय लग गया। 'Due Process' से शुरू कर अंततः लंबी यात्रा कर ठीक उसके विपरीत 'Suspension of Due Process' पर उन्होंने अपना डॉक्टरेट करने का निश्चय किया। सिंघवी द्वारा चयनित विषय, खासतौर पर आम कानूनी परिप्रेक्ष्य किसी भी विषय की किताब में आस्तित्वविहीन था। पीएचडी पूरा करने के कई दशकों बाद 1986 में उन्हें पीएचडी से नवाज़ा गया। अब उनकी थीसिस 2020 में प्रकाशित होने के लिए तैयार है। वह हमेशा इस बात का मलाल करते हैं कि उन्होंने इस संबंध में उत्तम को अच्छे का दुश्मन बनने दिया। 1986 से लगभग 3-4 वर्षों तक, तात्कालिक उत्कृष्ट भारतीय विधि प्रकाशक एन. एम. त्रिपाठी जी ने शोधकर्ताओं और सह लेखकों की मदद से उनकी पीएचडी को प्रकाशित कराने के लिए कई बार उनसे मुलाकात की, परंतु सिंघवी इस काम को हमेशा खुद ही करना चाहते थे। जाहिर तौर पर, सही वक़्त के चुनाव के लिए उनकी मायावी खोज कभी मुकाम पर नहीं पहुँची, क्योंकि वह सफल होने के भंवर में प्रत्येक गुजरते दिन के साथ और अधिक फँसने लगे। वह 1993 में मात्र 34 वर्ष की छोटी उम्र में भारत के सबसे नामित वरिष्ठ वकील बन गए और 1997 में 37 वर्ष की उम्र में वह सबसे छोटे ए. एस. जी. बन गए थे, लेकिन आज भी वह इस बात से खुश हैं कि आखिरकार 2020 में उनकी थीसिस प्रकाशित होने की उम्मीद है, आज भी वैश्विक पटल पर एक भी ऐसी किताब मौजूद नहीं है, जो तुलनात्मक साधारण कानून परिपेक्ष का वर्णन करे और अब अगले वर्ष उनकी किताब, जोकि संशोधित और सह-लेखक के साथ मिल

कर 1985 से अपडेट की गई है, अभी वकालत करनेवालों और जन साधारण लोगों के लिए यह सबसे अधिक सामयिक और व्यावहारिक तथा उपयोगी होगी।

अभिषेक मनु सिंघवी अपनी यादों को तरोताजा करते कैंब्रिज के उन पलों को याद करते हैं जब नदी केम (जो अब बैक्स के नाम से जानी जाती है) पर चहलकदमी के दौरान अक्सर उनका सामना स्टीफन हॉकिंग से हो जाया करता था, जोकि उस समय कैंब्रिज की सड़कों पर अपनी व्हीलचेयर पर बैठ कर अनियमित ढंग से और असंगत रूप से संवाद करने में सक्षम थे। प्रोफेसर वेड के बारे में बात करते हुए, वह उन्हें बेहद उच्च मानकों के दार्शनिक कानून के शिक्षक के रूप में वर्णित करते हैं, जोकि बहुत संकोची, बहुत संयमशील, और बहुत अंग्रेजी वाले मानदंडों के व्यक्ति थे। आज भी जब सिंघवी ट्रिनिटी कॉलेज में अपने बिताए हुए दिनों को याद करते हैं तो उनके रोंगटे खड़े हो जाते हैं, क्योंकि उन्हें उसी कमरे में रखा गया जहाँ कभी आइज़क न्यूटन रहते और काम किया करते थे। सिंघवी को वेड दिखने और अदाओं में प्रसिद्ध एक्टर, पीटर ओ'टूल की याद दिलाते हैं जो वह आज तक भी नहीं भूले हैं। सिंघवी कैंब्रिज से तीन सालों में पीएचडी डिग्री पूरा करनेवाले चंद उम्मीदवारों में से एक थे। वह बताते हैं कि पीएचडी को शुरू करनेवाले उम्मीदवारों में से महज़ 50 प्रतिशत ही उम्मीदवार इसे पूरा कर पाते हैं और उनमें से भी 50 प्रतिशत से भी कम लगभग छः सालों में पूरा करते हैं। उनका काम 'इमरजेंसी पॉवर' आज भी एक लाख शब्दों का एक व्यापक उल्लेखनीय काम है। इसके अलावा एक लाख शब्दों का एक दूसरा वॉल्यूम है, जिसमें सिर्फ फुटनोट्स हैं। वह याद करते हैं कि कैसे पहले उन्हें परीक्षा बोर्ड से आवेदन करना पड़ा और अस्सी हजार शब्द से एक लाख शब्दों के विस्तार की स्वीकृति लेनी पड़ी और फिर बाद में, चूँकि उन्होंने बहुदेशीय तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य के कारण जो सामग्री का भंडार एकत्रित किया था, उसके चलते एक लाख शब्दों के अतिरिक्त शब्दों को अपने थीसिस की मुख्य मात्रा के साथ केवल फुटनोट्स के वॉल्यूम के रूप में रखना पड़ा।

कैंब्रिज में प्रोफेसर वेड जैसे बेजोड़ व्यक्तित्व का वर्णन करते हुए अभिषेक मनु सिंघवी कहते हैं, 'प्रोफेसर वेड आक्रामक नहीं थे; वह अपने छात्रों पर चीजों को छोड़ देते थे और अगर किसी को उनसे कोई सहायता चाहिए तो वह खुद ही उनके पास जाता था। वह स्वीकारते हैं कि वह अभी भी प्रोफेसर वेड की अंतर्दृष्टि को कर्ज के रूप में लेते हैं (न्यायिक समीक्षा पर) और उनके अनुशासन, सटीकता, कड़ी मेहनत, और तर्क के गुणों को नहीं भूल सकते हैं। कैंब्रिज/ट्रिनिटी कॉलेज में कानून के क्षेत्र से

सिंघवी द्वारा याद किए गए अन्य उल्लेखनीय नाम के रूप में प्रोफेसर टोनी वेडर रहे हैं, जोकि कानूनों और तुलनात्मक कानून के उच्चतम अधिकारियों में से एक थे। उन्हें अपनी उल्लेखनीय छात्रवृत्ति, जीवंत व्याख्यान, और तेज बुद्धि के लिए याद किया जाता है; इसके अलावा प्रोफेसर फिलिप आलोट एक शांत दार्शनिक और कानून अकादमिक थे व चंचल प्रोफेसर बेसिल मार्केसिनिस और खुशनुमा एली लौटरपैच जैसे अन्य प्रोफेसर थे।

अभिषेक मनु सिंघवी केंब्रिज विश्वविद्यालय के प्रति अपने उच्चतम आभार को व्यक्त करते हुए बताते हैं कि उसने उन्हें अपना निर्णय लेने और क्षमताओं को पहचानने के आत्मविश्वास से लबरेज कर दिया, जिसके चलते वह प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जीवट बने रहना सीख सके। केंब्रिज के अपने दौर में, आय अर्जित करने के लिए, वह सेंट जॉन्स कॉलेज, जोकि डॉ. मनमोहन सिंह की मातृ संस्था है, में छात्रों को लॉ भी पढ़ाया करते थे। अंततः केंब्रिज में उनके अनुभव ने उन्हें महसूस कराया कि मानव प्रतिभा में कोई भी अंतर नहीं है, लेकिन इंग्लैंड या केंब्रिज के बेहतर बनने का एकमात्र कारण उनकी तैयारी और विचार तथा स्वतंत्र विकास के लिए ज्यादा से ज्यादा स्वतंत्रता का माहौल प्रदान करने की क्षमता है, जबकि भारत जैसे एक विकासशील देश में, इस तरह की टिकाऊ प्रणाली अनुपस्थित प्रतीत होती है।

4. अनीता से विवाह

केंब्रिज विश्वविद्यालय में पीएचडी में अपने नामांकन के बाद, पच्चीस वर्षीय अभिषेक मनु सिंघवी छुट्टी बिताने के लिए भारत लौट आए और उस समय उनकी माँ श्रीमती कमला सिंघवी, जोकि अपने समय की एक बेहद योग्य स्नातक रही थीं, ने उनको एक फाइल सौंपी, जिसमें उन तमाम लड़कियों की तस्वीरों के साथ उनके बॉयोडाटा भी थे जिनको वह एक आदर्श बहू के रूप में देखती थीं। अभिषेक मनु सिंघवी को याद है कि उस ढेर में सबसे ऊपर अनीता की तस्वीर रखी थी। अनीता के पिता ने पहले ही युवा सिंघवी को जोधपुर में लॉर्ड टेंपलमैन के लिए वार्षिक व्याख्यान में प्रारंभिक भाषण देते हुए सुना था और वह उनके व्याख्यात्मक कौशल से बहुत प्रभावित हुए थे। जब अभिषेक सिंघवी एक संभावित दुल्हन को देखने पहुँचे, तो उन्होंने अनीता के घर में एक पूरा दिन बिताए जाने के बाद, हामी भरी। शादी के समय अनीता केवल 18 वर्ष की थीं, परंतु आगे चल कर वह कानून में स्नातक और

एक प्रशंसित ग़ज़ल और सूफ़ी गायक बनीं। उनका विवाह 1982 में संपन्न हुआ और शादी के तुरंत बाद ही अनीता, अभिषेक के साथ केंब्रिज चली गईं। अभिषेक मनु सिंघवी अपनी पत्नी अनीता के साथ केंब्रिज में बिताए हुए दिनों को याद करते हैं, जहाँ वे ग्रीन स्ट्रीट के उस विवाहित आवास में रहा करते थे जिसमें कभी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी रहे थे।



अपनी पत्नी अनीता सिंघवी के साथ डॉ. अभिषेक सिंघवी

अभिषेक मनु सिंघवी केंब्रिज में बिताए मुश्किल के दिनों को भी याद करते हैं, जहाँ एक ही समय में उन्हें कई तरह की जिम्मेदारियों का सामना करना पड़ा था। उदारहण के लिए, दिसंबर 1984 में, उनकी पत्नी ने अनुभव को जन्म दिया (वह पूरी तरह से यूनाइटेड किंगडम की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा पर निर्भर थे और आज उसे दुनिया की सबसे बेहतरीन निःशुल्क सरकारी स्वास्थ्य सेवा मानते हैं, खासतौर से प्रसूति सेवाओं के दायरे में); इसी महीने, उनके पिता डॉ. एल. एम. सिंघवी की लंदन में बाईपास सर्जरी हुई और इसी माह की निर्धारित समय सीमा में उन्होंने पीएचडी थीसिस का एक अध्याय जमा किया। सिंघवी याद करते हैं कि किस तरह से वह अपना दिन का समय अपने पिता जी के साथ लंदन में बिताते थे और शाम अपनी पत्नी और नवजात बच्चे के साथ

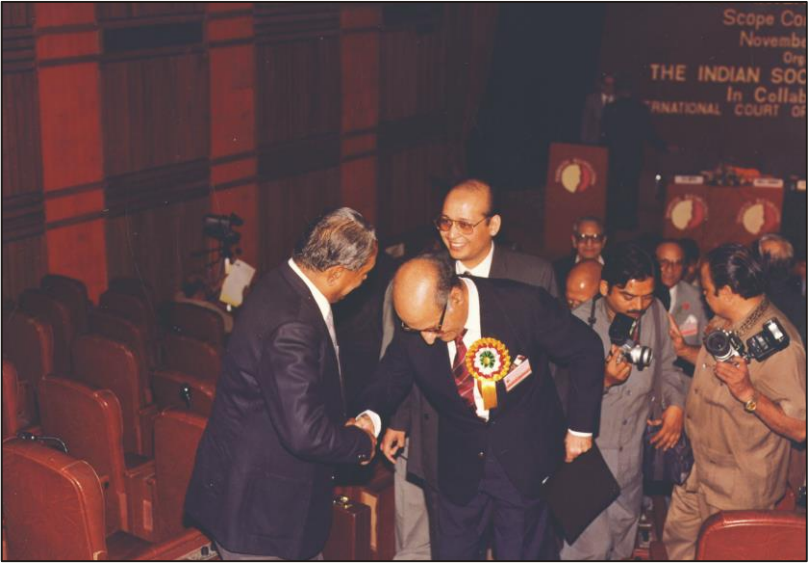
केंब्रिज में बिताया करते थे और फिर रात वह केंब्रिज यूनिवर्सिटी लॉ लाइब्रेरी में थीसिस की समय सीमा को ध्यान में रख कर काम किया करते थे। वह याद करते हैं कि कैसे वह एकमात्र छात्र थे जिन्हें रात में पूरी स्क्वायर लॉ लाइब्रेरी में जाने की अनुमति दी गई थी। केंब्रिज यूनिवर्सिटी के इस केंद्र में किताबों का एक असाधारण और विशाल संग्रह मौजूद था। यहाँ वह रात के 11 बजे से पाँच बजे तक एक विशेष चाभी के माध्यम से अपनी गर्भवती पत्नी के साथ प्रवेश करते थे। इस दौरान उनकी पत्नी कुर्सी पर सो जाती थीं, जबकि वह काम करते रहते थे।

5. वकालत

पीएचडी थीसिस जमा करने और इसे केंब्रिज विश्वविद्यालय में तीन साल की असाधारण समय अवधि के भीतर अनुमोदित कराने के बाद, अभिषेक मनु सिंघवी दिसंबर 1985 में भारत पहुँचे। शुरुआती दौर में, उन्हें एक्साइज लॉ में खासी रुचि थी, इसलिए वह रविंदर नारायण, जेबीडी एंड कम्पनी (JBD and Co.) के कार्यालय से जुड़ गए। इस विषय के लिए उस समय यह नंबर 1 चैंबर हुआ करता था, लेकिन जल्द ही उन्हें एहसास हुआ कि उनका जुनून भटक गया था और इसलिए उन्होंने इसे छोड़ दिया। चूँकि अधिकांश जाने-माने वरिष्ठ अधिवक्ताओं के चैंबर खचाखच भरे हुआ करते थे (उदारहण के लिए श्री के. के. वेणुगोपाल, और सोली सोराबजी जबकि श्री फली नरीमन के यहाँ अधीनस्थ रखने की कोई परंपरा नहीं थी), इसलिए अंततः अभिषेक मनु सिंघवी (संकोच और अनिच्छा से) अपने पिता के साथ जुड़ गए, जोकि उन दिनों के सभी महत्वपूर्ण केसों का चेहरा हुआ करते थे। वह अपने पिता से सीखे सबक को बताते हुए कहते हैं, 'मैंने इतिहास, साहित्य, दर्शन, और मुद्दों पर दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य की भावना रखने के महत्व को उनसे सीखा है। मैंने उनसे धैर्य, संतुलन, और कड़ी मेहनत के गुणों को भी सीखा है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि कभी भी संकीर्ण भाव में नहीं सोचना चाहिए, बल्कि हमेशा व्यापक अर्थ में सोचना चाहिए'।

अभिषेक मनु सिंघवी की निर्विवाद अकादमिक उत्कृष्टता और उच्च शैक्षणिक योग्यताएँ, जिसमें प्रतिष्ठित केंब्रिज विश्वविद्यालय से पीएचडी भी शामिल है, ने जल्द ही उन्हें युवा होने के बावजूद भी, एक उज्ज्वल, मेहनती, और विद्रोही व्यक्ति के रूप में प्रतिष्ठित कर दिया। केंब्रिज में अपनी डॉक्टरेट के दौरान वह हमेशा अकादमिक

आरामदायक सीमाओं को छोड़ने और अदालती जीवन की गतिशीलता में प्रवेश करने के लिए उत्सुक रहे। पहला प्रमुख केस जिसमें उन्होंने अपने पिता की सहायता की, वह था, जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी बनाम रेनुसागर पावर कंपनी (जिसे रेनुसागर द्वितीय के नाम से जाना जाता है)। रेनुसागर का प्रतिनिधित्व करते हुए, इस केस ने युवा सिंघवी को देश के बेहतरीन कानूनी दिमागों के बीच अपनी अमिट छाप छोड़ने का मौका दिया जिसमें विख्यात नानी पालकीवाला (जोकि शांति भूषण के साथ GEC में उपस्थित हुए) भी शामिल थे। इसने न केवल उनके मन-मस्तिष्क में वाणिज्यिक मध्यस्थता, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों (आज वह इस क्षेत्र में सबसे आगे खड़े हैं) में आजीवन और स्थायी रुचि को विकसित किया, बल्कि इससे उन्हें एक चुनौतीपूर्ण माहौल में काम करने का मौका भी मिला। उन्होंने शोध और लिखित प्रस्तुतियाँ तैयार करने में अपने पिता को भरपूर योगदान दिया। डेनमार्क फर्म, वॉलंड के खिलाफ लंदन स्थित अंतरराष्ट्रीय विवाचन के लिए भारत सरकार द्वारा स्वतंत्र मध्यस्थता सलाहकार के रूप में उन्हें बहुत ही कम आयु में नियुक्त किया गया था। इसने उन्हें नए पेशेवरता के पहलुओं से अवगत कराया, जिसे वह आज भी भारत में नहीं पाते हैं। उनकी यात्रा कई अन्य महत्वपूर्ण मध्यस्थताओं के मामलों में उनकी उपस्थिति के साथ आगे बढ़ी। एनटीपीसी बनाम सिंगर कं. के केस में, चूँकि उनके पिता व्यस्त थे, इसलिए युवा अभिषेक सिंघवी को राष्ट्रीय थर्मल पावर कॉरपोरेशन का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला जिसमें उन्होंने दो सप्ताह तक बहस की, परंतु एकल न्यायाधीश और डिवीजन बेंच दोनों के ही समक्ष वह केस को हार गए। जब उक्त केस सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश थोममेन्न के पास पहुँचा, तो NTPC के लिए शांति भूषण को सुनने के बावजूद भी उन्होंने अभिषेक सिंघवी को स्वतंत्र रूप से सुनने का निर्णय लिया और उसके बाद पूर्व में लिए गए दो निर्णयों को उलट दिया। इससे मध्यस्थता और समझौता अधिनियम, 1996 जिसे अभी लागू होना बाकी था पर NTPC के निर्णय को लागू कराने के संदर्भ में उस समय के तात्कालिक भारत सरकार के कानून सचिव पी. सी. राव को अभिषेक सिंघवी के साथ विचार-विमर्श करने और डॉ. सिंघवी की स्पष्ट राय के आधार पर ही पहले के अधिनियम 1961 की धारा 9 के नए अधिनियम 1996 की तरह से किसी भी प्रावधान को हटाने का अधिकार मिला।



श्री नानी पालकीवाला के साथ डॉ अभिषेक सिंघवी

कुछ वर्षों के भीतर ही, अभिषेक मनु सिंघवी ने एक पारदर्शी वकालत को विकसित कर लिया और उन्होंने नाम और यश दोनों ही कमाया। बहुत से उतार-चढ़ाव पार करते हुए, 1993 में, रेनुसागर III के दौरान, वह 34 वर्ष की उम्र में सबसे युवा वरिष्ठ वकील नियुक्त किए गए। वरिष्ठ वकील बनने से पहले, न्यायधीश चिनप्पा रेड्डी ने डी. के. बासु बनाम पश्चिम बंगाल सरकार मामले में उन्हें 1980 में निर्वाचित सलाहकार नियुक्त किया। 2016 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा हिरासत में मौत, यातना, और हिरासत के दौरान हिंसा और सभी गिरफ्तारियों में विशेष दिशा निर्देशन के पालन जैसे चार महत्वपूर्ण फैसलों के साथ इसकी समाप्ति हुई। सुप्रीम कोर्ट ने विशेष रूप से अपने वक्तव्य में डी. के. बासु निर्णय में निर्वाचित सलाहकार के योगदान की गहरी प्रशंसा दर्ज की है।

1990 के दशक के दौरान, प्रत्येक दिन उनके करियर में नई ऊँचाइयों को लेकर आया। उन्होंने कानून के किसी भी क्षेत्र को अनछुआ नहीं छोड़ा और संवैधानिक कानून से लेकर दूरसंचार मामलों तक और वाणिज्यिक मामलों से लेकर निर्वाचित सलाहकार तक प्रत्येक विषय में एक ईर्ष्यापूर्ण प्रतिष्ठा प्राप्त की। उनकी सूची में यह मामले शामिल हैं – 2जी स्पेक्ट्रम केस, वोडाफोन टैक्स इम्ब्रोग्लियो, ड्रेसर रैंड एस.ए. बनाम

बिंदल एग्रो केम. लिमिटेड, भारत एल्युमीनियम कंपनी बनाम कैसर एल्युमिनियम टेक्निकल सर्विसेज इंक. (बाल्को के नाम से जाना जाता है), रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड बनाम भारतीय संघ, (रिलायंस I से ज्ञात) और यूनियन ऑफ इंडिया बनाम रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (रिलायंस II के रूप में जाना जाता है), बादल भ्रष्टाचार का मामला, दिल्ली हवाई अड्डे का केस, और कई अन्य।

बाल्को के मामले में, अभिषेक मनु सिंघवी एकमात्र ऐसे वकील के रूप में उभरे जिन्होंने वैकल्पिक रूप से मिश्रित और संवेदनशील रुख अपनाते हुए, अदालत को संभावित ओवररूलिंग के सिद्धांत को लागू करने के लिए आमंत्रित किया। यद्यपि वह संविधान बेंच को मनाने में सफल नहीं हुए, लेकिन भारत में स्थित मध्यस्थता की विषय वस्तु को संरक्षित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय गैर-भारत स्थित मध्यस्थता में भारतीय अदालतों द्वारा उभरती अंतरिम राहत की अनुमति देने के लिए संविधान बेंच ने अपने वैकल्पिक तर्क संभावित ओवररूलिंग को सही तरीके से स्वीकार कर लिया। हालाँकि, अक्टूबर 2015 में, 1996 के अधिनियम में हुए संशोधन के चलते उन्होंने बाल्को पर अपने स्टैंड को सही ढंग से मनवा कर सही साबित करा दिया और भारतीय न्यायालय क्षेत्राधिकार के संबंध में उन्होंने उभरते मामलों में अपने रुख को कायम रखते हुए कानून बनवा दिया।

मात्र 34 वर्ष की उम्र में नामित वरिष्ठ वकील बनाने के बाद डॉ. सिंघवी और उनकी निर्विवाद कानूनी प्रतिभा खामोश नहीं रही, बल्कि 1997 में, 37 वर्ष की उम्र में भारत के सबसे कम आयु के छोटे सॉलिसिटर जनरल बन कर एक और मील का पत्थर उन्होंने पार किया। यह माधवराव सिंधिया थे, जिन्होंने उनसे पंद्रह वर्ष अधिक उम्र का होने के बावजूद उनके साथ घनिष्ठ संबंध रखा था और जनता दल सरकार में एएसजी के रूप में नियुक्ति के लिए उनके नाम को आगे बढ़ाया। सिंघवी उस दशक के दौरान अपनी असुरक्षा के बारे में याद दिलाते हैं, जब उनके पिता ने 1991 में अपने वकालत के पेशे और देश को छोड़ दिया था क्योंकि वह अपने करियर के सबसे सर्वश्रेष्ठ वर्षों में यूनाइटेड किंगडम में भारत के उच्चायुक्त हो गए थे और तदपश्चात वह आठ साल बाद लौटे। आश्चर्यजनक बात यह थी कि 1990 के दशक के दौरान ही अभिषेक मनु सिंघवी के करियर का सबसे असाधारण और शानदार विकास हुआ, तब जब उनके पिता की सुरक्षात्मक और तरक्की दिलानेवाली छतरी उनके सिर के ऊपर से गायब हो चुकी थी।

अभिषेक मनु सिंघवी के एएसजी कार्यकाल के दौरान, मुक्त पन्ना ऑयल फील्ड केस जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज और ओएनजीसी शामिल थे, सांबा जासूस केस, स्टार टीवी डीटीएच केस, उच्च प्रोफाइल जेएमएम सांसदों के रिश्तत केस जिसमें जेएमएम सांसद सूरज मंडल, शिबू सोरेन, साइमन मरांडी, और शैलेंद्र महतो सहित कई अन्य लोग शामिल थे, जैसे महत्वपूर्ण मामलों के वह चेहरे बन गए।

अभिषेक मनु सिंघवी के छोटे बेटे अविष्कार भी एक वकील हैं, जो अपने पिता के एक कार्यवाहक व्यक्तित्व के रूप में अपने-आपको चित्रित करते हैं। उन्हें यात्रा करना, जीवनी पढ़ना, बॉलीवुड संगीत सुनना, और एक्शन थ्रिलर्स देखना पसंद है। वह कहते हैं कि जब उसने अपने पिता को देखा तो उसने गलती से सोचा कि सभी पिता इसी तरह से काम करते हैं, परंतु गर्व से जोड़ते हुए वह कहते हैं कि अभिषेक सिंघवी थोड़ा-सा भी नहीं बदले हैं। सिंघवी अपनी कड़ी मेहनत के चलते 1999 में, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन में उपाध्यक्ष के रूप में भी चुने गए। हालाँकि उन्हें इस बात का खेद है कि किस तरह से भारतीय कानून व्यवस्था अपने मूल सिद्धांतों और उद्देश्यों से कितनी गहराई तक पीड़ित है।



फली नरीमन और सोली सोराबजी के साथ डॉ. अभिषेक सिंघवी

6. राजनीतिक सफ़र

डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी का राजनीतिक सफर और सार्वजनिक करियर चार साल की उम्र में तब शुरू हो गया था जब उन्होंने 1962 में पहली बार अपने पिता के लोकसभा चुनाव में भाग ले कर लोगों से कहा, 'तक्दी को वोट दो' (राजस्थानी में तक्दी का अर्थ हैं न्याय का तराजू और यह अभिषेक सिंघवी के 29 वर्षीय युवा पिता एल. एम. सिंघवी का चुनाव चिह्न था, जो 1962 में जोधपुर से लोकसभा के लिए चुने गए थे और इस चुनाव में चार साल के अभिषेक ने उनके लिए प्रचार किया था)। दूसरी बार युवा अभिषेक सिंघवी चुनावी राजनीति में सीधे उस दौरान शामिल हुए, जब उनके पिता ने कांग्रेस पार्टी से लोकसभा चुनाव लड़ा, तब अभिषेक को 1989 में पाली में अपने पिता के मुख्य चुनाव एजेंट के रूप में नामित किया गया था (यह पहली बार हुआ था जब कांग्रेस राजस्थान की सभी पच्चीस सीटें हार गई थी)। इसके बाद, यह माधवराव सिंधिया थे, जो सिंघवी के राजनीतिक सलाहकारों में से एक थे। उन्होंने 1990 के दशक के दौरान सिंघवी, शोभना भरतिया, और वीर सांघवी को अनौपचारिक कांग्रेस थिंक टैंक समूह के हिस्से के रूप में समेट लिया था।



एक समृद्ध अभ्यास के साथ, अभिषेक मनु सिंघवी 2000 में, पूर्व उम्मीद या तैयारी के बिना ही, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गाँधी द्वारा पार्टी के आधिकारिक प्रवक्ता के रूप में नियुक्त किए गए, जिन्होंने व्यक्तिगत तौर पर सिंघवी की प्रतिभा और गुणों के बारे में बहुत कुछ बताया/स्वीकार किया। शुरुआत में यह माधवराव सिंधिया ही थे

जोकि सिंघवी को सोनिया गाँधी के ध्यान में लाए थे। वह सिंधिया के साथ बिताए गए अपने दिनों को याद करते हुए बहुत भावनात्मक हो जाते हैं, जिनके साथ उनकी एक विशेष किस्म की दोस्ती रही। उन्हें इस बात का मलाल है कि जब वह कांग्रेस का हिस्सा बने तो सिंधिया (जिनकी मृत्यु विमान दुर्घटना में हो गई थी) मौजूद नहीं थे। इसके अलावा, वह याद करते हैं कि कैसे श्री सिंधिया ने उन्हें एक बार खुद के प्रधानमंत्री बनने और उन्हें अपना कानून मंत्री नियुक्त करने के अपने सपने के बारे में बताया था। हालाँकि, उनके बेटे ज्योतिरादित्य सिंधिया, जोकि सिंघवी को पारिवारिक मित्र के रूप देखते हैं, के साथ भी उनका उसी किस्म का रिश्ता है। वह यह भी याद करते हैं कि कांग्रेस के प्रवक्ता के रूप में जुड़ने से पहले उन्हें कम से कम दो राजनैतिक दलों से इसी पद की पेशकश हुई थी। अभिषेक सिंघवी स्पष्ट रूप से दावा करते हैं कि कानूनी पेशे में उनकी भारी सफलता राजनीति में उनकी सबसे बड़ी दुश्मन है। सिंघवी को जो भी महत्वपूर्ण या जरूरी राजनीतिक काम सौंपा जाता है, वह उसे पूर्ण प्रतिबद्धता, ईमानदारी, और दक्षता के साथ करते हैं, लेकिन वह इस बात को खुले तौर पर स्वीकार करते हैं कि 'वह सत्ता के गलियारों में घूमने और वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकों में कॉफी के असीमित कपों की चुस्कियों में अपना समय जाया नहीं कर सकते'। वह ऐसे विरोधियों से, जो कांग्रेस के साथ उनकी भागीदारी के बारे में अफवाहें फैलाते हैं, उनसे ईर्ष्या किया करते थे। पिछले कुछ वर्षों में सिंघवी ने पार्टी के सांसद और उसके वरिष्ठतम प्रवक्ता के रूप में रहते हुए आमतौर पर काल्पनिक हितों के संघर्ष में अपनी छवि को बनाए रखने के लिए फीस के रूप में करोड़ों एकत्रित करने से इंकार कर चुके हैं। यद्यपि वह अपनी राजनीतिक आस्थाओं के कारण बलिदान की अवधारणा के साथ पूरी तरह से असहमत हैं, परंतु फिर भी इस तरह की गई आस्थाओं की उनकी सूची लंबी और प्रभावशाली है।



संसदीय कार्यवाही के दौरान डॉ. अभिषेक सिंघवी



पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और सोनिया गाँधी के साथ
डॉ. अभिषेक सिंघवी



पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और राहुल गाँधी के साथ
डॉ. अभिषेक सिंघवी



कांग्रेस के विधि और मानवाधिकार विभाग के एक कार्यक्रम के दौरान डॉ. अभिषेक सिंघवी, वीरप्पा मोईली और ऑस्कर फर्नांडीज़ के साथ

उन्हें प्राइम टाइम टेलीविजन पर शोर-गुल मचाना कभी पसंद नहीं आता है। पत्रकार बरखा दत्त डॉ. सिंघवी के व्यक्तित्व पर बात करते हुए कहती हैं, 'मुझे लगता है कि अभिषेक की विशेषता यह है कि वह नाटकीय नहीं हैं, बहुत स्पष्टवादी हैं और उनको जटिल समस्या को सुलझाने के लिए बहुत कम समय की जरूरत होती है।' इसके अलावा, शोभना भरतिया ने भी सिंघवी के व्यक्तित्व को यह कहते हुए सराहा कि, 'उनका दिमाग बहुत तेज है। मैंने उन्हें कभी भी थका हुआ नहीं पाया। उन्हें हर किस्म के मुद्दों का सामना करना पड़ा है। वह बहुत ही तर्कसंगत तर्कों के साथ पार्टी के स्टैंड का जवाब देते हैं और बचाव करते हैं।'



कोलकाता में प्रेस वार्ता करते हुए डॉ. अभिषेक सिंघवी

कांग्रेस द्वारा उनमें अत्यधिक भरोसा जताने की बात को स्वीकार करते हुए डॉ. सिंघवी 2001 की घटना को संदर्भित करते हैं, जब श्रीमती सोनिया गाँधी ने अचानक उन्हें कांग्रेस की मीडिया कमेटी का सदस्य बनने के लिए कहने के बाद, पार्टी का राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया। उन्हें ऐसे कई उदाहरण याद हैं, जब श्रीमती सोनिया गाँधी पार्टी के अंदरूनी मामलों में अत्यधिक लोकतंत्र की इजाजत देती हैं और उन्होंने एक बार श्रीमती सोनिया गाँधी से इस संबंध में शिकायत की कि उन्हें थोड़ा तानाशाह होना चाहिए, क्योंकि कभी-कभी लंबे समय तक विचार-विमर्श उन परिणामों को जन्म देता है जोकि आधे तीतर और आधे बटेर रह जाते हैं। एक बार जब कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने, पार्टी छोड़ कर पार्टी और श्रीमती सोनिया गाँधी के खिलाफ अत्यधिक आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया, तब सिंघवी ने सोनिया और राहुल गाँधी दोनों से कहा, 'मैडम! मुझे क्षमा करें, लेकिन जिस तरह से ऐतिहासिक तौर-तरीकों और छूट के साथ गलती करनेवाले नेताओं को कांग्रेस में पुनः प्रवेश दिया गया है, निश्चित ही हमने इस तरह के क्रियाकलापों को प्रोत्साहित करने का काम किया है।'



पाँच वर्ष के उपरांत, 2006 में डॉ. सिंघवी को 45 वर्ष की उम्र में कांग्रेस ने राजस्थान से राज्यसभा के पूरे कार्यकाल के लिए चयनित किया। अपने अचानक और अप्रत्याशित नामांकन को चित्रित करते हुए, उन्होंने श्रीमती सोनिया गाँधी पर अपने विचार व्यक्त किए। वे कहते हैं कि खासतौर से जब सामान्य दरबारियों ने लगातार मेरे खिलाफ अपमानजनक और अमानवीय बातों से उनको भड़काया है, विशेष रूप से झूठी अफवाहों के साथ कि 'मेरे पिता भाजपा में सक्रिय थे,' परंतु इस सबके बावजूद सोनिया जी ने मुझ पर दृढ़ विश्वास जतलाया है, इसके लिए मैं भावनात्मक महसूस करता हूँ। जल्द ही अभिषेक सिंघवी तत्कालीन विपक्षी दलों, खासकर बीजेपी के लगभग हर वरिष्ठ नेता के खिलाफ राज्यसभा में कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधित्व करते हुए

लगभग हर महत्वपूर्ण संसदीय बहस के लिए शुरुआती वक्ता बन गए थे। 2006 से 2012 तक ऐसी कोई भी महत्वपूर्ण बहस नहीं रही थी, जिसमें अभिषेक सिंघवी ने शुरुआत न की हो। इन बहसों में भारत-यूएस 123 परमाणु समझौता, अयोध्या मसला/बाबरी मस्जिद/लिब्राहन रिपोर्ट, केंद्रीय बजट, लोकपाल, NJAC, राष्ट्रपति के भाषण पर धन्यवाद का जवाब, ऑफिस ऑफ़ प्रॉफिट, आंतरिक सुरक्षा एवं कई अन्य मुद्दे शामिल रहे हैं। उनके असाधारण व्याख्यात्मक कौशल का उपयोग करने के अलावा, कांग्रेस पार्टी ने उन्हें कानून और न्याय पर गठित संसदीय स्थायी समिति और भारत-यूएस फोरम संसद सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल के रूप में तीन साल तक चले संसदीय नेतृत्व कार्यक्रम समेत कई महत्वपूर्ण समितियों का अध्यक्ष नियुक्त किया।

2011 में डॉ. सिंघवी के लिए ऐतिहासिक क्षण तब आया जब उन्हें लोकपाल विधेयक पर संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया, जिसमें 12 दलों के 30 सदस्य शामिल थे। यह उनके पिता डॉ. एल. एम. सिंघवी जी ही थे जिन्होंने 1960 के दशक में स्कैंडिनेविया में 'लोकपाल' की अवधारणा के आधार पर पहली बार 'लोकपाल' शब्द और इससे संबंधित अवधारणा 'लोकायुक्त' को गढ़ा। डॉ. अभिषेक सिंघवी की अगुआई में बनी समिति ने 10000 से अधिक लिखित प्रस्तुतियों को प्राप्त करने और लगभग 140 व्यक्तिगत गवाहों को सुनने के बाद 10 सप्ताह की रिकॉर्ड अवधि में संसद में रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट पर चर्चा करने के बाद 24 मुद्दों में लगभग सभी पर भारी सर्वसम्मति के साथ सूचित किया गया। डॉ. सिंघवी 29 दिसंबर, 2011 को उच्च सदन में लोकपाल की बहस पर ट्रेजरी बेंच की तरफ से मुख्य वक्ता थे।

डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने अपने असाधारण ज्ञान, अनुभव, बुद्धिमत्ता, और कड़ी मेहनत के कारण विधायी कार्यवाही में व्यापक पैमाने पर योगदान दिया है। वह कानून और न्याय, विशेषाधिकार, विदेशी मामलों, शहरी मामलों, लाभ और वाणिज्य कार्यालय सहित कई संसदीय समितियों के वर्तमान या पूर्व में सदस्य रह चुके हैं। वह भारत-यूनानी संसदीय मंच के पूर्व उप-अध्यक्ष, सार्क लॉ (SAARC Law) सार्क क्षेत्र के न्यायाधीशों, वकीलों और कानूनी व्यक्तियों के एक शीर्ष एनजीओ के अध्यक्ष भी रह चुके हैं, जो सार्क क्षेत्र के सभी मुख्य न्यायाधीशों के क्षेत्रीय सम्मेलन का भी आयोजन करता है। 1999 में उन्हें विश्व आर्थिक मंच (World Economic Forum) के द्वारा दावोस में 'ग्लोबल लीडर ऑफ़ टुमॉरो' की उपाधि से सम्मानित किया गया।

अपनी पार्टी के सबसे अच्छे दिमाग में से एक होने के नाते डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी को अक्सर कांग्रेस के सर्वश्रेष्ठ मंत्रियों में से एक के रूप में जाना जाता रहा है। 2007-08 के बाद लगभग हर मंत्रिमंडल में फेर-बदल के समय उन पर विचार किया गया और वह हमेशा ही दौड़ में आगे पाए गए, खासकर 2009 के बाद, यूपीए 2 में। लेकिन वह यह भी मानते हैं कि उनको नतीजे देने वाला विभाग नहीं मिला तो निश्चित ही वह निराशा से ग्रस्त होंगे, क्योंकि उन्हें हमेशा से ही सजावटी भूमिका से तकलीफ होती रही है। इसके अलावा डॉ. सिंघवी श्रीमती सोनिया गाँधी के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों को मानते हैं, जिन्होंने उन पर विश्वास जताया और उन्हें 2001 में प्रवक्ता नियुक्त किया। डॉ. सिंघवी स्वीकार करते हैं कि कांग्रेस में उनका राजनीतिक सफर, करियर के नज़रिए से मील का पत्थर साबित नहीं हुआ, जैसा कि उन जैसे प्रतिभा के धनी बहुमुखी व्यक्ति का हो सकता था, लेकिन वह अकृतज्ञ और शिकायतकर्ता नहीं बनना चाहते। उन्हें याद है कि कैसे बड़े प्रस्तावों के साथ दूसरे प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा समय-समय पर उनसे संपर्क किया जाता था, लेकिन उनका मानना है कि यह कांग्रेस और उन सभी का दोष है, जिनकी विचारधारा उनके राजनीतिक दर्शन से मेल खाती है। अगर उन्हें उचित जिम्मेदारियों को विश्वास के साथ सौंपा गया तो उन्होंने पार्टी के लिए त्याग करने में कभी हिचकिचाहट नहीं की है।



इबोबो सिंह के साथ डॉ. अभिषेक सिंघवी

7. विद्यार्थी के रूप में योगदान

एक उज्ज्वल विद्वान, विश्लेषक, लेखक, स्तम्भकार, और कमेंटेटर होने के नाते, डॉ. सिंघवी ने अकादमिक जगत को, फिर चाहे वो कैंब्रिज में पीएचडी स्कॉलर के रूप में हो या सेंट जॉन्स कॉलेज, कैंब्रिज में छात्रों के शिक्षक/निरीक्षक के रूप में, या फिर अक्सर बोलने, लिखने और व्याख्यान देने के रूप में, शिक्षा को अनछुआ कभी नहीं छोड़ा। हिंदुस्तान टाइम्स में कई सालों तक लिखे गए उनके लोकप्रिय पाक्षिक कॉलम 'कैंडिड कॉर्नर' को 2006 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की प्रस्तावना के साथ 'कैंडिड कॉर्नर: अभिषेक सिंघवी के प्रतिबिंब' (*Candid Corner: Reflections of Abhishek Singhvi*) नामक पुस्तक के रूप में संकलित और प्रकाशित किया गया था। उन्होंने मुंबई में चागला मेमोरियल व्याख्यान और भारतीय प्रशासन संस्थान में राजीव गाँधी मेमोरियल व्याख्यान दिया, जिसने सर्वश्रेष्ठ निबंध पुरस्कार भी जीता।



सद् गुरु के साथ डॉ. अभिषेक सिंघवी

डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी को आईपीआर, महिला अधिकार, बाल अधिकार, मध्यस्थता, और आपराधिक न्याय प्रणाली, संवैधानिक कानून इत्यादि सहित विभिन्न विषयों पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा की उच्च गुणवत्तावाली शैक्षिक पत्रिकाओं

में भी प्रकाशित किया गया है। एक प्रेरक वक्ता के रूप में मान्यता प्राप्त होने के नाते, वह आई.सी.सी.ए. पेरिस (1998), यू. एस. बीसेंटिनियल, कराची (1987), आईएलओ सम्मेलन, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (SCID), इस्लामाबाद (1989) और कई अन्य अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों की अलग-अलग संख्या में नियमित वक्ता रहे हैं। उन्हें नेपाल में 'संघवाद' पर व्याख्यान देने के लिए भी आमंत्रित किया गया और कार्डिफ, वेल्स और ब्रिटेन में भारत केंद्र में नेहरू मेमोरियल पर उन्होंने व्याख्यान दिया। नोबेल पुरस्कार विजेताओं के विश्व सम्मेलन में मोरक्को के राजा द्वारा विशेष अतिथि और वक्ता के रूप में आमंत्रित किए जाने का विशेष सौभाग्य भी उन्हें प्राप्त हुआ था (हालांकि, आतंकवादी खतरे के कारण उसे निरस्त कर दिया गया था)।

डॉ. सिंघवी हमेशा एनजीओ और थिंक टैंक (जैसे हेरिटेज फाउंडेशन, यू. एस. ए., डीसी, वाशिंगटन में इंटरनेशनल कौंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स में) स्टैनफोर्ड, हार्वर्ड, येल (ट्रंबल लेक्चरर), बोस्टन एम. आई. टी. और जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालयों में कई व्याख्यानों द्वारा छात्रों, पेशेवरों और सामान्य दर्शकों का हमेशा ही मार्गदर्शन करते रहे हैं और उन्हें जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी में मानद सहायक प्रोफेसरों के समक्ष भी व्याख्यान देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्हें एमिटी, राजस्थान और जैन विश्व भारती विश्वविद्यालयों से डॉक्टर ऑफ लॉज की मानद भी प्रदान की गई है। कानूनी क्षेत्र में उनकी उत्कृष्टता को स्वीकार करते हुए, उन्हें विभिन्न विश्वविद्यालयों की गवर्निंग बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया जिसमें राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय दिल्ली और जोधपुर भी शामिल थे। वह ऑक्सफोर्ड और केंब्रिज सोसाइटी ऑफ इंडिया के भूतपूर्व अध्यक्ष, भारत-यूएस शिक्षा और सांस्कृतिक आयोग के शिक्षा उप-आयुक्त तथा भारत-ब्रिटिश कानूनी मंच, इंडो-यूएस कानूनी मंच, इंडो-कनाडाई कानूनी मंच, और इंडो-इजराइल लॉ मंच के सदस्य और वक्ता रहे हैं।

8. पारिवारिक जीवन

डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने संसद में 12 साल तक रहने के बावजूद दिल्ली में आधिकारिक/सरकारी निवास का चयन नहीं किया है, आज भी वह दक्षिण दिल्ली के नीति बाग में अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनकी रोज की जिंदगी काफी व्यस्त रहती है। वह लगभग पाँच घंटे तक सोते हैं और उनका सामान्य दिन सुबह ई-मेल देखने,

समाचार पत्र पढ़ने, केसों के विवरण और एक घंटा सुबह घूमने से शुरू होता है। कभी-कभी, उन्हें अपने सुबह की चर्चा के बीच बहुत मुश्किल चुनाव करना पड़ता है। वह हमेशा कहते हैं कि 'बहुकार्य (Multi Tasking) हमेशा ही मेरे जीवन में आनंदभरा और दुखदायी रहा है'। वह यह भी कहते हैं कि उनके काम के दिन की शुरुआत सोमवार सुबह से होती है और जिसका अंत शुक्रवार शाम को ही संभव हो पाता है। एक या दो सुबह अपनी लड़ाई को हारने के बाद, वह पुनः समाचार पत्र, ई-मेल, अपठित विवरण और अब, सबसे ऊपर और जरूरी, एक पोते को समय देने की इस कशमकश में एक त्वरित (और हल्का-फुल्का) नाश्ता ले कर, अपनी फॉर्च्यूनर में कम से कम दो जोड़ी कपड़ों और फाइलों के एक भारी-भरकम भार के साथ निकल पड़ते हैं, दोपहर के भोजन तक 5 से 7 केसों को देखते हैं, कभी-कभी संसद में बोलने के लिए भागते हैं, अदालतों या ट्रिब्यूनल के अधिकतर मामलों का निपटारा वह दोपहर के सत्र में किया करते हैं, 4 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस, तत्पश्चात् थोड़ा आराम करने के बाद, 5:30 बजे के बाद कानूनी विचार-विमर्श शुरू करते हैं। देर शाम कुछ समय टीवी कार्यक्रमों के साथ गुजारते हैं और फिर सोने जाने से कुछ समय पहले अपने समय के पसंदीदा एक्शन थ्रिलर देखते हैं। वह अब स्वीकारते हैं कि उन्होंने टीवी कार्यक्रमों के साथ-साथ पेशेवर कामों को भी बहुत कम कर दिया है।



डॉ. सिंघवी का जानवरों के प्रति लगाव जग-जाहिर है। उनके बचपन में, उनके परिवार के पास दो कुत्ते अल्साटियन, रोमी प्रथम और रोमी द्वितीय थे और अब उनके पास एक तुर्की शेफर्ड है जिसे अज़लान कहा जाता है, जोकि उनके बेटे अविष्कार के अनुसार उनके पिता की 'सर्वोच्च प्राथमिकता' है। डॉ. सिंघवी अज़लान के साथ घनिष्ठ संबंध रखते हैं और उसे एक प्रमुख पालतू पशु/जानवर की पत्रिका *Buddy Life* के कवर पन्ने पर दिखाया गया है, इसी किताब में उन्होंने अज़लान के साथ अपने विशेष संबंधों पर चर्चा की है। सिंघवी चुटकी लेते हुए कहते हैं कि 'मेरी जिंदगी की महत्वाकांक्षा एक कुत्ता बनना है, या वैकल्पिक रूप से, मेरे अगले जीवन में, मेरी पत्नी बनना।' इसके अलावा, सिंघवी जानवरों के अधिकारों के लिए भी लड़ते हैं और पशु क्रूरता के कृत्यों की निंदा करते हैं; उन्होंने बहुत से मामलों में मसलन जल्लीकट्टू, केरला डॉग्स केस, चिकेन बूचड़खाना मामले, दिल्ली में ईदगाह बूचड़खाने को बंद करने का मामला और भी बहुत से ऐसे प्रसिद्ध मामलों में विभिन्न कारणों में प्रो-बोनो बचाव किया है।

अपने व्यक्तिगत जीवन में, डॉ. सिंघवी बेहद भावनात्मक हैं, परंतु दिखावटी नहीं हैं। वह अंतर्मुखी, अति-संवेदनशील और गैर-पाखंडी हैं। वह एक ठेठ पेशेवर मोड में काम करते हैं और अपनी प्रबंधन शैली में किसी भी तरह की छेड़छाड़ की अनुमति नहीं देते हैं तथा अपने सभी कर्मचारियों को भी उसी अनुशासन के दायरे में रखते हैं, क्योंकि उनका मानना है कि 'एक बार यदि आप किसी मामले को लेते हैं, तो आपको उसमें अपना सब कुछ झोंक देना चाहिए।' वह अपने कर्मचारियों को फोन के माध्यम से निर्देश देते हुए हर किस्म की जानकारी से उन्हें अपडेट रखते हैं।

डॉ. सिंघवी खुले और पारदर्शी हैं और अपने अधीनस्थों को शाबाशी देने में कभी भी संकोच नहीं करते हैं। यदि आप उनसे किसी सार्वजनिक स्थल पर मिलते हैं तो आपको 'हेल्लो' करने की जहमत नहीं उठानी पड़ेगी, बल्कि वह खुद आपके पास चल कर 'हेल्लो' करने पहुँच जाएँगे। वह दावा करते हैं कि वह बहुत ही आलसी हैं (हालाँकि उनके इर्द-गिर्द रहनेवालों का ऐसा मानना नहीं है), परंतु साथ ही वह स्वीकारते हैं कि वह अपनी डायरी से बंधे हुए हैं और जब वह कुछ हाथ में ले लेते हैं, तो वह काफी मेहनत करते हैं। उनका मानना है कि 'शीर्ष पर बने रहना' और 'स्थिति को बनाए रखना' दोनों के लिए ही लगातार कड़ी मेहनत की जरूरत होती है।

अविष्कार दावा करते हैं कि कैसे उसके पिता शिखर पर होने के बावजूद, अब भी पेशे में शामिल हैं और याद करते हैं कि कैसे एक बार उनके पिता सुप्रीम कोर्ट की अवकाश बेंच की सुनवाई में भाग लेने के लिए छुट्टी के मध्य में विदेश से लौट आए थे। केशव मोहन, वकीलों पर जो एक अक्सर विवरण देते हैं, सिंघवी के बारे में संक्षिप्त वर्णन देते हुए कहते हैं, 'मुझे लगता है कि जिन वकीलों का मैंने अभी तक विवरण किया, उनमें वह सबसे अधिक बुद्धिमान वकीलों में से एक हैं'। वह किसी भी जटिल मामले में महत्वपूर्ण विवरणों को निकाल कर समझ जाते हैं और फिर कानून की व्याख्या से शुरू होनेवाले सिद्धांत के आधार पर उसका तर्क देते हैं। वह अपने मुक्किल के लिए पेशेवर और तर्क की किसी भी हद तक जा सकते हैं, और आखिरी पल तक हार नहीं मानते हैं।" डॉ. सिंघवी अपने कुछ करीबी स्कूल के दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताने का आनंद लेते हैं; वह कहते हैं कि अगर ऐसा हो सके, तो वह सिर्फ फिल्में देखेंगे और परिवार के साथ छुट्टियों पर जाएंगे।

डॉ. सिंघवी का छोटा बेटा अविष्कार सिंघवी भी एक स्वतंत्र वकील है और वह भी अपने पिता की तरह होने के लिए दबाव और बोझ दोनों ही महसूस करता है। जब भी वह अपने पिता के साथ किसी केस में एक साथ काम कर रहा होता है तो वह अपने पिता के कार्यालय में जबरदस्त सीखने के माहौल को देखता है। डॉ. सिंघवी का बड़ा बेटा अनुभव, कई वर्षों से अप्रवासी (NRI) है। वह सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काम करता है और एक खुशनुमा मिजाज यात्री और लाइसेंस प्राप्त पायलट है। उसे सिंघवी एक आदर्श 'सज्जन' पुत्र कहते हैं। डॉ. सिंघवी अनुभव को याद करते हुए बताते हैं कि वह भिन्न-भिन्न दिलचस्पियों का आदमी है, जिसे कानून अपेक्षाकृत उबाऊ लगता है, लेकिन मुगल इतिहास से लेकर पक्षियों, डायनासोर, और सभी प्रकार के जहाजों के इंजनों का उसे व्यापक और गहन ज्ञान है। बनाई गई परंपरा को तोड़े बगैर पिछले 27 सालों में, सिंघवी परिवार ने जून माह के दौरान अपनी वार्षिक ग्रीष्मकालीन छुट्टी में से कम से कम तीन हफ्तों के लिए शानदार पारिवारिक समय बिताने के लिए विदेश यात्रा के अवसर को कभी नहीं छोड़ा।



अपने पिता लक्ष्मीमल सिंघवी और अपने दोनों पुत्रों अनुभव सिंघवी और अविष्कार सिंघवी के साथ डॉ. अभिषेक सिंघवी

इंडिया टुडे की टॉप 50 शक्तिशाली भारतीयों की सूची में डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी को 34वें स्थान पर रखा गया था। इंदू भान द्वारा लिखित *लीगल ईगल्स* में सिंघवी को भारत के शीर्ष सात वकीलों में सूचीबद्ध किया गया है और उनका जीवन-परिचय है। हाल में ही, श्वेता बंसल की *कोर्टिंग पॉलिटिक्स (Courting Politics)* देश के शीर्ष नौ वकीलों के व्यक्तिगत स्केच से संबंधित है, जिसमें डॉ. सिंघवी एक मजबूत राजनीतिक ओहदे के साथ हैं। उस सूची में सक्रिय वकीलों में, सिब्बल और सिंघवी उच्च राजनीतिक प्रोफाइल के साथ अति सक्रिय वकीलों के रूप में खड़े हैं। अन्य दो में चिदंबरम और खुर्शीद हैं, परंतु वकालत की प्रैक्टिस में उनसे थोड़ा कम सक्रिय हैं।



रतन टाटा के साथ डॉ. अभिषेक सिंघवी



पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बाराक ओबामा और उनकी पत्नी
के साथ डॉ. अभिषेक सिंघवी

जाहिर तौर पर, डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी एक प्रतिष्ठित न्यायविद, सांसद, प्रत्यक्ष मीडिया व्यक्तित्व, प्रसिद्ध स्तंभकार, लेखक, और टिप्पणीकार के रूप में जाने जाते हैं।

9. एक ऐसा व्यक्तित्व जोकि काम को महत्व देता है

राजस्थानी में एक कहावत है – ‘सबला उथरण निबाला थारन’, जिसे महान व्यक्तित्व के संबंध में उद्धृत किया गया है। इसका अर्थ है कि यदि कमजोर लोगों की बेहतरी करने के लिए मजबूत लोगों का उन्मूलन करने की जरूरत पड़े तो एक महान व्यक्ति एक पल की भी देरी नहीं करता है। इसको सही साबित करने के लिए, डॉ. सिंघवी हमेशा से ही सतर्क और सक्रिय रहते हैं। उन्हें हमेशा महान पुरुषों में सबसे आगे देखा जाता है जोकि असत्य और अन्याय के खिलाफ लगातार योद्धा के रूप में लड़ते हैं और वह काम को महत्व देते हैं, न कि श्रेय को। उनको अपनी अंतहीन सक्रियता के कारण एक विशिष्ट सांसद के अलावा, विशेषाधिकार समिति, कानून, न्याय और शिकायत समिति तथा शहरी विकास मंत्रालय के लाभ और सलाहकार समिति के कार्यालय की संयुक्त संसदीय समिति के लिए नियुक्त किया गया। इसके अलावा, उन्हें सांसदों के अमेरिकी मंच का उपाध्यक्ष बनाया गया है। एक तरफ वह SAARC

समिति के चेयरमैन हैं, तो दूसरी तरफ वह मानवाधिकारों के संयुक्त सचिव जैसे महत्वपूर्ण पद की गरिमा को बढ़ाते हैं। कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय संस्थानों में पूरी मानव जाति और उनकी समस्याओं के समाधान के प्रति उनकी सक्रियता उनके विचारों का प्रमाण देती है, क्योंकि उनके जीवन का मुख्य आदर्श 'वसुधैव कुटुंबकम्' (पूरा संसार एक परिवार की तरह) है। राजनीतिक दुनिया में वह कड़ी मेहनत और मानव सेवा के सच्चे दूत हैं।



डॉ. अभिषेक सिंघवी का शेरागढ़, जोधपुर में ग्रामीणों द्वारा स्वागत

10. सांप्रदायिक सदभाव के लिए सामाजिक कार्य को करना

एक सांसद के रूप में, डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की रिपोर्ट मीडिया द्वारा पूरे देश में विस्तारपूर्वक बताई गई है, जिन्हें देख कर यह आसानी से महसूस किया जा सकता है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सामुदायिक हॉल, सड़कों, छात्रों के छात्रावास और मीटिंग हॉल का निर्माण जैसे मुद्दों पर वे लगातार सक्रिय रहे हैं। ये सभी ऐसी गतिविधियाँ हैं, जो सीधे समाज, समुदायों, वर्गों, और आम जनता से जुड़ी हैं।

इस प्रकार के कामों से वह दिखाना चाहते हैं कि वह सबके हैं और सब उनके हैं। उन्होंने जिस प्रकार शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बहुत ही कुशलतापूर्वक तरीके से काम किया, इसने उन्हें जनप्रतिनिधि बना दिया, क्योंकि उनका मानना है कि केवल एक शिक्षित और स्वस्थ समाज ही देश को विकास के

मार्ग तक ले जा सकता है। लोगों के कल्याण के इस उद्देश्य के साथ, वह लोगों तक पहुँचने में सक्षम रहे हैं और सरकार की सार्वजनिक कल्याणकारी इकाई को आकार देने में भागीदारी की है। उन्होंने सीटों के आवंटन की व्यवहार्यता पर ध्यान दिया है ताकि एक संसदीय प्रतिनिधि का उचित उपयोग किया जा सके और जरूरत के हिसाब-किताब को बनाए रखा जा सके, ताकि प्रतिनिधि का उपयोग बेहतरीन उदाहरणों में से एक के रूप में गिना जा सके। उनके द्वारा किया गया संसदीय प्रतिनिधि का उपयोग केवल सार्वजनिक कल्याण के उद्देश्य को पूरा करता है, जो कि संसद सदस्य के रूप में उनकी संवेदनशीलता का प्रमाण भी है। यदि किसी एक प्रतिनिधि की उपयोगिता का विश्लेषण उसके जनकल्याण कार्यों के रूप में किया जाता है, तो यह स्पष्ट रूप से संकेत है कि लोकतांत्रिक मानवता को मजबूत करने के लिए इस संसदीय प्रतिनिधि द्वारा एक मजबूत आधारशिला रखी गई है। इस संसदीय प्रतिनिधि पर इतने सारे प्रश्न उठाए गए हैं, लेकिन उन्होंने लोकतांत्रिक उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में इसका इस्तेमाल किया है।

यदि उनके नाम में आए शब्दों को रूपक बना कर कहा जाए तो 'अभिषेक' कल्याण के विचार को और 'मनु' निर्माता के विचार को गहरा करता है। अपने नाम अभिषेक के महत्व को, उन सार्वजनिक कल्याणों और रचनात्मक प्रतिभाओं के साथ उपजाऊ बनाने के लिए उन्होंने सार्वजनिक कल्याण के कार्यों को निष्पादित करते समय उस पर समानता, न्याय, और विवेक की मुहर लगा दी है। वह संसदीय लोकतंत्र में सार्वजनिक कल्याण के अभिषेक (अभिषेक) हैं। लोकतंत्र अभिषेक के सौम्य हाथों से इसे पूरा करना चाहता है और इसीलिए अभिषेक को लोकतांत्रिक आचारों का संरक्षक बुलाया जाता है और भविष्य में भी कहा जाता रहेगा।

शिक्षा का नैतिक सिद्धांत मानता है कि सबसे बड़ा उदार पहलू आम लोगों के सर्वांगीण विकास में निहित है। एक शिक्षित व्यक्ति की चार आँखें होती हैं। उदाहरण के लिए, उसकी दो आँखें देखने के लिए, और दिल की दो आँखें अंदर होती हैं - दोनों ही खुली होती हैं। चार आँखें ठीक तरह से पहचानने और अच्छे या बुरे की पहचान करने के लिए जरूरी होती हैं। शिक्षा मनुष्य को आध्यात्मिक और पराभौतिक अज्ञानता से मुक्त करती है और ज्ञान के सभी स्वादों को सामने लाती है और इस तरह मनुष्य को प्रकाशमय करती है। दिमाग से संदेहों के सभी मुखौटे हटा कर उसे समझने का एक अविनाशी हथियार प्रदान करती है, जो जीवन के संघर्ष में आनेवाली सभी बाधाओं

और कठिनाइयों का सफलतापूर्वक सामना करने और उन्हें दूर करने में मनुष्य को सक्षम बनाती है।

जीवन के सिद्धांत के रूप में शिक्षा के इस नैतिक पहलू के महत्व को ध्यान में रखते हुए, उन्होंने लोकतंत्र और न्यायविद के रूप में ऊँची से ऊँची शिक्षा और दक्षता हासिल की। डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने अपनी सांसद निधि का एक बड़ा हिस्सा शिक्षा के क्षेत्र में लगाया है जो राजस्थान में शिक्षा के विकास में उनकी रुचि को दिखाता है।

जोधपुर जिले के ग्रामीण और शहरी शैक्षिक क्षेत्रों में शिक्षा के अधिकतम विकास के उद्देश्य से उन्होंने अपनी संसदीय निधि से पूर्ण सहयोग दिया और जिसे सांसदों के बीच एक दुर्लभ नमूना माना जाता है। इसका मुख्य कारण यह है कि उन्हें अपनी राजनीति में सेवा के विचारों को प्राथमिकता देते हुए खुशी प्राप्त होती है और जिसे उन्होंने कई अवसरों पर व्यक्त भी किया है। इस तरह एक ऐसा व्यक्ति, जो अपने शब्दों को प्राथमिकता देता है, के रूप में डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने दिल की गहराई से अपनी सेवा प्रदान की है और जो व्यक्ति पूरी तरह से काम करता है, वह हमेशा सफल साबित होता है। एक कवि ने इस तरह के सेवाभावी व्यक्तियों को समझ कर पूरी तरह से सही कहा है :

तुम्हारे समक्ष जो भी प्रश्न हैं, तुम सभी के उत्तर पाओगे; तुम्हारे हृदय में जो मूल इरादा है, तुम उतना सबकुछ पाओगे। आँखों से छुपा अदृश्य गंतव्य भी तुम्हारे आगे प्रकट हो जाएगा; यह नहीं, वह नहीं होगा, यह संदेह भी गायब हो जाएगा। कितना भी असंभव क्यों न हो वह भी सब संभव हो जाएगा; हृदय में, यही उनका एक मात्र एक इरादा है जो तुमको मिल जाएगा।

शिक्षा के क्षेत्र में सांसद निधि का कैसे उपयोग किया जाना चाहिए, अगर आप इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण देखना चाहें तो इसके लिए आपको यह देखना होगा कि कितनी मेहनत और संवदेनशीलता डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने अपने संसदीय क्षेत्र में दिखाई है? अपने अथक प्रयासों से उन्होंने अपने क्षेत्र में शिक्षा के नवीनतम रूप को बढ़ावा दिया है और पश्चिमी राजस्थान में कंप्यूटर शिक्षा के प्रसार की दिशा में भारती फाउंडेशन, नई दिल्ली की सहायता से ईमानदारी पूर्वक कदम बढ़ाते हुए इस क्षेत्र में कंप्यूटर शिक्षा को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया है। इस प्रयास का प्रत्यक्ष सबूत यह है कि उन्होंने अपनी सांसद निधि से तीन कंप्यूटर खरीदे और उन्हें सत्य भारती स्कूल में उपलब्ध कराया।

डॉ. सिंघवी ने पूर्व प्राइमरी और प्राथमिक विद्यालय बेलवा राणाजी के निर्माण के लिए 6.884 लाख रुपए और प्राथमिक विद्यालय लोरडी देजगरा के निर्माण के लिए 6.753 लाख रुपए दिए और प्राथमिक विद्यालय बावरला मण्डोर के निर्माण के लिए 6.736 लाख रुपए की वित्तीय सहायता अपनी सांसद निधि से दी। आधुनिक समय में कंप्यूटर शिक्षा की आवश्यकता महसूस करते हुए डॉ. सिंघवी ने एयरटेल के सचिन भारती को भी इसमें शामिल करने का अथक प्रयास किया। उन्होंने होप फाउंडेशन, नई दिल्ली के संरक्षण के अंतर्गत राजकीय माध्यमिक विद्यालय रातानाडा, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, मदेरणा कॉलोनी और सुल्तान राजकीय माध्यमिक विद्यालय, पाली, रातानाडा में कंप्यूटर शिक्षा प्रदान कराने के लिए अपनी संसदीय निधि से प्रत्येक विद्यालय में छः लाख रुपए की दर से कुल 18 लाख का कंप्यूटर प्रिंटर खरीद कर एक उदाहरण स्थापित किया है।

डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी की तीव्र इच्छा रही है कि शैक्षणिक क्षेत्र में जो भी कमी और अवश्यकताएँ हैं, उन्हें जल्द से जल्द सांसद निधि की सहायता से नियोजित तरीके से पूरा किया जाना चाहिए। इस क्रम में उन्होंने प्रसिद्ध एजेन्सी फोर्ब्स फाउंडेशन की देख-रेख में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर के लिए सांसद निधि से 50 लाख रुपए के निवेश से पूरे फर्नीचर के साथ एक सम्मेलन हॉल का निर्माण करके एक प्रवक्ता के रूप में सामाजिक कर्तव्य की जिम्मेदारी निभाई है। इस क्रम में इन्होंने जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय में अपनी सांसद निधि से 20 लाख रुपए के खर्च पर तीन सौ व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाले एक सम्मेलन हॉल का निर्माण कराया, जो शैक्षिक वातावरण की संभावना को बढ़ाता है।

शिक्षा के क्षेत्र की हर आवश्यकता को पूरा किया जाए और छात्रों को इन आवश्यकताओं की पूर्ति से लाभान्वित किया जाए, इस दृष्टिकोण के साथ डॉ. सिंघवी पूर्ण रूचि के साथ और सांसद निधि के उचित उपयोग से पूरा की जानेवाली आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हैं। विज्ञान विषयों के गहन अध्ययन के लिए प्रयोगशालाएँ अत्यंत जरूरी हैं, इस एहसास के साथ और इस आवश्यकता को मद्देनजर रखते हुए उन्होंने महाराजा प्रहलाद सिंह चैरिटेबल ट्रस्ट माणकलाव में तीन प्रयोगशालाओं के निर्माण के लिए सांसद निधि से 17 लाख रुपए प्रदान किए।

कॉलेजों में सम्मेलन कक्षों की आवश्यकता की वकालत करते हुए डॉ. सिंघवी ने श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ जैन महाविद्यालय में अपनी सांसद निधि से 20 लाख रुपए से एक

सम्मेलन कक्ष बनवाया और भगवान महावीर शिक्षण संस्थान, पुलिस लाईन के सामने, जोधपुर में कमरों की कमी को देखते हुए उन्होंने तीन कमरों का निर्माण कराया और अपने व्यक्तिगत उत्साह/रुचि को प्रदर्शित किया।

डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी एक ऐसे संवदेनशील संसद सदस्य हैं जो अपने गृह जिले जोधपुर के अलावा पूरे राजस्थान में जहाँ भी उचित लगता है, एक मिशन के रूप में शैक्षणिक माहौल को बनाने की इच्छा रखते हैं और शैक्षिक वातावरण में सुधार के लिए बिना देरी किए अपनी सांसद निधि से योगदान कर देते हैं। उदाहरण के लिए राजकीय कॉलेज केकड़ी (अजमेर) में एक बड़े हॉल के निर्माण के लिए अपनी सांसद निधि से 6 लाख रुपए, राजकीय माध्यमिक विद्यालय जोजावर पंचायत समिति मारवाड़ जंक्शन (पाली) में दो कक्षा कक्ष के निर्माण के लिए सांसद निधि से 10 लाख रुपए दिए, और राजकीय माध्यमिक विद्यालय कानासर पंचायत समिति शिव बाड़मेर में एक अतिरिक्त शैक्षणिक भवन के निर्माण के लिए अपनी सांसद निधि से 5 लाख रुपए दिए।

इसी क्रम में छात्रावास औसिया में 5 लाख रुपए से एक सामान्य पुस्तकालय का निर्माण, सामराऊ के राजकीय उच्चतम माध्यमिक विद्यालय में दो कक्षा कक्ष के निर्माण के लिए तीन लाख रुपए, राजकीय प्राथमिक विद्यालय कोलू राठौड़ान में कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, पल्ली फांटा में कंप्यूटर कक्ष का निर्माण, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, निंबा का तालाब में कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय प्राथमिक विद्यालय कुशलवा-फलौदी में कक्षाओं का निर्माण, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, जुड़िया बालेसर में कक्षाओं का निर्माण, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के साथ दो हॉलों का निर्माण, प्राथमिक विद्यालय, गजसिंह नगर, शेरगढ़ में कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, भैसेर कोटवाली औसिया में दो कक्षा-कक्ष का निर्माण, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, छिला फलौदी में कमरे का निर्माण, उच्च माध्यमिक विद्यालय बाला बिलाड़ा में मुख्य द्वार और चाहरदीवारी का निर्माण, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नाथड़ाऊ, बालेसर में सामान्य पढ़ने के कमरों का निर्माण, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बोरानाड़ा लूणी में कक्षा-कक्ष का निर्माण, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लोलाबास, लूणी में कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, बस्सी नगर, औसिया में दो कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, मोड़ी लूणी में कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय

माध्यमिक विद्यालय बड़ी सिड़ बाप में कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, सिलोलाई नाड़ी दयाकौर फलौदी में कंप्यूटर कक्ष का निर्माण, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, गुरु मेघवालों की ढाणी, बालेसर में दो कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, दईकड़ा मण्डोर में प्रयोगशाला भवन का निर्माण, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, काकेलाव में कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, उम्मेद नगर पं. सं. बावड़ी में दो कमरों का निर्माण, राजकीय माध्यमिक चाड़ी फलौदी में कक्षा कक्ष का निर्माण, राज्य उच्च प्राथमिक विद्यालय, घाणा मगरा में कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, बालाजी नगर, बारा में कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, सालवा कला, मण्डोर में कक्षा कक्ष का निर्माण राजकीय माध्यमिक विद्यालय लूणा, बाप में दो कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, भोजासर फलौदी में कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चेराई औसिया में कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, आसौप भोपालगढ़ में प्रयोगशाला का निर्माण राजकीय माध्यमिक विद्यालय, सालवा कला मण्डोर में कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय संस्कृत प्राथमिक विद्यालय मोटलजी का बस बिराई में कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, खिन्दाकौर, प.सं. बावड़ी में कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, सतलाना, लूणी में कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय माध्यमिक विद्यालय डाडे की बेरी, शेरगढ़ में कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय माध्यमिक विद्यालय में विज्ञान विषय के लिए प्रयोगशाला का निर्माण और राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, कलानिया की ढाणी लोड़ता में कक्षा कक्ष के निर्माण का उल्लेख किया जा सकता है। अपने गृह जिले के अलावा दूसरे जिलों में भी डॉ. सिंघवी ने प्रस्तावित शैक्षणिक गतिविधियों के कार्यक्रमों के लिए अपनी सांसद निधि के नियोजन में कोई कमी नहीं दिखाई है, जो उनके प्रगतिशील विचारों और दृष्टिकोण का सूचक है। इस क्रम में राजकीय माध्यमिक विद्यालय लाखा, जैसलमेर में दो कक्षा कक्ष का निर्माण, हंसराज तारचंद राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सायला जालोर में कृषि विज्ञान प्रयोगशाला का निर्माण, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बुडलाई नादी हरियाली जालोर में दो कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय प्राइमरी स्कूल, भीलों की ढाणी जालोर में कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, गुड़ा हेमा में दो कक्षा कक्ष का निर्माण, जालोर राजकीय प्राथमिक विद्यालय, सिरोही में कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, बसंतगढ़

सिरोही में दो कक्षा कक्ष का निर्माण, माध्यमिक पब्लिक स्कूल, देवीकोट जैसलमेर में कक्षा कक्षों का निर्माण, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धनारी सिरोही में सम्मेलन कक्ष का निर्माण, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, बारवा बाली पाली में दो कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, मेधवालों की ढाणी ग्राम पंचायत सखला और राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, सलखा जैसलमेर में कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धुरासनी जिला पाली में दो कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय माध्यमिक विद्यालय सोमता जिला जालोर में दो कक्षा कक्षों का निर्माण, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, जैसलमेर में अतिरिक्त कक्षा कक्षों का निर्माण, स्पोर्ट्स ग्राउण्ड में पवेलियन का निर्माण रानीवाड़ा तथा राजकीय सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, जिला सिरोही में दो कक्षा कक्षों का निर्माण, अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान, जैसलमेर में कक्षा कक्षों का निर्माण, राजकीय माध्यमिक विद्यालय पाली में पुस्तकालय कक्ष का निर्माण, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, बेतिणा, जैसलमेर में कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय माध्यमिक विद्यालय ममाना, जिला जयपुर में कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, गिड़ा जिला बाड़मेर और राजकीय प्राथमिक विद्यालय राजबेरा जिला बाड़मेर में कक्षा कक्ष का निर्माण, उनकी वित्तीय मदद से हुआ है। इन सभी जगहों पर शिक्षा के क्षेत्र की प्रत्येक आवश्यकता को पूरा करने के प्रयोजन से सक्रिय वित्तीय सहायता करके उन्होंने अपने महान और सवन्देनशील दृष्टिकोण का सबूत दिया है।

राजस्थान राज्य में लड़कियों की शिक्षा की गति में तेजी लाने के मकसद से राज्य और निजी उद्यमों के तहत डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने जहाँ आवश्यकता समझी, वहाँ शिक्षा के लिए प्रयास शुरू किए हैं और इस काम के लिए भी अपनी सांसद निधि खर्च करने में वह कभी कमजोर नहीं पड़े। इस क्रम में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, मथानिया, जोधपुर और राजकीय बालिका स्कूल, ढढ़ोरा भोपालगढ़, जिला जोधपुर में कक्षा कक्ष का निर्माण, न्यू राजकीय प्राथमिक बालिका विद्यालय, लाम्बा बिलाड़ा में कक्षा कक्ष का निर्माण, एस.एम. बालिया राजकीय उच्च माध्यमिक बालिकाविद्यालय, पाली में कक्षा कक्ष का निर्माण और राजकीय बालिका प्राथमिक विद्यालय, सातपुर जनजातीय क्षेत्र, आबूरोड़ में दो कक्षा कक्ष का निर्माण शामिल है। इसके साथ महिला शिक्षा की स्थिति में सुधार के उद्देश्य से अपनी सांसद निधि का उन्होंने उचित उपयोग किया।

11. डॉ. सिंघवी द्वारा सार्वजनिक उपयोग में आनेवाले भवनों से संबंधित मामलों में भागीदारी

डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी द्वारा अपनी सांसद निधि से कई समुदायिक हॉल और साधारण हॉल का निर्माण कराया गया है, जिसे शिक्षा के वातावरण को बनाने में बहुत ही उपयोगी माना गया।



जालौर, राजस्थान के जिला मुख्यालय का ऑडिटोरियम, जिसका निर्माण डॉ. अभिषेक सिंघवी के सहयोग से हुआ

ये ऐसे कार्य थे, जिन्होंने समाज के अन्य वर्गों के लोगों के साथ अकादमिक बंधुता की प्रशंसा भी अर्जित की। अपनी दूरदर्शिता और बहुउद्देशीय उपयोगिता की सराहना के बल पर मदरसा भैय्या की ढाणी कुशलवा, फलौदी मदरसा तालिमुल कुशन हाजी सागर आऊ फलौदी में सामुदायिक भवन, प्रजापति छात्रावास औसिया में सामुदायिक भवन, बालोतरा में मेघवाल छात्रावास के पास में सामान्य बहुउद्देशीय हॉल के निर्माण के द्वारा उन्होंने अपनी वास्तविक संवेदनशीलता का साक्ष्य दिया है।

12. सामाजिक एकरूपता के प्रति डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी का अनूठा उदाहरण

सामाजिक एकजुटता को संरक्षित करने के लिए हमें समाज के हर स्तर के लोगों के साथ सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, और शैक्षिक क्षेत्रों में उचित नजरिये को आत्मसात करना होगा, अपनी सांसद निधि का उपयोग करते हुए डॉ. सिंघवी ने हमेशा इन शब्दों पर पूरा ध्यान दिया है और शिक्षा में एकरूपता प्रदान करने के लिए

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के साथ गहरी संवेदना को जाहिर करते हुए उन्होंने अपनी सांसद निधि से उनसे संबंधित स्कूलों और छात्रावासों को भी पूर्ण वित्तीय सहायता दी। इस क्रम में उन्होंने सांसद निधि से शेरगढ़ स्थित भीलों की ढाणियां, भौन सागर में राजकीय शिक्षा कर्मी स्कूल के तीन कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, प्रेमनगर हिम्मतपुरा, शेरगढ़ में दो कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, गाडना, बाप में दो कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, चांगुरी में दो कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय बालिका माध्यमिक प्राथमिक विद्यालय, नाडसर, भोपालगढ़ में दो कक्षा कक्ष का निर्माण और अपने गृह जिले जोधपुर के अलावा उन्होंने अपनी सांसद निधि से महावीर आवासीय बधिर विद्यालय, जालोर में हॉलों का निर्माण कराया।



इलेक्ट्रो-सर्जिकल कैंटीरी

महात्मा गाँधी चिकित्सालय जोधपुर, राजस्थान

राजस्थान राज्य में सामाजिक, भौगोलिक, और प्रशासनिक तथा धार्मिक कारणों के चलते स्वास्थ्य सेवाएँ उपेक्षित रही हैं। राज्य के प्रमुख हिस्सों में बुनियादी आवश्यकताओं, जैसे कि साफ पानी, पौष्टिक आहार और शौचालयों की सुविधा काफी कम है जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह साबित होता है। इन समस्याओं के कारण यहाँ के इलाकों में संक्रामक बीमारियों की घटनाएँ कहीं अधिक पायी जाती हैं। यदि हम पूर्व और वर्तमान की सबसे बड़ी खुशी को ध्यान में रखे तो निश्चित ही स्वास्थ्य ही सबसे अमूल्य पूँजी के रूप में माना जाएगा। इस तथ्य को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता कि एक स्वास्थ्य शरीर ही सबसे बड़ी खुशी है। इसके चलते ही स्वास्थ्य शरीर को सात खुशियों में से पहली खुशी के रूप में सोच-समझ कर स्वीकार किया गया है।

इसके पीछे का छिपा कारण यह माना जाता है कि स्वस्थ मन स्वस्थ शरीर में रहता है। हमारा शरीर एक मंदिर है जहाँ आत्मा निवास करती है। यदि मंदिर गंदा और बीमार है तो मंदिर के भीतर बैठा मन दूषित हो जाएगा। इस नजरिए के अनुसार सेहत; स्वास्थ्य शरीर, स्वास्थ्य विचार और स्वस्थ बुद्धि का प्रतिबिंब है। स्वास्थ्य के इस मुख्य उद्देश्य को आत्मसात करते हुए डॉ. सिंघवी ने अपनी सांसद निधि को स्वास्थ्य सेवा के सहायत्री के रूप में प्रयोग किया और सभी मनुष्यों की सेहत के प्रति उनकी चिंता का सबूत किया।

13. जोधपुर के सरकारी अस्पताल को पूर्ण सहयोग

मानवतावादी सेवा के परिणाम स्वरूप डॉ. सिंघवी ने, अपना स्वयं का विभाजन कर और राजस्थान के अन्य स्थानों को जाँचने और महसूस करने के बाद जहाँ भी उपयुक्त समझा, वहाँ उनकी आवश्यकता के अनुसार अपनी सांसद निधि का उपयोग किया और स्थिति की माँग के अनुसार कार्य निष्पादित किया। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और आम मरीजों की राहत तथा समय पर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के नजरिए को ध्यान में रखते हुए उन्होंने डॉ. एस. एन. मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल और नियंत्रक को अपनी सांसद निधि से टैम्पो ट्रेवलर ऐंबुलेन्स मुहैया कराई। यह ऐंबुलेन्स मेडिकल कॉलेज से जुड़े जोधपुर के सभी अस्पतालों में अपनी सेवा प्रदान करती है।

इस तरह से जन साधारण रोगियों को राहत पहुँचाने के उद्देश्य से डॉ. सिंघवी ने मेडिकल रिलीफ सोसाइटी, महात्मा गाँधी अस्पताल, जोधपुर को एक्स-रे मशीन (छवि तीन आयाम आईटीबीपी) दानस्वरूप प्रदान की, जिसकी कीमत 30 लाख रुपए थी। इसी क्रम में महिला बाग अस्पताल में प्रयोगशाला के निर्माण को मंजूरी दी, ताकि क्षेत्र के लोगों को मामूली परीक्षणों के लिए यात्रा करने की आवश्यकता न हो। इस निर्माण कार्य के लिए उन्होंने 20 लाख रुपए की मंजूरी दी।

मरीजों की निरंतर बढ़ती संख्या और एक्स-रे मशीन की लगातार आवश्यकता को महसूस करते हुए, उन्होंने मथुरादास माथुर अस्पताल में 4 लाख रुपए से अधिक की लागत की एक एक्स-रे मशीन (500 एम) को स्थापित किया। इसके साथ ही उन्होंने मथुरादास माथुर अस्पताल में इलेक्ट्रो-सर्जिकल कॉटरी चार (Electro-surgical Cauter Char) प्रदान किया जिसकी कीमत 5.79 लाख रुपए थी।



**एक्स-रे मशीन (छवि तीन आयाम), महात्मा गांधी अस्पताल, जोधपुर,
राजस्थान का उद्घाटन करते हुए डॉ. अभिषेक सिंघवी**

उन्होंने 6 लाख रुपए की लागत की डायलिसिस मशीन जो कि गुर्दे की बीमारियों के लिए बहुत जरूरी है, को मथुरादास माथुर अस्पताल में दान दिया। यहाँ डॉ. सिंघवी ने अपनी सांसद निधि में से 4.24 लाख रुपए का निवेश करके एयर स्टेरलाइजर की कमी को पूरा किया। मथुरादास माथुर अस्पताल में एक विश्लेषक मशीन की जरूरत को ध्यान में रखते हुए और मरीजों को सहायता प्रदान करने के लिए उन्होंने पूरी तरह से स्वचालित विश्लेषक मशीन अपनी सांसद निधि में से 11.3 लाख रुपए निवेश करके उपलब्ध कराई और यह रोगियों के लिए काफी मददगार साबित हुआ। इस स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम के तहत निष्पादित योजनाओं का नतीजा यह हुआ है कि मथुरादास माथुर अस्पताल में कुछ स्वास्थ्य सेवाएँ समस्यारहित आसानी से उपलब्ध हैं।

जोधपुर शहर और आस-पास के क्षेत्रों से आनेवाले मरीजों के लिए, महात्मा गाँधी अस्पताल वर्षों से स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराता रहा है। इस अस्पताल की एक अलग पहचान है। इस अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और इसमें सुधार के लिए यहाँ के जन-प्रतिनिधियों का विशेष योगदान रहा है। चूँकि डॉ. सिंघवी, इस शहर के कुएँ और गलियों की बदहाली से बहुत ज्यादा पीड़ित रहे, इसलिए जब उन्हें इस अस्पताल की जरूरतों का एहसास हुआ तो उन्होंने स्वास्थ्य सेवा की आवश्यकताओं के लिए अपनी सांसद निधि का उपयोग किया। उन्होंने महात्मा गाँधी अस्पताल, जोधपुर में निरीक्षक की निगरानी में इलेक्ट्रो-सर्जिकल कॉटरी (Electro-surgical Cautery) की दो यूनिट स्थापित की, जिसमें निवेश 5.00 लाख रुपए था। इसी तरह उन्होंने अपनी सांसद निधि से रक्त गैस विश्लेषक (Blood Gas Analyser) के लिए 4.47 लाख रुपए की मंजूरी दी।



डॉ. अभिषेक सिंघवी के सहयोग से जीवन रक्षक एंबुलेंस वाहन

बढ़ती आबादी और मरीजों की संख्या में लगातार होती वृद्धि के चलते, उन्होंने कार्यकारी अभियंता, लोक निर्माण विभाग की देखरेख में महात्मा गाँधी अस्पताल, जोधपुर में आईसीयू के विस्तार के लिए अपनी सांसद निधि से 8.25 लाख रुपए का निवेश किया।

सबसे बड़ा महिला चिकित्सा उपचार केंद्र उम्मेद अस्पताल है और पश्चिमी राजस्थान, जोधपुर शहर और आस-पास के क्षेत्रों से आनेवाली महिला मरीजों का इलाज यहाँ किया जाता है। यह अस्पताल वर्षों से अपनी सेवा दे रहा है। महिला रोगियों के इलाज के लिए आवश्यक सामग्री और सुविधाएँ यहाँ की जरूरत हैं। डॉ. सिंघवी, जिनका जन्म जोधपुर में ही हुआ था, ने अपनी सांसद निधि से इसका हर मुमकिन सहयोग करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। सभी समस्याओं की जाँच करने और समझने के पश्चात उन्होंने अधीक्षक, उम्मेद अस्पताल, जोधपुर के परामर्श से जोधपुर के उम्मेद अस्पताल में अपने विवेक पर वेंटिलेटर की एक इकाई स्थापित की है, जिसमें 7.90 लाख रुपए का निवेश किया गया है। इसी क्रम में उन्होंने अस्पताल में मल्टीपैरामीटर (6 पैरामीटर, उन आईवीपी की दो इकाइयों को दान दिया जिसकी लागत 2.59 लाख रूपया रही है) एवं उम्मेद अस्पताल की आवश्यकता के अनुसार उन्होंने सिरिंज जाँच पंप की 8 इकाइयाँ प्रदान की और इसके साथ-साथ आवश्यक सामग्रियों की कमी को देखते हुए अस्पताल को खुली देखभाल प्रणाली (open care system) सहित दो ट्रॉली पंप भी प्रदान किया। उन्होंने गर्भवती महिलाओं की सुविधा के लिए लेबर रूम में पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन के लिए अपनी सांसद निधि से 3.62 लाख रुपए की मंजूरी

दी। इस तरह वह हमेशा अपनी सांसद निधि से जोधपुर शहर के तीन प्रमुख अस्पतालों और शहर के आंतरिक अस्पतालों तक सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार रहे हैं।

14. ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के प्रति प्रकट इच्छा

आज़ादी के बाद से, राजस्थान में स्वास्थ्य सेवा लगातार प्रगति कर रही है, परंतु यह विकास ग्रामीण क्षेत्रों के बनिस्बत शहरों में ज्यादा दिखाई देता है। हमें सभी के लिए स्वास्थ्य सुनिश्चित करने और स्वस्थता का शंखनाद करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना होगा और केवल तभी एक स्वस्थ समाज को देखा जा सकता है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी का नाम उन जन-प्रतिनिधियों में सबसे आगे गिना जाता है, जिन्होंने इन विचारों को अपने दिमाग में पोषित किया है। ग्रामीण स्वास्थ्य के सुधार के लिए कुछ करने का इरादा उन्हें यह सुझाव देता है कि स्वास्थ्य सेवाओं को जिले के दूरस्थ कोनों में अच्छा होना चाहिए। इसी सुझाव पर अमल करते हुए उन्होंने केतु मदा पंचायत बालेसर उपखण्ड के भीतर जवाहर नगर में उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कराया, जिसके लिए उन्होंने अपनी सांसद निधि से 4.00 लाख रुपए मंजूर किए।



राजस्थान भर में कई सामाजिक कल्याण हॉल में से
एक उद्घाटन पट्टिका

इसी क्रम में, विजय नगर खुडियाला ग्राम पंचायत में 4.75 लाख रुपए के निवेश के साथ उप स्वास्थ्य केंद्र भवन का निर्माण किया गया और यह स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार का एक उदाहरण है। साथ ही गाँव टीकमगढ़, आगोलाई ग्राम पंचायत में सहायक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण भी एक उल्लेखनीय कदम है, इसी प्रकार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देचू में मोर्चरी कक्ष का निर्माण जनता के प्रति उनकी चिंता का सबूत है।



डॉ. अभिषेक सिंघवी के सहयोग से आईसीयू विस्तार कार्य, महात्मा गाँधी अस्पताल, जोधपुर, राजस्थान

डॉ. सिंघवी ने अपने जिले के अलावा दूसरे जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भी कोई कम सहयोग नहीं किया। यह 'सभी के लिए कल्याण, सभी के लिए खुशी' के सिद्धांत के प्रति उनके गहन प्यार की पुष्टि करता है। अपने इस विचार को साबित करते हुए उन्होंने जोधपुर के निकट पाली जिले के सबसे बड़े बांगड़ अस्पताल के लिए अपनी सांसद निधि से 20 लाख रुपए की मंजूरी दी। जालोर के जिला अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन के लिए 12 लाख रुपए और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रेवतड़ा जालोर में प्रयोगशाला कक्ष और महिलाओं के वार्ड के निर्माण के लिए 8 लाख रुपए की स्वीकृति उनकी समानुभूति को परिभाषित करती है।

इस तरह से डॉ. सिंघवी ने स्वास्थ्य सेवा की बेहतरी के लिए निम्न कार्यवाही की है। राजकीय नाहटा अस्पताल, बालोतरा में जमीन के तल पर पृथक वार्ड का निर्माण (निवेश 15 लाख रुपए), राजकीय जवाहर अस्पताल, जैसलमेर में डिजिटल एक्स-रे मशीन (निवेश 15 लाख रुपए), राजकीय अस्पताल, पोकरण में कलर डोप्लर सोनोग्राफी मशीन (निवेश 15 लाख रुपए) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सांडेराव पाली में ऐंबुलेन्स (निवेश 8 लाख रुपए) जैसे अनेक सराहनीय कार्य उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं के लिए किए हैं और इन महान कार्यों के लिए वह हमेशा ही प्रशंसनीय बने रहेंगे। इसी प्रकार अपनी सांसद निधि से उन्होंने सेठ सागरमल चिमनाजी राजकीय अस्पताल, सांडेराव में मरीजों के वार्ड के निर्माण (निवेश 5 लाख रुपए) को मंजूरी दी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, भीनमाल (जालोर) में विभिन्न सामग्रियों की खरीद के लिए 7.50 लाख रुपए, रेंवत जालोर में सहायक स्वास्थ्य केंद्र के भवन निर्माण के लिए 5 लाख रुपए,

सहायक स्वास्थ्य केंद्र, जवाहरपुरा (बालोतरा) में बिल्डिंग के लिए 8 लाख रुपए, सहायक स्वास्थ्य केंद्र, नया गाँव (पाली) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रानीवाड़ा जालोर में इमारत के लिए क्रमशः 4.25 लाख और 2.00 लाख रुपए दिये।



**डॉ. अभिषेक सिंघवी के सहयोग से राजकीय चिकित्सालय,
जैसलमेर, राजस्थान में एक्स-रे मशीन**

डॉ. सिंघवी द्वारा अपनी सांसद निधि से निम्नलिखित के लिए मुहैया कराया गया सहयोग इतना सफल साबित हुआ कि संबंधित सभी व्यक्ति बहुत खुश थे- राजकीय अस्पताल ढोला, जिला पाली में मोर्चरी का निर्माण, बांगड़ अस्पताल, पाली में ऑटो एनेस्थेसिया वेंटिलेटर, डायलिसिस के पास में दंत का निर्माण, बांगड़ अस्पताल, पाली उप स्वास्थ्य केंद्र कुड़ला (बाड़मेर) में इमारत, स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण अजानी (सिरोही) आदि।

स्वास्थ्य सेवा को बेहतर तरीके से करने के लिए कुछ छोटी-छोटी जरूरतों को पूरी करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इन छोटी आवश्यकताओं के चलते स्वास्थ्य जाँच करना मुश्किल हो जाता है। इस तरह की समस्याओं को हल करने में डॉ. सिंघवी का प्रयास सराहनीय है। इस क्रम में उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सांडेराव सुमेरपुर में अपनी सांसद निधि से निम्नलिखित चीजें उपलब्ध करा दीं - पल्स ऑक्सीमीटर (pulse oxymeter), डेफिब्रिलेटर (defibrillator), वेंटिलेटर (Ventilator), ऑक्सीजन सिलिंडर सहित रेगुलेटर (oxygen cylinder-cum-regulator) लैरीगो स्पाइस (बाल चिकित्सा एकल ब्लॉक) के साथ सेक्शन उपकरण, लैरीगोस्कोप मेटल (3 बेड्स) स्टेथोस्कोप अम्बूबैग, वैन सर्किट्री, वेंट मार्क, रेड रोब्टूब नंबर 75, वेंटी ऑक्सीजन मास्क, गैले और स्ट्रक्चर आदि जो भी मरीजों के लिए आवश्यक समझा जाता है।

इस क्रम में उन्होंने अपनी सांसद निधि से दस लाख रुपए में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, स्वरूपगंज, जिला सिरोही में प्रसूति कक्ष और मोर्चरी कक्ष का निर्माण कराया और राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, रोहिड़ा, जिला सिरोही में छः लाख से वार्ड और मोर्चरी कक्ष का निर्माण कराके अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिए अपनी सहानुभूति दिखाई है।



**डॉ. अभिषेक सिंघवी के सहयोग से राजकीय चिकित्सालय,
जालौर, राजस्थान में सोनोग्राफी मशीन**

डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने फलौदी पंचायत समिति के अंतर्गत आनेवाला गाँव होपारड़ी में सार्वजनिक भवन और बिलाड़ा पंचायत समिति परिसर में विश्राम घर और स्वागत कक्ष के निर्माण में योगदान दे कर सार्वजनिक उपयोगिता के प्रति उत्साह और संवेदनशीलता का परिचय दिया। इस तरह औसियां पंचायत समिति के अंतर्गत बापिनी गाँव में मेहोजी मंदिर के पास में सार्वजनिक विश्राम घर का निर्माण, बिलाड़ा में छात्रावास के पास में सामुदायिक हॉल का निर्माण, लूणी के नंदवान गाँव में बालिका छात्रावास के पास में सार्वजनिक हॉल का निर्माण आदि गाँव, बड़े गाँवों और शहरी इलाकों में विकास की डॉ. सिंघवी की नीयत को दर्शाता है। इसी तरह बालेसर पंचायत समिति के सेखाला गाँव में गोगादेवजी मंदिर के पास में सार्वजनिक विश्राम घर का निर्माण, फलौदी पंचायत समिति के सुआप गाँव में करणी माता धाम के पास में सार्वजनिक मीटिंग हॉल के साथ शौचालय का निर्माण उपयोगिता के अच्छे उदाहरण के रूप में माने जाते हैं।

यदि डॉ. सिंघवी द्वारा उनके स्वयं के जिले के अलावा दूसरे जिलों में उनकी सांसद निधि के उपयोग की पुष्टि करने के लिए एक सर्वेक्षण आयोजित किया जाए तो यह काफी स्पष्ट होगा कि डॉ. सिंघवी ने राजस्थान में अपने क्षेत्र के अलावा दूसरे क्षेत्रों की भी उतनी ही चिंता की है और प्रमुख आवश्यक निर्माण किए हैं। इस कार्यक्रम में शामिल पाली जिले के भीतर पीचका मार्ग आकदड़ा में सामुदायिक हॉल का निर्माण, जैसलमेर जिले के झाबरा गाँव में हनुमानजी बगतजी की ढाणियों में सामुदायिक हॉल का निर्माण, बाड़मेर के पचपदरा में भगवती मंदिर के पास में सार्वजनिक सेवा भवन का निर्माण, बाड़मेर जिले के कोजा गाँव में सार्वजनिक विश्राम घर का निर्माण, जैसलमेर जिले के सम के लखा में सार्वजनिक विश्राम घर का निर्माण, बाड़मेर जिले के सिवाना में केशर शाह दरगाह के पास में सार्वजनिक हॉल का निर्माण, जैसलमेर जिले के भादरिया गाँव में सार्वजनिक हॉल का निर्माण और अजमेर जिले के केकड़ी पंचायत समिति के भीतर सलारी गाँव में सामुदायिक हॉल का निर्माण, ऐसे कुछ उदाहरण हैं जो कि डॉ. सिंघवी की दूरदर्शिता का परिचय देते हैं।



सामुदायिक भवन, सेखाला, जोधपुर का लोकार्पण करते हुए

डॉ. अभिषेक सिंघवी

सामाजिक कार्य के लिए अपनी सांसद निधि को आवंटित करने में डॉ. सिंघवी ने सामाजिक समानता और समरूपता को अपनी योजनाओं की आधारशिला बनाए रखने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उन्होंने अनुसूचित

जातियों और अनुसूचित जनजातियों की पूरी देखभाल की और अपनी सांसद निधि से आवश्यक कार्यों को पूरा कराया। इस कार्यक्रम के तहत औसिया पंचायत समिति के जूड़ गाँव के भीलों की ढाणियों में आवासीय क्षेत्र का निर्माण, ग्राम पंचायत ढढ़णियां शासन में मेघवालों की ढाणियों के पास विश्राम घर का निर्माण, पीपाड़ शहर के इंद्रा कॉलोनी में मेघवंशी विकास समिति के लिए गलियारे के साथ सामुदायिक हॉल का निर्माण और औसिया पंचायत समिति में मेघवाल छात्रों के छात्रावास के पास में सामुदायिक हॉल का निर्माण, ये सभी क्रियाकलाप डॉ. सिंघवी की सहानुभूति को दर्शाते हैं।

सहानुभूति के इस खेल में डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने निम्न चीजों को करा लिया- दानारामजी महाराज मंदिर, गोविन्दला की घाटी, जिला जालोर के पास में सार्वजनिक विश्राम गृह का निर्माण, सिरौही जिले में बसंतगढ़ के भीलवास में सार्वजनिक विश्राम भवन का निर्माण, पाली जिले के सुमेरपुर में बाबा रामदेव और बाल तपस्वी अणसी बाई मंदिर के पास में जवाई के किनारे सामुदायिक हॉल का निर्माण, सिरौही के छीबा गाँव में गौतम ऋषि महादेव मंदिर के पास चौटिला में सार्वजनिक सामुदायिक हॉल का निर्माण, जैसलमेर जिले के मोडा गाँव में बीजाणिया मेघवालों की ढाणियों के पास में सार्वजनिक हॉल का निर्माण, अजमेर जिले के केकड़ी पंचायत समिति के अंतर्गत सदारा गाँव के रेगर बस्ती में सामुदायिक हॉल का निर्माण, उसी केकरी में मेवदाकला गाँव के रेगर इलाके में सामुदायिक हॉल का निर्माण, जालोर जिले के रानीवाड़ा में वाल्मीकि मूर्ति के पास में विश्राम गृह का निर्माण, जालोर के रानीवाड़ा में एससी-एसटी बस्ती के पास में शौचालय के साथ विश्राम गृह का निर्माण, जालोर जिले के सवणा गाँव में मेघवाल के चौहटे में सार्वजनिक हॉल का निर्माण, जालोर के ओडवाड़ा में सार्वजनिक सम्मेलन भवन का निर्माण, जालोर जिले की आहोर पंचायत समिति के गाँव बुणतरा में मीणों की चौहटे में सार्वजनिक भवन का निर्माण, जालोर जिले के भैसवाड़ा गाँव में मेघवालों के आवासीय इलाके में सार्वजनिक भवन का निर्माण, बाड़मेर के समदड़ी में भीमराव अंबेडकर गार्डन में सामुदायिक हॉल का निर्माण और अजमेर के सलती गाँव के बैरवा इलाके में सार्वजनिक सामुदायिक हॉल का निर्माण, ये सब डॉ. सिंघवी की समानता की नीति के सूचक हैं।



लोगों को संबोधित करते हुए डॉ. अभिषेक सिंघवी

15. डॉ. सिंघवी ने ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क मार्गों का एक जाल बिछाया

सड़कों का निर्माण यातायात के लिए अत्यंत जरूरी माना जाता है। अनुमानतः, सड़क परिवहन हर साल 7 से 10 प्रतिशत तक बढ़ता है, जबकि वर्तमान में यह 12 प्रतिशत प्रति वर्ष से बढ़ता दिखाई पड़ रहा है। इससे यह समझा जा सकता है कि यहाँ सड़कों का महत्व कितना अधिक है। परिवहन का एक मुख्य जरिया होने के नाते 65 प्रतिशत सामान और 85 प्रतिशत यात्री परिवहन सड़क मार्गों के माध्यम से किया जाता है। इस कारण से, सड़कों का एक विशेष महत्व है जो एक स्थान को दूसरे स्थान से जोड़ता है।

सड़कों की उपयोगिता और महत्व को समझते हुए डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने अपने क्षेत्राधिकार के अंतर्गत ग्रामीण इलाकों के कुछ स्थानों पर अपनी सांसद निधि से जरूरी आवश्यकताओं के अनुसार सड़कों के निर्माण में अप्रत्याशित कदम उठाया है। इस क्रम में, उन्होंने लोक निर्माण विभाग, जोधपुर द्वारा कामेडिया पुरोहितान गाँव बालेसर पंचायत समिति में 5.67 लाख रुपए की लागत से 400 मीटर सड़क का डामरीकरण किया।



ग्रामीण राजस्थान में कई परियोजनाओं में से एक का उद्घाटन

इसी तरह से उन्होंने बस्तीराम मेघवाल के घर से मेघवालों की ढाणियों तक सी. सी. सड़क का निर्माण करवाया। अनुसूचित जाति के लोगों के निवास क्षेत्र में स्थित इस सड़क के निर्माण खर्च को डॉ. सिंघवी ने अपनी सांसद निधि से स्वीकृत किया था। इस क्रम में, उन्होंने महसूस किया कि राज्य के अन्य जिलों में भी जहाँ कहीं भी सड़कों की अत्यंत आवश्यकता हो, वहाँ अपनी सांसद निधि का इस्तेमाल करके सड़कों का अधिक से अधिक निर्माण किया जाए। उन्होंने पाली जिले में रानी नगर पालिका के तहत उम्मेद के घर से मोहम्मद की दुकान तक सड़क का निर्माण करवाया। रानी नगर पालिका के तहत उसी वार्ड नं. 3 में हैंडपंप से गणेश मंदिर तक सी. सी. सड़क का निर्माण करवाया।

सड़क निर्माण में रुचि के चलते उन्होंने सिरोही जिले के कालंद्री में भील आवासीय क्षेत्र में सी. सी. सड़क का निर्माण करवाया। इसी प्रकार डॉ. सिंघवी द्वारा जैसलमेर जिले के दामोदरा में सार्वजनिक पुल से दामोदरा बस स्टैंड तक सात लाख के निवेश से सड़क बना कर राहत प्रदान की गई। इसी क्रम में सिरोही जिले के पिंडवाड़ा पंचायत समिति के अंतर्गत घोडिवाला गाँव में सी. सी. सड़क का निर्माण, आदर्श डूंगरी ग्राम पंचायत के भीलवास में आँगनबाड़ी केंद्र से पुराराम भील के घर तक सड़क का निर्माण भी हुआ। उन्होंने सिरोही जिले के एसटी क्षेत्र के ग्राम पंचायत भारजा में चामुंडा माता मंदिर से पुराराम भील के घर तक सी. सी. सड़क का निर्माण करवाया। उन्होंने जालोर जिले में रेवतड़ा ग्राम पंचायत में सी. सी. सड़क का निर्माण करवाया, जो कि जालोर के पास में स्थित है। उन्होंने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों की

ओर से संसद सदस्य के रूप में निम्नलिखित सड़कों का निर्माण करके अपने कर्तव्य को अंजाम दिया- जालौर जिले में नीलकण्ठ महादेव मंदिर से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कॉलोनी तक 33 के. वी. जीएसएस की ओर सी. सी. सड़क का निर्माण, अनुसूचित जनजाति जीनगर कॉलोनी में एक सी. सी. सड़क का निर्माण और जालौर जिले के दासपा में मेघवाल सोसाइटी मीटिंग हॉल से आँगनबाड़ी तक सी. सी. सड़क का निर्माण। इसी तरह उन्होंने जालौर जिले के भाद्राजून में रामारोड से गोविन्दपुरा जैन मंदिर तक सी. सी. सड़क का निर्माण कर अमूल्य सहयोग दिया और पाली जिले के मारवाड़ पंचायत समिति में सी. सी. सड़क के निर्माण में भी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया।

राजस्थान के जोधपुर जिले में पशु-निविदाओं की बहुतायत है, जिसके चलते यहाँ पशु चिकित्सा अस्पताल की हमेशा माँग रही है। इसके पीछे मुख्य कारण यह है कि रोगग्रस्त जानवरों को बहुत दूर तक इलाज के लिए ले जाना मुश्किल हो जाता है। इस संदर्भ में यह महसूस किया गया कि आसपास के क्षेत्र में ही कहीं पशु चिकित्सा अस्पताल का होना जरूरी है। इसी सोच के तहत डॉ. सिंघवी ने अपनी सांसद निधि से पशु चिकित्सा अस्पताल स्थापित किया है।

इस क्रम में डॉ. सिंघवी ने भोपालगढ़ के आसोप ग्राम पंचायत को अपनी सांसद निधि से पाँच लाख रुपए स्वीकृत किया। उसी फंड के तहत उन्होंने मण्डोर के जलेली गाँव में एक पशु चिकित्सा अस्पताल के निर्माण के लिए अपनी सांसद निधि से 4.50 लाख रुपए खर्च किए। उन्होंने फलौदी पंचायत समिति के मोखेरी गाँव में एक पशु चिकित्सा अस्पताल के निर्माण के लिए 4.00 लाख रुपए खर्च किए, ताकि जानवरों को उचित उपचार मिलता रहे। इस प्रकार का काम डॉ. सिंघवी का मूक जानवरों के प्रति गहरी सहानुभूति को व्यक्त करता है।

राजस्थान के जोधपुर जिले में मवेशियों की बहुतायत पर विचार करते हुए डॉ. सिंघवी ने पशुशाला और चारा केंद्रों की अत्यंत जरूरत को महसूस करते हुए अपनी सांसद निधि से इस महान सामाजिक कार्य को करवाया। उन्होंने लूणी पंचायत समिति के खुडाला गाँव में एक दुग्ध सहकारी केंद्र की स्थापना के लिए अपनी सांसद निधि का इस्तेमाल किया। इसी क्रम में उन्होंने अपनी सांसद निधि से 5.00 लाख रुपए की मंजूरी दे कर गोपाल गौशाला औसिया में एक चारा गोदाम का निर्माण करवाया। अपने गृह जिले के अतिरिक्त जिलों में चारा केंद्रों की कमी को देखते हुए उन्होंने सिरोही जिले के

रेवदर स्थित पथमेड़ा गोधाम महातीर्थ द्वारा संचालित श्री दत्तात्रेय गो-सेवाश्रम केशुवा में एक चारा गोदाम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

16. पीने के पानी की समस्या से त्रस्त इलाकों को राहत

राजस्थान का मरुस्थल, क्षेत्र में पानी की कमी के कारण सभी जगह बहुत ही डरावना दिखाई पड़ता है। यूं तो सरकार द्वारा इस समस्या के हल के लिए कई योजनाओं को सालों से लागू किया जा रहा है, परंतु दूरस्थ ग्रामीण इलाकों में यह समस्या अत्यंत विकट है। डॉ. सिंघवी इस समस्या से भली-भांति परिचित हैं और इस समस्या से राहत दिलाने के लिए उन्होंने सांसद निधि का इस्तेमाल किया है और हमेशा ही सहयोग करने के लिये तत्पर रहे हैं। वह यह भी जानते हैं कि यह समस्या सिर्फ उनके गृह जिले तक सीमित नहीं है, बल्कि सभी जिलों में फैली हुई है। इस नजरिए के साथ, उन्होंने अपने गृह जिले के अलावा भी अन्य जिलों को अपना मुमकिन सहयोग दिया है। सार्वजनिक जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जिला जोधपुर के तहत भोपालगढ़ पंचायत समिति के अंतर्गत बेरा रतकुड़िया भीलों की ढाणियों तक जी. एल. आर. और पानी टैंक को स्थापित करने के लिए उन्होंने अपनी सांसद निधि से 5.0 लाख रुपए मंजूर किए, ताकि इस क्षेत्र में पेयजल सुविधा उपलब्ध हो सके।



डॉ. अभिषेक सिंघवी के सहयोग से निर्मित पानी की टंकी, सियेही, राजस्थान

इन समस्याओं को हल करने के लिए अपने गृह जिले के अलावा डॉ. सिंघवी द्वारा दूसरे जिलों में किए गए कार्य भी यादगार रहे हैं। इसमें उन्होंने एससी क्षेत्र में स्थित सिरोही जिले की ग्राम पंचायत जावाल में एक पानी का टैंक बनवाया और इसके लिए अपनी सांसद निधि से 9.60 लाख रुपए का निवेश किया। इसी प्रकार उन्होंने सिरोही जिले के वाटेरा ग्राम पंचायत के अंतर्गत आनेवाले अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति क्षेत्र में पेयजल सुविधा के लिए पाइप लाईन लगाने हेतु 4.00 लाख रुपए की मंजूरी दी।

17. डॉ. सिंघवी ने पुस्तकालय और वाचनालय विकसित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

आज कल वाचनालय एक महत्वपूर्ण जगह बन चुकी है। हालाँकि संचार क्रांति के चलते आज घर और विदेश से संबंधित जानकारियाँ तुरंत उपलब्ध हो जाती हैं, परंतु मुद्रित शब्द हमेशा से ही अधिक मूल्यवान माने जाते हैं।



राजस्थान भर में पंचायतों में युवा गतिविधि के लिए कई हॉलों में से एक के लिए उद्घाटन पट्टिका (भोपालगढ़ में)

वाचनालय को ज्ञान का खजाना माना जाता है और फिर जहाँ पत्रिकाएँ और आवधिक पत्र उपलब्ध हों तो उस पढ़ने के कमरे को स्वाद और सूचनात्मक ज्ञान में सुधार के लिए केंद्र बिंदु माना जाता है। इस तरह से एक पुस्तकालय को ज्ञान के भंडार के रूप में तथा वाचनालय को जानकारी के घर के रूप में महसूस करते और मानते हुए डॉ. सिंघवी ने इस महान कार्य में अपनी सांसद निधि का उपयोग उन जगहों पर करने की जिम्मेदारी मानी, जहाँ उसकी सबसे अधिक जरूरत है। इस परिपेक्ष्य में उन्होंने फलोदी पंचायत समिति के ग्राम पंचायत होपारड़ी में एक सार्वजनिक वाचनालय बनवाया और ग्रामीण इलाकों के लोगों की जानकारी और ज्ञान में सुधार के लिए

4 लाख रुपए का निवेश किया। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा आवंटित भूमि पर भोपालगढ़ पंचायत समिति में राजीव गांधी युवा क्लब के अधीन 4 लाख रुपए का निवेश किया और लाइब्रेरी हॉल का निर्माण करके ग्रामीण क्षेत्रों में ज्ञान के सुधार के लिए एक कार्यक्रम निष्पादित किया।

एक वाचनालय और लाइब्रेरी की उपयोगिता के एक उत्सुक पर्यवेक्षक डॉ. सिंघवी ने इस संदर्भ में अपनी सांसद निधि से अपने गृह जिले से बाहर के जिलों में भी कार्यवाही करते हुए इस कार्यक्रम के तहत बाड़मेर जिले के उन्डखा ग्राम पंचायत के बस स्टैंड के पास में सार्वजनिक वाचनालय के लिए अपने फंड से 3 लाख रुपए की मंजूरी दी। डॉ. सिंघवी का मानना है कि यह सांसद निधि समाज के सुधार और इसके ज्ञान में बेहतरी के लिए उपयोगी साबित होगी। इस जरूरत को पूरा करते हुए और इस उपयोगिता पर विचार करने के समय वह जाति, धर्म या पंथ के आधार पर कोई भेदभाव नहीं करते। उनके मुताबिक सांसद निधि के तहत फंड के प्रयोग की अवधारणा में विवेक की भी भूमिका होनी चाहिए, ताकि राज्य के साथ-साथ देश को भी सांसद निधि का लाभ मिल सके।

18. सांसद निधि की उपयोगिता की परिपूर्णता को सिद्ध करना

डॉ. सिंघवी अपने गृह जिले में महान कार्यों में अपनी सांसद निधि का उपयोग करते हुए अपने विवेक के आधार पर कह सकते हैं कि सांसद निधि का कितना फायदेमंद तरीके से उपयोग किया जा सकता है।



जोधपुर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पुलिस लाइन में कंप्यूटर लैब के लोकार्पण के दौरान डॉ. अभिषेक सिंघवी

इस कार्यक्रम के तहत, उन्होंने लोक निर्माण विभाग, जोधपुर शहर के माध्यम से पुलिस लाइन, जोधपुर में क्वार्टर गार्ड के सार्वजनिक महिला शौचालय ब्लॉक का निर्माण करवाया, जिसकी तत्काल आवश्यकता थी। उन्होंने बालेसर पंचायत समिति के अंतर्गत आनेवाले ग्राम खारीबेरी में आँगनबाड़ी केंद्र की चारदीवारी, शौचालय और टैंक का निर्माण करके सांसद निधि का उचित उपयोग किया। इस क्रम में, उन्होंने शेरगढ़ ग्राम पंचायत में स्थित सैनिक कल्याण कार्यालय के पास में एक बहुउद्देशीय हॉल बनाने के लिए अपनी सांसद निधि से 10 लाख रुपए खर्च किए, जो कि पूर्व सैनिकों के लिए उपयोगी है।

इसी क्रम में, उन्होंने जोधपुर जिले के विकलांगों को साइकिलों के वितरण हेतु अपनी सांसद निधि से 5 लाख रुपए की मंजूरी दी और इस प्रकार उन्होंने सामाजिक न्याय व सशक्तीकरण के रूप में एक बेहतरीन काम किया। इसी तरह के खास निर्माण के लिए संसद सदस्य सिंघवी ने अपने गृह जिले के लूणावास कला गाँव की शमशान भूमि पर एक टीन शेड का निर्माण करके राहत प्रदान की। इस तरह से निर्माण कार्यों को निष्पादित करना ही डॉ. सिंघवी का अंतहीन मकसद है।



डॉ. अभिषेक सिंघवी के सांसद निधि से विकलांगों को ट्राई साइकिलें प्रदान की गईं

इसी तरह उन्होंने जालोर में बार कक्ष भवन के 10 कमरों के निर्माण के लिए अपनी सांसद निधि से 15 लाख रुपए मंजूर किए। उन्होंने उसी जालोर जिले के आहोर में एक मिनी ऑडिटोरियम के निर्माण के लिए 19 लाख रुपए की मंजूरी दी, जो उस क्षेत्र में सामाजिक कार्य के लिए बहुत मददगार साबित हुई। जालोर जिले के बागरा गाँव में सार्वजनिक शमशान घाट की चारदीवारी का निर्माण संसद सदस्य सिंघवी के परोपकारिक कार्यों में से एक है। खेल में अपनी रुचि को प्रदर्शित करते हुए

डॉ. सिंघवी ने जालोर जिले के रानीवाड़ा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पवेलियन और सीढ़ियों के निर्माण के लिए 41.54 लाख रुपए की मंजूरी दी। इसी तरह उन्होंने जालोर जिला मुख्यालय स्टेडियम में एक सभागार के निर्माण के लिए 60 लाख रुपए की मंजूरी दी।



डॉ. अभिषेक सिंघवी के सहयोग से निर्मित अभिभाषक कक्ष,
जालोर, राजस्थान

खेल मैदान की चारदीवारी के अंदर डॉ. सिंघवी द्वारा अपनी सांसद निधि से जो निर्माण कार्य कराया गया, वह एक सराहनीय कदम था और इससे उनकी दूरदर्शिता का पता चलता है। इस क्रम में उन्होंने जालोर के भीनमाल पंचायत समिति के अंतर्गत दासपा में खेल मैदान की चारदीवारी के निर्माण के लिए 16 लाख रुपए और जैसलमेर का गाँव खुईयाला में स्टेडियम की चारदीवारी के निर्माण के लिए 5 लाख रुपए की मंजूरी दे कर ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इनके अलावा सिरोही जिले के पिण्डवाड़ा पंचायत समिति के भिमाना गाँव में एकलिंगनाथ महादेव मंदिर के पास में प्रतीक्षा कक्ष का निर्माण है, जिसमें 4 लाख रुपए की मंजूरी दी गई और यह तीर्थयात्रियों के लिए मददगार साबित हुई है। उन्होंने सिरोही जिले के पिण्डवाड़ा पंचायत समिति में न्यू सानवड़ा में बस स्टैंड के निर्माण के लिए 4 लाख रुपए की मंजूरी दे कर एक नया काम किया है। उन्होंने चारदीवारी के निर्माण के लिए 5 लाख रुपए और सार्वजनिक शमशान पर एक टीन शेड के लिए 5 लाख रुपए की मंजूरी दे कर बाड़मेर जिले के बालेरा पंचायत के लोगों को प्रेरित किया है। उन्होंने उसी बाड़मेर जिले में बालोतरा पंचायत समिति के सरवड़ी गाँव में सार्वजनिक शमशान

घाट में एक टीन शेड और बैठने की व्यवस्था के निर्माण के लिए 6 लाख रुपए की मंजूरी दे कर सार्वजनिक सुविधा का विस्तार किया।

इन रचनात्मक निर्माण कार्यों के साथ-साथ उन्होंने जालोर जिले के कुडा ग्राम पंचायत के अंतर्गत पाल गाँव में 11 केवी इलेक्ट्रिक केबल्स लगाने के लिए 4.40 लाख रुपए की मंजूरी दी है, ताकि उन ग्रामीण क्षेत्रों में रहनेवाली अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के घरों में प्रकाश लाया जा सके। सार्वजनिक उपयोगिता कार्यों के अपने कार्यक्रम पर जोर देने के साथ डॉ. सिंघवी ने मारवाड़ के बाहर की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए रचनात्मक निर्माण के लिए अपनी सांसद निधि का उपयोग किया है। इसमें अजमेर जिले के केकरी पंचायत समिति के अंतर्गत आनेवाले बाजटा गाँव में मियामाता मंदिर के पास में एक मेला मैदान का निर्माण शामिल है जो उनकी संवेदनशीलता को दर्शाता है।

19. डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने मारवाड़ की 'प्याऊ' परंपरा को पुनर्जीवित किया

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त नारे 'कम टू ऑवर लैंड' में अभिव्यक्त अतिथि की विरासत कई शताब्दियों से जारी है। मारवाड़ की कुछ ऐसी बेशकीमती पुरानी परंपराएं थीं, जो कि भाईचारे, सांप्रदायिक सद्भाव और लगाव के लिए जानी जाती थीं, परंतु अब मशीनीकरण के इस भंवर और नई पीढ़ी की परंपराओं से दूरी और पश्चिमी संस्कृति के साथ आगे बढ़ने के चलते वे खत्म होती जा रही हैं, जो कि बेहद चिंता का विषय है।



डॉ. अभिषेक सिंघवी के सहयोग से निर्मित प्याऊ,
पुलिस कमिश्नर कार्यालय, जोधपुर

यह आज भी याद किया जाता है कि अभी कुछ साल पहले ही पेयजल की उपलब्धता जोधपुर समेत पूरे मारवाड़ के अलग-अलग स्थानों पर सार्वजनिक जल प्रणाली के तहत थी, जो कि गर्मियों के मौसम के दौरान आम लोगों की काफी राहत प्रदान करती थी। खासतौर पर सूखे की स्थिति को हल्के और गीले में बदल देती थी, लेकिन समय के साथ और आधुनिकता के चलते, प्याऊ या पेयजल प्रणाली का अस्तित्व समाप्त होने जा रहा है। इन विषम परिस्थितियों में, जोधपुर में पैदा हुए डॉ. सिंघवी ने अपनी मिट्टी का ऋण चुकाने और मारवाड़ में प्याऊ की परंपरा को पुनर्जीवित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए। इस कार्यक्रम के तहत उन्होंने अपनी सांसद निधि से 80 लाख रुपए के निवेश के साथ प्याऊ (पेयजल प्रणाली) का निर्माण करवाया है। इस काम को उन्होंने न केवल जोधपुर में, बल्कि मारवाड़ के विभिन्न स्थानों में संपन्न करवाया है, जो कि मानतावादी मूल्यों को जीवित रखने का एक आदर्श उदाहरण है।

डॉ. सिंघवी ने निम्नलिखित में से प्रत्येक प्याऊ के निर्माण के लिए अपनी सांसद निधि से पाँच लाख रुपए का निवेश करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है- जोधपुर पुलिस आयुक्त कार्यालय के पास, दर्ईजर में ग्रामीण पुलिस लाइन के पास में, भोपालगढ़ बस स्टैंड गाँव आबादी कानोडिया जिला जोधपुर, पाली जिले के नाडोल में, भगवान सागर से गिलकौर रोड ठाडिया, भूटेश्वर महादेव शमशान रोड, जोधपुर, मण्डोर गार्डन, जोधपुर, जैसलमेर पंचायत समिति में भागु का गाँव, बासनपुर जूनी, पोकरण रामदेवरा मार्ग सड़क, बाड़मेर जिले में शिव पंचायत के बीसूकला गाँव तथा भरतपुर जिले के पेडका पंचायत के ढण्ढाका गाँव में।

20. खुले शौच से राहत

आजादी के समय से ही हमारे देश में, जिसमें राजस्थान भी शामिल है, खुले में शौच की एक गंभीर समस्या रही है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से केंद्र और कुछ एक राज्य सरकारों ने इस गंभीर समस्या का समाधान करने के लिए गंभीरता से ध्यान देना शुरू किया है और इस संबंध में सामाजिक चेतना भी उन्नत हुई है। इस जागृति के परिणाम स्वरूप अब सरकारी और निजी पहल के तहत गाँवों में शौचालयों का निर्माण किया जा रहा है। खुले में शौच के उन्मूलन के लिए केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान में डॉ. सिंघवी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने पश्चिमी राजस्थान के विभिन्न जिलों में सांसद निधि से करोड़ों रूपए की मंजूरी दे कर महत्वपूर्ण सहयोग दिया है।



डॉ. अभिषेक सिंघवी के सहयोग से राजस्थान के विभिन्न जिलों में सुलभ शौचालयों का निर्माण

खुले शौचालय से राहत के इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेनेवाले डॉ. सिंघवी ने निम्नलिखित क्षेत्रों में से प्रत्येक में सांसद निधि से धन मंजूर करा कर सार्वजनिक सुलभ शौचालयों का निर्माण करवाया है। पश्चिमी राजस्थान के जालोर जिले में जसवंतपुरा पंचायत समिति के गाँव मण्डोली में 22 लाख रुपए, सिरोही कलेक्ट्रेट परिसर, सिरोही के टाकलिया जालोर शहर के नगर पालिका क्षेत्र में दो सुलभ शौचालयों का निर्माण और बालोतरा नगर पालिका में प्रत्येक को 20-20 लाख रुपए आवंटित किए। इसी तरह उन्होंने अपनी सांसद निधि से 25 लाख रुपए की लागत से पाली शहर क्षेत्र, जैसलमेर के राजकीय जवाहर अस्पताल और पोकरण नगर नगरपालिका क्षेत्र में सार्वजनिक सुलभ शौचालय के निर्माण में महत्वपूर्ण सहयोग किया।

21. ज्ञान की गंगा के प्रवाहक

किताबें, पुस्तकालय, और वाचनालय ज्ञान के मंदिर हैं जहाँ ज्ञान-संग्रह और जानकारी का एक अनंत सागर है। यह कहना गलत नहीं होगा कि पुस्तकालय और वाचनालय उन्नत सूचनाओं और साहित्य, संस्कृति और समाज के इतिहास पर पुस्तकों की उपलब्धता के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान हैं। डॉ. सिंघवी दिल की अतुलनीय गहराई से इस अवधारणा को मानते हुए पुस्तकालयों तथा वाचनालयों के निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लेते रहे हैं।



होपारी ग्राम पंचायत में सार्वजनिक वाचनालय का निर्माण

अपने विचारों के अनुरूप डॉ. सिंघवी ने होपारड़ी ग्राम पंचायत में एक सार्वजनिक वाचनालय का निर्माण करवाया। इसके साथ ही उन्होंने भोपालगढ़ पंचायत समिति में सरकार द्वारा आवंटित एक जमीन पर लाइब्रेरी हॉल के निर्माण में सहयोग दिया जिससे कि ग्रामीण आबादी की पढ़ाई के प्रति रूचि जागृत करने के अलावा उन्हें हमारे देश और अन्य देशों की जानकारी भी दी जा सके, यह लोगों के ज्ञान में सुधार करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने नागौर जिले के रियाबड़ी पंचायत समिति के लिलीया गाँव में सार्वजनिक वाचनालय के निर्माण के लिए अपनी सांसद निधि से 7 लाख रुपए, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पुस्तकालय भवन के निर्माण के लिए 8 लाख रुपए, जोधपुर के केरू मण्डोर पंचायत समिति पुस्तकालय के निर्माण के लिए 8 लाख रुपए और इसके अलावा बाड़मेर के रावणा राजपूत छात्रावास के पास एक सार्वजनिक पुस्तकालय और वाचनालय के निर्माण के लिए 5 लाख रुपए की मंजूरी प्रदान की। यह सब समाज के सुधार और लोगों को जानकार बनाने में प्रभावी साबित होगा।

22. सार्वजनिक निर्माण कार्यों के प्रति डॉ. सिंघवी की सहानुभूति

भारत में सामाजिक कार्य को उदारता और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के साथ विकसित किया गया है। इन सिद्धांतों को प्रभावशाली बनाने में जन-प्रतिनिधियों के सहयोग की आवश्यकता है। सामाजिक, साझा और सार्वजनिक आवश्यकताओं के लिए सहयोगी सभी पार्टियों की सराहना करते हुए कुशल प्रवक्ता डॉ. सिंघवी ने रचनात्मक रूप से एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यदि डॉ. सिंघवी की सांसद निधि का उचित इस्तेमाल हो तो सामाजिक कार्यों और पारस्परिक सौहार्द, अंतरंगता और विभिन्न समुदायों के बीच आपसी सहयोग में सुधार होगा।



**डॉ. अभिषेक सिंघवी के सांसद निधि के सहयोग से
राजस्थान में सड़कों का निर्माण**

सभी सामाजिक-धार्मिक गतिविधियों की अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए डॉ. सिंघवी ने 40 लाख रुपए की लागत से एडवोकेट भवन निर्माण हेतु विवेक विहार, जोधपुर में अपनी सांसद निधि से धन की मंजूरी दे कर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जोधपुर के कमला नेहरू नगर में 8 लाख रुपए की लागत से नेत्रहीन विकास संस्थान में सार्वजनिक हॉल का निर्माण चौपासनी हाउसिंग बोर्ड में स्थित नवज्योति मनोविकास केंद्र में 10 लाख रुपए की लागत से दो कमरे का निर्माण और 20 लाख की लागत से पाली में बार चैंबर का निर्माण करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इन सबके अलावा, उन्होंने जैसलमेर पुलिस लाईन में एक सामुदायिक भवन के निर्माण के लिए अपना सहयोग प्रदान किया।

डॉ. सिंघवी का मानना है कि यदि सड़कों का बेहतर जाल और संचार व्यवस्था की पर्याप्त सुविधा हो तो ग्रामीण क्षेत्रों में विकास तेज होगा। इस विचार को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अपनी सांसद निधि से निम्नलिखित का निर्माण कराया- नागौर जिले के अंतर्गत रीया बड़ी पंचायत समिति के झिटिया ग्राम पंचायत में 8 लाख रुपए की लागत से सी. सी. सड़क का निर्माण और जैसलमेर के राघवा पंचायत में 9 लाख रुपए की लागत से सड़क का निर्माण।

23. ग्रामीण यात्रियों की सुविधाओं के प्रति चिंता

रेल यात्रियों की सुविधाओं के लिए विभिन्न योजनाओं के प्रस्तावों को रेल मंत्रालय, भारत सरकार के बजट में शामिल और निष्पादित किया गया है। इसके बावजूद रेल

यात्रियों की बढ़ती संख्या के लिए ये सुविधाएँ पर्याप्त नहीं रही हैं। डॉ. सिंघवी ने अंतर्दृष्टि से इन अपर्याप्त सुविधाओं को महसूस किया और इस दिशा में अपनी सांसद निधि से भी बढ़-चढ़ कर योगदान दिया।



डॉ. अभिषेक सिंघवी के सांसद निधि के सहयोग से जोधपुर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए बैठने की सुविधाएँ

रेल यात्रियों को राहत पहुँचाने के उद्देश्य से डॉ. सिंघवी ने अपनी सांसद निधि से बैठने की व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण सहयोग करके अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। मेड़ता रोड रेलवे स्टेशन पर 2.80 लाख रुपए की लागत से 28 बेंच, जोधपुर मुख्य रेलवे स्टेशन पर 5 लाख 60 हजार रुपए की लागत से 56 बेंच, भगत की कोठी रेलवे स्टेशन पर 70 हजार रुपए की लागत से 7 बेंच, बालोतरा रेलवे स्टेशन पर 2 लाख रुपए की लागत से 20 बेंच, रामदेवरा रेलवे स्टेशन पर 2 लाख 50 हजार रुपए की लागत से 25 बेंच, नागौर रेलवे स्टेशन पर 2 लाख रुपए की लागत से 20 बेंच, देशनोक रेलवे स्टेशन पर 2 लाख 50 हजार रुपए की लागत से 25 बेंच, गोटन रेलवे स्टेशन पर 2 लाख रुपए की लागत से 20 बेंच, लूणी रेलवे स्टेशन फलौदी रेलवे स्टेशन, पोकरण रेलवे स्टेशन और औसियां रेलवे स्टेशन पर प्रत्येक में 1 लाख रुपए की लागत से 10-10 बेंच, इन सबके अलावा अभिषेक ने सुजानगढ़ रेलवे स्टेशन पर 50 हजार रुपए की लागत से 5 बेंच स्थापित करने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। समदड़ी रेलवे स्टेशन पर 70 हजार रुपए की लागत से 7 बेंच, लाडनूँ और डिडवाना रेलवे स्टेशन में प्रत्येक पर 1 लाख पचास हजार रुपए की लागत से 15 बेंच को स्थापित कराया गया।

24. बेजुबान जानवरों के प्रति डॉ. सिंघवी की सहानुभूति

राजस्थान राज्य के जोधपुर जिले में पशु-निविदाएँ प्रचुर मात्रा में हैं जिनके लिए पशु चिकित्सा अस्पताल की हमेशा से माँग रही है। इसका मुख्य कारण यह है कि इन जानवरों को बीमारी के समय में उनके इलाज के लिए लंबी यात्रा करवाना मुमकिन नहीं है। इसके चलते, आस-पास के क्षेत्र में पशु चिकित्सा अस्पताल की जरूरत महसूस की गई। इस समस्या को मद्देनजर रखते हुए, डॉ. सिंघवी ने अपनी सांसद निधि से पशु चिकित्सा अस्पताल की स्थापना की।

इस क्रम में डॉ. सिंघवी ने भोपालगढ़ के आसोप ग्राम पंचायत में अपनी सांसद निधि से 5 लाख रुपए अनुमोदित किए। उसी फंड के तहत उन्होंने मण्डोर के जालेली गाँव में एक पशु चिकित्सा अस्पताल के निर्माण के लिए अपनी सांसद निधि से 4.50 लाख रुपए खर्च किए। उन्होंने फलौदी पंचायत समिति के मौखेरी गाँव में एक पशु चिकित्सा अस्पताल के निर्माण के लिए 4.00 लाख रुपए खर्च किए, ताकि जानवरों को उचित उपचार मिल सके। इस प्रकार का कार्य डॉ. सिंघवी की बेजुबान जानवरों के प्रति गहरी सहानुभूति को व्यक्त करता है।

राजस्थान के जोधपुर जिले में मवेशियों की बहुतायत पर विचार करते हुए डॉ. सिंघवी ने पशुशाला और चारा केंद्रों की अत्यंत जरूरत को महसूस करते हुए अपनी सांसद निधि से इस महान सामाजिक कार्य को करवाया। उन्होंने लूणी पंचायत के खुडाला गाँव में एक दुग्ध सहकारी केंद्र की स्थापना के लिए अपनी सांसद निधि का इस्तेमाल किया। इसी क्रम में उन्होंने अपनी सांसद निधि से 5.00 लाख रुपए की मंजूरी दे कर गौपाल गोशाला औसिया में एक चारा गोदाम का निर्माण करवाया। अपने गृह जिले के अतिरिक्त जिलों में चारा केंद्रों की कमी को देखते हुए उन्होंने सिरोही जिले के रेवदर स्थित पथमेड़ा गोधाम महातीर्थ द्वारा संचालित श्री दत्तात्रेय गोसेवाश्रम केशुबा में एक चारा केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इनके अलावा डॉ. सिंघवी ने जोधपुर के सूसागर में कुत्तों के बाड़ाखाने में एक टीन शेड बनवाया और पश्चिमी राजस्थान जहाँ हिरण की संख्या अधिक है, वहाँ पर हिरण के संरक्षण और आरक्षित करने के लिए बचाव केंद्र की स्थापना उनके द्वारा की गई। बेजुबान जानवरों के साथ सहानुभूति दिखाते हुए डॉ. सिंघवी ने सिरोही जिले के पिंडवाड़ा पंचायत समिति के कोजरा ग्राम पंचायत क्षेत्र में 5 लाख रुपए की लागत से पशु चिकित्सा अस्पताल और बिलाड़ा समिति के रणसी गाँव में आठ लाख की लागत

से श्री मरूधर केशरी गौशाला पशु अस्पताल का निर्माण, बालेसर में आगोलाई ग्राम पंचायत के देवगढ़ में एक पशु चिकित्सा सहायक स्वास्थ्य केंद्र के साथ ही सिंघवी ने अपनी सांसद निधि का उपयोग पशु कल्याण में करके उनके प्रति अपनी सहानुभूति का इज़हार किया, जिसके तहत पाली जिले के अंतर्गत नाराणा गाँव में चारा गोदाम का श्री रूपमुनी सार्वजनिक गौशाला में आठ लाख की लागत से निर्माण करवाया। साथ ही जोधपुर जिले के अंतर्गत लूणी स्थित वन्य जीव उपचार केंद्र की चारदीवारी का निर्माण 3.30 लाख की लागत से करवाया गया।

25. अभिषेक मनु सिंघवी का नाम – विकास का एक नया आयाम

डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी एक ऐसे संवेदनशील संसद सदस्य हैं जो सामाजिक एकजुटता स्थापित करने के लिए सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, और शैक्षिक जीवन के हर स्तर के उत्थान और विकास के लिए चिंतनशील रहते हैं। मानवीय सेवा के इस दृष्टिकोण के अनुसार उन्होंने न केवल अपने जन्म स्थान के लिए अपनी सांसद निधि का इस्तेमाल किया, बल्कि उससे पूरे राजस्थान के जरूरतमंद क्षेत्रों का सहयोग किया और यह आम जनता के लिए उपयोगी साबित हुआ। डॉ. सिंघवी द्वारा किए गए विकास और जन कल्याण कार्य अभी भी चल रहे हैं, जिनकी लागत करोड़ों रूपयों से कम नहीं है।

डॉ. सिंघवी ने खुले में शौच से छुटकारा दिलाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने अपनी सांसद निधि से करोड़ों रुपए की मंजूरी दे कर पश्चिम राजस्थान के विभिन्न जिलों को महत्वपूर्ण सहयोग दिया। खुले में शौच से राहत के लिए कार्यवाही में उन्होंने सक्रिय भागीदारी की। उन्होंने सिरोही जिला कलेक्ट्रेट परिसर में टाकलिया सिरोही, बालोतरा में सुलभ शौचालय निर्माण के लिए 20 लाख रुपए की स्वीकृति कर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा सुलभ शौचालय के लिये उन्होंने इन चार स्थलों क्रमशः पाली नगर परिषद, जैसलमेर के जवाहर अस्पताल के पास, पोकरण और नगर पालिका जालोर और भरतपुर जिले के नदबाई पंचायत समिति तथा दौसा जिले के सिकराय पंचायत समिति के अंतर्गत मरियाड़ा गाँव जैसे स्थानों पर प्रत्येक जगह के लिए क्रमशः 25 लाख एवं 18 लाख रुपए के अनुदान की सिफारिश की थी। भरतपुर जिले के जयश्री में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सार्वजनिक शौचालय और रंगमंच हॉल के निर्माण के लिए भी डॉ. सिंघवी ने 20 लाख रुपए की सिफारिश की है।

गर्मी के मौसम में, आम जनता की प्यास बुझाने के लिए संपूर्ण मारवाड़ की विभिन्न जगहों पर प्याऊ की व्यवस्था हुआ करती थी, परंतु समय के बवंडर और आधुनिकता के आगमन के साथ ही, 'प्याऊ' का अस्तित्व समाप्ति की ओर है। इस संकट पूर्ण समय में, राज्यसभा सदस्य डॉ. सिंघवी ने अपनी सांसद निधि से मारवाड़ की विभिन्न जगहों पर 'प्याऊ' का निर्माण कराया है, जो कि मानवतावादी मूल्यों को जीवित रखने का एक अनुकरणीय उदाहरण है। डॉ. सिंघवी ने अपने संसदीय कोटे से पेयजल के प्याऊ के लिए निम्नलिखित इलाकों को 5 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की - जैसलमेर जिले में भागु का गाँव और पोकरण में रामदेवरा रोड पर कपूरडी ग्राम पंचायत का बोथिया गाँव, रमजान की गफन ग्राम पंचायत में हाजी सरादीन का बास बाड़मेर जिले में गाँव आगादी सिलोर, बाड़मेर शहर में आदी गौड़ बालिका छात्रावास के पास, जोधपुर जिले के पंचायत मुख्यालय केतुमदा में फलौदी तहसील के अंतर्गत राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बैंगटी खुर्द बाप पंचायत समिति के खेतूसर, लूणा गाँव में बाबा रामदेव मंदिर के पास, बापिणी पंचायत समिति के टिकम जी ढाणियां, पाबूसर के उमेजी की ढाणियां पीपाड़ पंचायत समिति के अंतर्गत खारिया अनावास में राजकीय माध्यमिक विद्यालय और देचू तहसील के अंतर्गत गुमानपुरा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय। इस तरह लगभग चौदह जगहों पर प्याऊ की स्थापना की गई।

राजस्थान में और खासतौर पर मारवाड़ में स्वास्थ्य सेवाओं को अपग्रेड करने और अस्पतालों में आधुनिक तकनीक स्थापित करने के संकल्प के साथ डॉ. सिंघवी ने चिकित्सा उपचार में भी जी-जान से भाग लिया। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आम जनता को बेहतरीन और समय पर इलाज मिल सके, डॉ. सिंघवी ने अपनी सांसद निधि से बाड़मेर जिले के राजकीय अस्पताल में सोनोग्राफी (4-D) मशीन के लिए 25 लाख स्वीकृति किया। जैसलमेर के राजकीय अस्पताल में डायलिसिस मशीन के लिए 8 लाख रुपए, जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल में बहु-योजना वयस्क ट्रांस-इकोकेजुएल जाँच (सोनोग्राफी जाँच) के लिए 15 लाख, राजकीय कमला नेहरू चेस्ट अस्पताल में ब्रॉकोस्कोपी कक्ष के निर्माण के लिए 18 लाख रुपए, बूंदी जिले के हिण्डोली में राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए 5 लाख रुपए, जोधपुर जिले के बाप पंचायत समिति के घटोर में उप-स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण के लिए 8 लाख रुपए और जोधपुर के उम्मेद अस्पताल में ऐंबुलेन्स (मारुति ओमनी) की खरीद के लिए 4 लाख रुपए के अलावा उन्होंने नागौर जिले के मेड़ता शहर तहसील के हरसोलाव

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में सामान्य वार्ड के निर्माण के लिए 12 लाख रुपए और पाली जिले के रायपुर पंचायत समिति के बासनी दधवाड़ियान के राजकीय अस्पताल में रक्त पारगमन मशीन (Blood Transit) और जैव रसायन विश्लेषक मशीन (Biochemistry Analyser) के लिए 7 लाख रुपए की मंजूरी दी।

अपने विचार को कर्तव्य में बदलने के नजरिए के साथ, मारवाड़ के सरकारी स्कूलों की सभी जरूरतों को पूरा करने तथा शिक्षकों और छात्रों की सभी आवश्यकताओं को सुलभ बनाने के लिए संसद सदस्य सिंघवी ने अपनी सांसद निधि का उपयोग किया, लेकिन आज तक भी अधिकांश गाँवों में विकसित खेल मैदान की कमी है। इस कमी को समझते हुए डॉ. सिंघवी ने बाड़मेर जिले के गडरा रोड सड़क पर स्थित फोगेरा पंचायत में खेल मैदान के लिए अपनी सांसद निधि से 18 लाख रुपए स्वीकृत किए। इसके अलावा उन्होंने जालोर जिले के जसवंतपुरा पंचायत समिति के मंडोली में एक चारागाह को पार्क में परिवर्तित करने के लिए 12 लाख रुपए की मंजूरी दी। जैसलमेर जिले के बड़ोडा गाँव में सड़क निर्माण के लिए 10 लाख रुपए, मांडोली गाँव के विभिन्न स्थानों पर सौर रोशनी लगाने के लिए 8 लाख रुपए, सिवाना में सभागार के निर्माण के लिए 50 लाख रुपए और औसिया नया ठाकुरजी के मंदिर से पुराना बाजार तक सड़क निर्माण के लिए 3 लाख रुपए स्वीकृत किए।

न्याय के एक मजबूत चैंपियन के रूप में डॉ. सिंघवी को भारत के सर्वोच्च न्यायालय तक भली-भांति स्वीकार्य किया जाता है। राजनीति में वह कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा के सदस्य होने के बावजूद पूरी तरह से वकील के अपने पेशे के लिए समर्पित हैं। इसका सबूत यह है कि उन्होंने अपनी सांसद निधि से जालोर जिले के रानीवाड़ा कोर्ट परिसर में निर्माण कक्ष के लिए 10 लाख रुपए, झुंझुनु अदालत परिसर के लिए 15 लाख रुपए अनुमोदित किया है। जीवन का अंतिम सत्य मृत्यु है। इस नजरिए के आधार पर डॉ. सिंघवी ने शमशान घाटों के लिए भी अपना सहयोग किया है। उन्होंने अपनी सांसद निधि से बाप पंचायत समिति के टेपु ग्राम पंचायत में सार्वजनिक शमशान की चार दीवारों के निर्माण के लिए 15 लाख रुपए और जोधपुर जिले के बडली में सार्वजनिक शमशान के एक टिन शेड के लिए 8.50 लाख रुपए की मंजूरी दी है। अभिषेक ने अपनी सांसद निधि से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जैसलमेर जिले के सोनू में कक्षा कक्षों के निर्माण के लिए 12 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की है। बाड़मेर जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पुस्तकालय भवन

के निर्माण के लिए 5 लाख रुपए, जालोर जिले के अंतर्गत सांचौर के झाब में राजकीय प्राथमिक विद्यालय में कक्षा कक्षों के निर्माण के लिए 5 लाख रुपए, जैसलमेर जिले के डाबला में स्थित मदरसा कादरियां फैले सिंकदरिया में कक्षा कक्षों के निर्माण के लिए 15 लाख रुपए, बाड़मेर जिले के बायतु में बरामदे के साथ हॉल के निर्माण के लिए 10 लाख रुपए, अलवर जिले के दयालपुरा में राजकीय प्राथमिक विद्यालय की कक्षा कक्षों के निर्माण के लिए 14 लाख, जोधपुर जिले के औसिया, हंस टंका करणीपुरा बैठवासियां राजकीय प्राथमिक विद्यालय में बरामदे के साथ हॉल के निर्माण के लिए 5 लाख रुपए, जोधपुर जिले के गुडा विश्वोईयान के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में बरामदे के साथ एक हॉल के निर्माण के लिए 7 लाख रुपए, लूणी पंचायत समिति के तनावड़ा राजकीय माध्यमिक विद्यालय में कक्षाओं के निर्माण के लिए 5 लाख रुपए, भोपालगढ़ पंचायत समिति के ढढोरा के राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय में कमरों के निर्माण के लिए 5 लाख, फिच मेरियानाड़ा, हमीरनगर राजकीय प्राथमिक विद्यालय में कक्षा कक्ष निर्माण लोहावट जाटावास में कक्षा कक्ष के निर्माण के लिए 5 लाख रुपए, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सिलारी पंचायत समिति पीपाड़ शहर और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय डांगीयावास और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लोरड़ी देजगरा (पंचायत समिति मण्डोर जोधपुर) और अन्य शैक्षिक संस्थानों में कक्षा कक्ष के निर्माण के लिए प्रत्येक को 5-5 लाख रुपए प्रदान किए हैं। उन्होंने जसवंतपुरा के भूतवास, जो अनुसूचित जातियों के लोगों की आबादी वाला क्षेत्र है, में सार्वजनिक वाचनालय के लिए 6 लाख रुपए अपनी सांसद निधि से अनुमोदित किया है। जालोर जिले के अंतर्गत सांचौर के कमालपुरा में घमाना नर्मदा नहर से पाइपलाइन लगाने के लिए 12 लाख रुपए, पाली जिले के सुमेरपुर के आकदड़ा पंचायत में टंकी के निर्माण के लिए 14 लाख रुपए, जोधपुर जिले के बालेसर में जलंधर नाथ ग्राम पंचायत के राताभाखर में सार्वजनिक वाचनालय के निर्माण के लिए 10 लाख रुपए और जोधपुर जिले के रतकुडिया पंचायत क्षेत्र में स्थित भोलारामजी महाराज रूप रजत गौशाला में खुरा के निर्माण के लिए 10 लाख रुपए अनुमोदित किया।

26. कमजोर एवं नेत्रहीनों को डॉ. सिंघवी द्वारा मदद

यह अटलसत्य है कि अच्छा स्वास्थ्य स्वस्थ शरीर स्वस्थ विचार और स्वस्थ बुद्धि में रहता है। अच्छे स्वास्थ्य के इस महान मंत्र को आत्मसात करते हुए डॉ. अभिषेक मनु

सिंघवी ने एक तरफ तो अपनी सांसद निधि को स्वास्थ्य सेवाओं के सहयात्री के रूप में उपयोग करके सभी के लिए स्वास्थ्य को अपना आदर्श व्यक्त किया है, वहीं दूसरी तरफ मानवतावादी सेवा के तहत डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने अपनी सांसद निधि को नेत्रहीनों, अपंगों या दूसरी तरह से अक्षम और मानसिक रूप से मंद छात्रों के कल्याण की दिशा में उपयोग किया। उनका मानना है कि भगवान या प्रकृति के श्राप या वरदान से पहले सभी को अपने सिर को झुका देना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति नेत्रहीन, अक्षम या मानसिक रूप से मंद है तो उससे सिर्फ सहानुभूति से काम नहीं चलेगा, बल्कि हमें अपनी क्षमता के अनुसार उनको सहयोग देने की आवश्यकता है, ताकि वे किसी भी तरह की हीनता या निराशा से पीड़ित न हों और समाज की मुख्यधारा में शामिल हों।

डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने इस विचार पर अडिग रहते हुए जोधपुर के कमला नेहरू नगर में स्थित नेत्रहीन विकास संस्थान में एक हॉल के निर्माण के लिए अपनी सांसद निधि से 8 लाख रुपए मंजूर किए, ताकि नेत्रहीन बच्चे यहाँ आराम कर सकें। उन्होंने नव ज्योति मनोविकास केंद्र जो चौपासनी हाउसिंग बोर्ड एरिया में स्थित है, में कमरे के निर्माण के लिए अपनी सांसद निधि से 10 लाख रुपए और जालोर के महावीर बधिर विद्यालय में दो हॉलों के निर्माण के लिए 10 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की। यह जानना महत्वपूर्ण है कि यह जालोर का एकमात्र आवासीय विद्यालय है, जहाँ छात्र रह सकते हैं।

27. डॉ. सिंघवी द्वारा संसद सदस्य के रूप में आदर्श ग्रामीण योजना को सफल बनाना

भारत गाँव में रहता है, क्योंकि यहाँ की आबादी का बहुत बड़ा प्रतिशत गाँवों से जुड़ा है। यह कहना बिल्कुल भी गलत नहीं होगा कि यदि देश को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाना है, तो गाँवों को विकसित करना होगा। यही एक संभावित रास्ता है जिससे देश के गाँव आदर्श बन सकेंगे। इस नजरिए का पालन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 अक्टूबर 2014 को लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर सांसद आदर्श ग्राम योजना (Parliamentarian Ideal Village Scheme) की शुरुआत की। इस कार्यक्रम के तहत गाँवों की पारंपरिक विरासत को विकसित और संरक्षित करने के लिए सभी पार्टियों के सांसदों को एक-एक गाँव अपनाना था और इसे आदर्श गाँव बनाना था। ताजा खबर यह है कि अभी तक 55 लोकसभा और

62 राज्यसभा सदस्यों ने अपना आदर्श गाँव चुना तक नहीं है। मौजूदा परिस्थिति में डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने इस कार्यक्रम के तहत प्रस्तावित दिशानिर्देशों के अनुसार पश्चिम राजस्थान के जालोर जिले के अंतर्गत जसवंतपुरा पंचायत समिति के गाँव मांडोली का चयन किया। इसे अपनाया और कार्यक्रम को सफल बना दिया। उन्होंने एक संसद सदस्य के साथ-साथ मानव जाति के प्रति असाधारण उत्साह वाले व्यक्ति के रूप में से खुद साबित कर दिया है।

आदर्श ग्राम योजना के तहत, डॉ. सिंघवी आदर्श गाँव मांडोली में विकास की योजनाओं की बाढ़ ले आए हैं। मांडोली को एक आदर्श गाँव बनाने के विचार के चलते सार्वजनिक स्थानों पर सौर प्रकाश के साथ-साथ यहाँ लगभग एक सौ सी. सी. कुर्सियों का निर्माण कराया गया है, ताकि ग्रामीणों के पास आराम से बैठने की सुविधा हो और गाँव अंधेरे से छुटकारा पा सके। गाँववासियों की यातायात सुविधाएँ को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, डॉ. सिंघवी ने पूरे गाँव में सी. सी. सड़क का निर्माण करवाया और ग्राम पंचायत के माध्यम से आर. ओ. प्लांट के साथ ही पानी की कमी की समस्या को हल करने के लिए यहाँ बड़े ओवरहेड जल टैंकों का निर्माण करवाया गया है।

खुले में शौच से मुक्ति के लिए केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित योजना के तहत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए डॉ. सिंघवी ने व्यक्तिगत शौचालय कार्यक्रम के तहत पूरे गाँव के हर घर में शौचालय का निर्माण किया है और साथ ही साथ सुलभ शौचालयों के निर्माण का भी काम चल रहा है। इस योजना के तहत उन्होंने तटबंध के निर्माण द्वारा प्राचीन जल निकायों गवाई नदी (तालाब) का सौंदर्यीकरण कार्यक्रम भी शुरू किया है। गाँव में ऐसी सार्वजनिक इमारत की कमी है जहाँ लोग एक साथ इकट्ठे हो सकें और त्योहारों और विवाह के मंगलप्रद समारोहों को मना सकें तथा बैठकों का आयोजन कर सकें। इस कमी को समझते हुए उन्होंने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के रहनेवाली जगह भूतवास में एक सार्वजनिक भवन के निर्माण का काम शुरू कर दिया है, जो प्रगति पर है। इसके अलावा गाँव के सौंदर्यीकरण के लिए उन्होंने विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर पारंपरिक चित्र भी तैयार करवाए हैं। साथ ही ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए उन्होंने चेतावनी स्वरूप नारे भी लिखाए हैं। इसी तरह शिक्षा की ज्योति जलाने के लिए, उन्होंने समय-समय पर शिक्षा एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से सेमिनार और कार्यशालाओं की भी व्यवस्था की है और साथ ही वह आँगनबाड़ी केंद्रों का अच्छी तरह से संचालन कर रहे हैं। इस प्रकार

डॉ. सिंघवी संसद सदस्य आदर्श ग्राम योजना के सपने को सच बनाने के लिए पूरी तरह से समर्पित हैं।

28. जनजातीय लोगों के कल्याण में डॉ. सिंघवी की भागीदारी

आजादी के बाद, सत्ता में रही विभिन्न राजनीतिक दलों की सरकारों ने आदिवासी जीवन में सुधारों के लिए कई योजनाएँ तैयार कीं और जनजातियों की बड़ी आबादी के क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए कई प्रयास किए गए हैं। इस सब के बावजूद अभी भी जनजातीय लोग कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं। डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने जनजातीय लोगों की पीड़ा को अंदर से महसूस किया है और उन्होंने सिरोही जिले में जनजातीय जनसंख्या के लिए कई विकास कार्यों को निष्पादित किया है।

जनजाति क्षेत्रों के विकास को ध्यान में रखते हुए डॉ. सिंघवी ने सिरोही जिले के पिण्डवाड़ा पंचायत समिति के बालोटिया ग्राम पंचायत के अंतर्गत उपला सिलवा गाँव के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में 3 लाख रुपए की लागत से और बसंतगढ़ के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में 3 लाख की लागत से कक्षा कक्ष का निर्माण करवाया। इसी तरह डॉ. सिंघवी ने जनजाति क्षेत्र के स्वरूपगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसूति कक्ष और शवगृह के निर्माण के लिए अपनी सांसद निधि से 10 लाख दिए और पिण्डवाड़ा पंचायत समिति के रोहिड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 6 लाख रुपए की लागत से शवगृह का निर्माण किया। डॉ. सिंघवी ने आबू रोड के सातपुर के राजकीय बालिका प्राथमिक विद्यालय में पाँच लाख की लागत से कक्षा कक्ष का निर्माण करवाया। जनजातीय क्षेत्रों में परिवहन और संचार को मद्देनजर रखते हुए पिण्डवाड़ा पंचायत समिति के आदर्श डूंगरी ग्राम पंचायत के अंतर्गत धोरियाबा गाँव में पाँच लाख की लागत से सी. सी. सड़क का निर्माण कराया और अचपुरा ग्राम पंचायत में गिरबर मुख्य सड़क से कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालय तक दस लाख की लागत से सी. सी. मार्ग का निर्माण हुआ। डॉ. सिंघवी ने अपनी सांसद निधि से 4 लाख रुपए की लागत से देलदर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पुरूष वार्ड का निर्माण करवाया और भारजा ग्राम पंचायत में चामुंडा माता मंदिर से सार्वजनिक शमशान के लिए सड़क का निर्माण पाँच लाख रुपए में किया गया।

29. स्वीकृतियाँ

निस्संदेह डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी न केवल मनुष्यों के कल्याण की देखभाल करते हैं, बल्कि बेजुबान जानवरों की भी देखभाल करते हैं और निश्चित रूप से मनु में एक रचयिता के तत्व मौजूद है। उन्होंने अपना नाम अपनी गतिविधियों के साथ जोड़ लिया है – अभिषेक मनु सिंघवी ने सार्वजनिक कल्याण के लिए काम करते हुए धार्मिक सद्भाव को भी बनाए रखा है और वे ग्रामीण तथा शहरी इलाकों को समानता के साथ देखते हैं तथा उन्हें विकास की चाशनी में सामान्य रूप से भिगो कर उन्होंने आम जनता को बहुत अभिभूत किया है। उनसे जन-प्रतिनिधि भी संतुष्ट रहता है। यह उनके द्वारा भेजे गए स्वीकृति के पत्रों से अनुमान लगाया जा सकता है।

श्रीमान् अभिषेक मनु सिंघवी जी
संसद सदस्य, राज्यसभा, नई दिल्ली

मैं आपके द्वारा सांसद निधि से रानीवाड़ा तहसील में तहसील मुख्यालय के लिए खेल मैदान पर एक पवेलियन के निर्माण के लिए आवंटित निधि के लिए तहसील की ओर से आपका आभार व्यक्त करता हूँ। रानीवाड़ा के तहसील मुख्यालय में एकमात्र खेल मैदान है, जहाँ राष्ट्रीय कार्यक्रमों के साथ-साथ विभिन्न खेल ओर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है। खेल प्रेमियों और आम जनता को इससे काफी गुंजाइश मिलेगी। यह आशा की जाती है कि भविष्य में भी आपका सहयोग हमें उपलब्ध रहेगा।

रतन देवासी
सरकारी उप मुख्य संचेतक
राजस्थान विधानसभा

सुमेरपुर, नगरपालिका में सामुदायिक हॉल का निर्माण श्री बाबा रामदेव और बाल तपस्वी अंसी बाई मंदिर प्रबंधन समिति, सुमेरपुर के लिए आपके सांसद निधि से आवंटित 8 लाख रुपए की लागत से किया गया है, जो कि सभी वर्गों के लोगों के लिए उपयोगी साबित हुआ है। हम सार्वजनिक कल्याण के लिए आपके द्वारा प्रदान की गई सेवा के लिए बहुत आभार व्यक्त करते हैं।

सुभाषचन्द्र अग्रवाल
चैयरमैन,
नगर पालिका, सुमेरपुर

राजकीय स्नातकोत्तर कॉलेज, केकरी में एक हॉल के निर्माण के लिए आपके सांसद निधि से अनुमोदित छह लाख रुपए का फंड सराहनीय है। कॉलेज प्राधिकरण और सभी छात्रों की ओर से इस आभार के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

डॉ. रेनू शर्मा

प्रधानाचार्य,

राजकीय उच्च स्नातकोत्तर कॉलेज, केकरा

30. प्रस्तावित कार्यक्रमों की सूची

अभिषेक मनु सिंघवी, संसद सदस्य द्वारा प्रस्तावित कार्यों की सूची—

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ प्राथमिक स्वास्थ्य के लिए ऐंबुलेन्स सांडेराव, पाली	8.00
❖ प्राथमिक स्वास्थ्य के लिए ऑक्समीटर सांडेराव, पाली	0.70
❖ प्राथमिक स्वास्थ्य के लिए डेफीविलेटर (Defyvillator)* सांडेराव, पाली	1.00
❖ प्राथमिक स्वास्थ्य ऐंबुलेन्स के लिए वेंटिलेटर, सांडेराव, पाली	0.50
❖ प्राथमिक स्वास्थ्य के लिए सिलेंडर के साथ ही रेगुलेटर, सांडेराव पाली	0.50
❖ प्राथमिक स्वास्थ्य के लिए धारा उपकरण, सांडेराव, पाली	0.50
❖ लारोगी स्वाइप बाल चिकित्सा एकल ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य के लिए लारोगी स्कोप धात (3 बेड) पाली (स्टेथोस्कोप, अंबाबाग बैग, वेन सर्किट, वेटीमास्क गैल, रेड्बर, ट्यूब संख्या 75, एंटी संरचना ऑक्सीजन	0.50
❖ प्राथमिक स्वास्थ्य सांडेराव (पाली) के लिए बिजली की आपूर्ति	0.15

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ सेठ सागरमल चिमनजी राज्य अस्पताल, सांडेराव में मरीजों के वार्ड का निर्माण	5.00
❖ पाली जिले के ढोला राजकीय अस्पताल में मृत्युघर कक्ष (पोस्टमार्टम हाउस) का निर्माण	1.50
❖ सामुदायिक योग भवन, पिचका मार्ग आकड़दा जिला पाली	3.00
❖ वेनपुरा तहसील, सुमेरपुर जिला पाली में उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण	4.00
❖ मेघवाल छात्रावास, शिवगंज, जिला सिरोही में कक्षा के कमरे का निर्माण	4.10
❖ सरगरा छात्रावास, शिवगंज, जिला सिरोही में कक्षा के कमरे का निर्माण	4.10
❖ एसएम बलिया गर्ल्स हायर सेकेण्डरी स्कूल, पाली में कक्षा के कमरों का निर्माण	11.00
❖ रूपाबास पुखतरी और समदड़ी सड़क के माध्यम पाली से ले कर बालोतरा तक निर्माण किलोमीर 61-64	26.00
❖ बांगड़ अस्पताल पाली में एक्स-रे विभाग में डिजिटल एक्स-रे मशीन	20.00
❖ बांगड़ अस्पताल पाली में ऑटो एनेस्थीसिया वेंटिलेटर ऑपरेशन	1.10
❖ बांगड़ अस्पताल पाली में आईसीयू वेंटिलेटर आईसीयू सुविधा का विस्तार	4.50
❖ हनुमानजी/बागताजी की ढाणियां झाबरा में सामुदायिक हाल का निर्माण	1.50

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ राजकीय माध्यमिक विद्यालय, गाँव लखा, जैसलमेर में दो कमरों का निर्माण	3.00
❖ उप स्वास्थ्य केंद्र नयागाँव पंचायत समिति, जिला पाली का निर्माण	4.25
❖ राबड़िया शमशान जेतारण पंचायत समिति जिला पाली	2.00
❖ जनसेवा सदन के भवन निर्माण वार्ड नं. 1 पचपदरा गाँव भगवती आश्रम के पास जिला बाड़मेर	5.00
❖ उम्मेद की दुकान से मोहम्मद की दुकान तक सीमेंट रोड का निर्माण वार्ड नं. 2 और 3 में पाली	2.13
❖ वार्ड नं. 3 रानी टाउन नगर पालिका, जिला पाली में हैंडपंप से गणेश मंदिर तक सीमेंट रोड का निर्माण	6.73
❖ दो डायलिसिस मशीन, आर. ओ. और अन्य सामग्री, बागड़ अस्पताल, पाली	16.00
❖ सामुदायिक विश्राम गृह बिडदाराम पोकरराम की ढाणियां कोजा धोरीमन्ना पंचायत समिति, जिला बाड़मेर	3.00
❖ राजकीय हॉस्पिटल जालोर में सोनोग्राफी ओर कलर डॉप्लर मशीन	12.00
❖ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जिला जालोर में मादा वार्ड के साथ प्रसूति केंद्र का निर्माण	8.00
❖ हंसराज ताराचंद राज्य सीनियर सेकेण्डरी स्कूल सायला, जिला जालोर में कृषि विज्ञान प्रयोगशाला का निर्माण	4.00
❖ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साचौर, जिला जालोर में सोनोग्राफी मशीन की खरीद	7.50

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साचौर, जिला जालोर में सोनोग्राफी मशीन की खरीद	3.50
❖ राजकीय प्राइमरी स्कूल बडलाइनाई हिरयाली पंचायत समिति, साचौर जिला जालोर में दो अतिरिक्त कक्षा के कमरों का निर्माण	2.50
❖ राजकीय प्राथमिक विद्यालय भीलों की ढाणी वासन चौहान ग्राम पंचायत पीराना साचौर जिला जालोर में दो अतिरिक्त कक्षा के कमरों का निर्माण	2.50
❖ राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय लाछोरी ग्राम पंचायत हाडेतर पंचायत समिति सांचोर, जिला जालोर में अतिरिक्त कक्षा के कमरों का निर्माण	2.00
❖ राजकीय उच्चतर प्राथमिक स्कूल गुड़ा हेमा पंचायत समिति का साचौर, जिला जालोर में दो अतिरिक्त कक्षा के कमरों का निर्माण	3.00
❖ राजकीय बांगड़ अस्पताल जिला पाली में डायलिसिस कक्षा के कमरे और अन्य सुविधाओं का निर्माण	4.00
❖ राजकीय प्राथमिक विद्यालय में कक्षा के कमरे का निर्माण उपला सिलवा ग्राम पंचायत बालोटिया पंचायत समिति पिण्डवाड़ा, जिला सिरोही	3.00
❖ राजकीय माध्यमिक विद्यालय बसंतगढ़ पंचायत समिति पिण्डवाड़ा, जिला सिरोही में कक्षा के कमरे का निर्माण	3.00
❖ बार एसोसिएशन जालोर में बार चैंबर भवन का निर्माण	15.00
❖ श्री रूपादे माध्यमिक पब्लिक स्कूल, देवीकोट जैसलमेर में दो कक्षा के कमरों का निर्माण	6.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्वरूपगंज, जिला सिरोही प्रसूति कक्ष एवं मोर्चरी का निर्माण	10.00
❖ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मोर्चरी और वार्ड का निर्माण रेहिड़ा पंचायत समिति पिण्डवाड़ा, जिला सिरोही	6.00
❖ सार्वजनिक विश्राम भवन का निर्माण सोहनजी सीताराम जी की ढाणियां लखा, जिला जैसलमेर	3.00
❖ गौधाम महातीर्थ द्वारा संचालित श्री दत्तात्रेय गौसेवा आश्रम नदगाँव केशुबा पंचायत समिति रेवदर, जिला सिरोही में चारा गौदाम का निर्माण	20.00
❖ मौक गाँव ग्राम पंचायत रेवत, जिला जालोर उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण	6.70
❖ जिला मुख्यालय स्टेडियम के भीतर सभागार का निर्माण जालोर	60.11
❖ उपखण्ड मुख्यालय आहोर, जिला जालोर में मिनी ऑडिटोरियम का निर्माण	19.00
❖ महावीर आवासीय बधिर स्कूल जालोर में विकलांग छात्रों के लिए दो हॉलों का निर्माण	6.00
❖ सार्वजनिक शमशान बागरा, जिला जालोर में चारदीवारी का निर्माण	8.00
❖ राजकीय माध्यमिक विद्यालय में हॉल का निर्माण, पंचायत समिति पिंडवाड़ा, जिला सिरोही (जनजाति के लिए)	5.00
❖ राजकीय बालिका प्राथमिक विद्यालय, सांतपुर पंचायत समिति पिंडवाड़ा, जिला सिरोही में दो कक्षा के कमरों का निर्माण	5.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ भील बस्ती आवासीय क्षेत्र में सी. सी. सड़क का निर्माण कालन्ड्री, जिला सिरोही	4.00
❖ राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रानीवाड़ा जिला जालोर में पवेलियन और सीढ़ियों का निर्माण	41.51
❖ सहायक स्वास्थ्य केंद्र की इमारतों का निर्माण जवाहरपुरा ग्राम पंचायत नवोड़ा बेरा बालोतरा, बाड़मेर	8.00
❖ राजकीय माध्यमिक विद्यालय बारवा बाली, जिला पाली में दो कक्षा के कमरों का निर्माण	6.00
❖ डायलिसिस बांगड़ अस्पताल के गलियारे के पास में छत का निर्माण	1.36
❖ कलर डॉप्लर सोनोग्राफी मशीन राजकीय हॉस्पिटल बाड़मेर	15.00
❖ भूमि तल पर पृथक वार्ड का निर्माण राजकीय नाहटा अस्पताल, बालोतरा, बाड़मेर	15.00
❖ डिजिटल एक्स-रे मशीन राजकीय जवाहर अस्पताल, जैसलमेर	15.00
❖ कलर डॉप्लर सोनोग्राफी मशीन राजकीय हॉस्पिटल पोकरण, जिला जैसलमेर	15.00
❖ डिजिटल एक्स-रे मशीन राजकीय अस्पताल, जालोर	15.00
❖ डिजिटल एक्स-रे मशीन राजकीय हॉस्पिटल सिरोही	15.00
❖ कलर डॉप्लर सोनोग्राफी मशीन राजकीय हॉस्पिटल, सिरोही	15.00
❖ सी. सी. सड़क का निर्माण सार्वजनिक पोल से बस स्टैंड तक, देवड़ा, जैसलमेर	7.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ उप स्वास्थ्य केंद्र ग्राम पंचायत समिति जिला सिरौही में निर्माण	5.00
❖ राजकीय वरिष्ठ प्राथमिक विद्यालय मेघवाल की ढाणी ग्राम पंचायत सलखा, जिला जैसलमेर में अतिरिक्त कक्षा के कमरों का निर्माण	3.00
❖ राजकीय सीनियर प्राइमरी स्कूल सलखा में अतिरिक्त कक्षा का निर्माण	3.00
❖ दांसपा पंचायत समिति भीनमाल जिला जालोर में खेल मैदान की चारदीवारी का निर्माण	16.00
❖ जालोर क्लब जालोर में टेनिस बोर्ड का निर्माण	3.00
❖ राजकीय माध्यमिक विद्यालय, घुरासनी पंचायत समिति, सोजत, जिला पाली में दो कक्षा के कमरों का निर्माण	6.00
❖ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति क्षेत्र में गाँव पाल में 11 केवी इलेक्ट्रिक लाइन कुड़ा ग्राम पंचायत कुड़ा पंचायत समिति रानीवाड़ा, जिला जालोर	4.40
❖ राजकीय प्राथमिक विद्यालय उबर की ढाणी खुडीयाला पंचायत समिति सम का जिला जैसलमेर में स्टेडियम की चारदीवारी का निर्माण	5.00
❖ राजकीय माध्यमिक विद्यालय, सोमता पंचायत समिति, जसंवतपुरा, जिला जालोर में दो कक्षा का निर्माण	6.00
❖ राजकीय सीनियर प्राथमिक विद्यालय दीपसिंह की ढाणी के ग्राम पंचायत तेजरवा, जिला जैसलमेर में दो अतिरिक्त कक्षा के कमरे का निर्माण	6.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ एकलिंगनाथ महादेव मंदिर के पास प्रतीक्षा कक्षों का निर्माण, भीमाना पिंडवाड़ा पंचायत सिरोही	4.00
❖ अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान, जैसलमेर में कमरों का निर्माण	8.00
❖ सी. सी. सड़क का निर्माण धौरीबा गाँव में आदर्श दुंगरी ग्राम पंचायत समिति पिंडवाड़ा जिला सिरोही	5.00
❖ सार्वजनिक कब्रिस्तान सायला, जिला जालोर में चारदीवारी का निर्माण	6.00
❖ सिवाणा में केसर शाह दरगाह के पास में सामुदायिक भवन का निर्माण	5.00
❖ जिला पाली मारवाड़ जंक्शन पंचायत समिति में सी. सी. सड़क का निर्माण	3.50
❖ जिला बाड़मेर, सिवाना में महेंद्र कुमार के घर से भंवरलाल के घर तक सी. सी. सड़क का निर्माण	6.00
❖ झिनिझिनिवाली ग्राम पंचायत में मेघवालों की ढाणियों के पास विश्राम भवन का निर्माण, जिला जैसलमेर	3.00
❖ पंचायत समिति आहोर, जिला जालोर में दानाराम जी महाराज मंदिर गोविंदला की घाटी के पास में सामुदायिक भवन निर्माण	8.00
❖ राजकीय माध्यमिक विद्यालय धानिया जिला पाली में पुस्तकालय भवन का निर्माण	5.00
❖ जवाल ग्राम पंचायत, जिला सिरोही में जल टैंक का निर्माण	9.60
❖ सी. सी. रोड का निर्माण उदाराम/गरासिया के घर से राजकीय शैक्षणिक कर्मचारी स्कूल, अचपुरा ग्राम पंचायत (अनुसूचित जनजाति क्षेत्र) जिला सिरोही में	5.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ अचपुरा ग्राम पंचायत (अनुसूचित जनजाति क्षेत्र) पंचायत समिति आबुरोड, जिला सिरोही में स्कूल परिसर के भीतर गिरवार मुख्य सड़क से कस्तूरबा गाँधी स्कूल तक सी.सी. रोड का निर्माण	6.00
❖ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रोहिड़ा (एसी क्षेत्र) जिला सिरोही में पुरुष वार्ड का निर्माण	4.00
❖ स्कूल परिसर में आँगनबाड़ी केंद्र तक सी. सी. सड़क का निर्माण भीलवाड़ा ग्राम पंचायत आदर्श डूंगरी सिरोही	4.00
❖ भारजा ग्राम पंचायत, पंचायत समिति पिंडवाड़ा, जिला सिरोही में चामुंडा माता मंदिर से सार्वजनिक शमशान के लिए सी. सी. रोड का निर्माण	5.00
❖ कोजरा ग्राम पंचायत में पशु चिकित्सा अस्पताल का निर्माण पंचायत समिति पिंडवाड़ा जिला सिरोही	5.00
❖ बसंतगुह ग्राम पंचायत, पंचायत समिति पिंडवाड़ा जिला सिरोही में सार्वजनिक भवन का निर्माण	4.00
❖ राजकीय उच्चतर प्रा. विद्यालय बैटिना ग्राम पंचायत भैसड़ा जिला जैसलमेर	3.00
❖ भादरिया गाँव पंचायत समिति सांकड़ा जिला जैसलमेर में सार्वजनिक विश्राम घर का निर्माण	5.00
❖ सी. सी. का निर्माण ग्राम पंचायत रेवतड़ा, जिला जालोर में भालजी घर से पदमसिंह के घर तक	8.00
❖ डॉ. भीमराव अंबेडकर गार्डन समदड़ी (एसी/एसटी क्षेत्र) जिला बाड़मेर में सामुदायिक भवन का निर्माण	7.00
❖ अनुसूचित जाति/जनजाति आवासीय क्षेत्र में जल पाइप लाईन ग्राम वाटेरा, जिला सिरोही	4.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ बाबा रामदेव और बाल तपस्वी अणसी बाई मंदिर के पास में सार्वजनिक सामुदायिक भवन का निर्माण जवाई के तट पर सुमेरपुर (एसी/एसटी) जिला पाली	8.00
❖ जिला पाली के चोटिला ग्राम पंचायत केछीब्बा गाँव (एसी/एसटी क्षेत्र) में गौतम ऋषि महादेव मंदिर के पास में सार्वजनिक सामुदायिक भवन का निर्माण जिला सिरोही	10.00
❖ सार्वजनिक बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण मेघवाल बालोतरा जिला बाड़मेर	7.00
❖ मोडा ग्राम पंचायत, जिला जैसलमेर के बिजाणिया मेघवालों के पास में सार्वजनिक सामुदायिक विश्राम गृह का निर्माण	3.00
❖ जिला अजमेर के पंचायत समिति केकड़ी ग्राम सदारा के मोहल्ला रेगर में सामुदायिक हॉल का निर्माण	5.00
❖ जिला अजमेर के रेगर मोहल्ला ग्राम सदारा में सामुदायिक भवन का निर्माण	5.00
❖ केकड़ी जिला अजमेर में सार्वजनिक शमशान पर सड़क और कमरे का निर्माण	8.00
❖ शेड निर्माण सार्वजनिक शमशान घाट लपटना की ढाणियों के पास बहरावन्डा प. सं. सिकराया, जिला दौसा	5.00
❖ राजकीय माध्यमिक विद्यालय ममाणा पंचायत दुदु, जिला जयपुर में कमरों का निर्माण	3.00
❖ जिला जालोर में 33 केवी जीएसएस नीलकंठ महादेव मंदिर से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कॉलोनी तक सी. सी. सड़क का निर्माण	5.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ अनुसूचित जाति की कॉलोनी से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कॉलोनी के अंतर्गत सी. सी. सड़क का निर्माण भीनमाल जिला जालोर	8.00
❖ मेघवाल समाज सभा भवन से आँगनबाड़ी तक सी. सी. सड़क का निर्माण, दासपा पंचायत समिति भीनमाल, जिला जालोर	8.00
❖ जिला जालोर सांचोर बाईपास रानीवाड़ा (एसी/एसटी) में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजातियों के लिए विश्राम गृह का निर्माण वाल्मिकी आश्रम के पास	5.00
❖ जिला जालोर के रानीवाड़ा कला (एसी/एसटी) के अनुसूचित जाति कॉलोनी के लिए शौचालय के साथ विश्राम गृह का निर्माण	5.00
❖ जिला बाड़मेर के पंचायत समिति सिणधरी में उप स्वास्थ्य केंद्र कुडला का निर्माण	5.00
❖ जिला बाड़मेर के बालेरा पंचायत के सार्वजनिक शमशान में चारदीवारी और टीन शेड का निर्माण	5.00
❖ बाजरा पंचायत समिति केकड़ी, जिला अजमेर के मियामाया मंदिर के पास की जमीन पर मैदान का निर्माण	5.00
❖ जिला अजमेर के केकड़ी पंचायत समिति (एसी/एसटी) सलारी ग्राम के बैरवा बस्ती में सामुदायिक हॉल का निर्माण	4.00
❖ जिला अजमेर में राजकीय कॉलेज में केकड़ी एक बड़ा हॉल का निर्माण	6.00
❖ जिला सिरौही मंडिया में पाइप लाईन और टैंक का निर्माण	24.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ जिला पाली के जोजावर पंचायत समिति मारवाड़ के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कमरों का निर्माण	10.00
❖ जिला बाड़मेर पंचायत समिति बालोतरा के सरवड़ी ग्राम के सार्वजनिक शमशान में टीन शेड ओर बैठने की व्यवस्था का निर्माण	6.00
❖ जिला जालोर में भाद्राजून रामा सड़क से गोविंदपुरा जैन मंदिर तक सी. सी. का निर्माण	10.00
❖ जिला पाली दयालपुरा ग्राम पंचायत समिति पाली के आम चोहता से नागा बाबा बगेची तक सी. सी. सड़क का निर्माण	7.00
❖ जिला बाड़मेर गिडालिया ग्राम पंचायत चांडी के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में सांस्कृतिक हॉल का निर्माण	5.00
❖ जिला बाड़मेर कानासर पंचायत समिति शिव के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में अतिरिक्त कमरों का निर्माण	5.00
❖ जिला बाड़मेर बांघड़ा पंचायत समिति बाड़मेर के ग्राम पंचायत और आसपास के क्षेत्रों में पीने के पानी की सुविधा	4.00
❖ जिला बाड़मेर राजबेरा पंचायत समिति शिव के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में अतिरिक्त कमरों का निर्माण	3.00
❖ जिला बाड़मेर के रामदेव मंदिर से मोहल्ला रमणिया पंचायत समिति सिवाना तक सी. सी. सड़क का निर्माण	8.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ जिला नागौर, पंचायत रियाबंडी झिटिया ग्राम पंचायत में चेनाराम के घर से सरगरोँ के घर तक सी. सी. सड़क का निर्माण	8.00
❖ जैसलमेर जिले के पंचायत समिति सम स्थित ग्राम बईया से खेतजी की ढाणियों तक ग्रेवल सड़क का निर्माण	9.00
❖ जिला बाड़मेर के हाथमा ग्राम पंचायत के मिठड़िया तला में सार्वजनिक शमशान के टीन शेड का निर्माण	3.50
❖ जिला बाड़मेर सेवाली ग्राम पंचायत के ग्राम अर्थण्डी पतरों की गली हिमताली किगली में खंरजा की सड़क का निर्माण	7.00
❖ जिला जैसलमेर सलाखा मुकाम दामोदरा में डामर सड़क से तानसिंह के घर तक सी. सी. का निर्माण	6.00
❖ जिला सिरोही धनारी ग्राम पंचायत के गोलिया ग्राम के मेघवाल बास वार्ड नंबर 12 में सी. सी. सड़क का निर्माण	7.00
❖ जिला नागौर नारवा खुर्द में पाँचला नागोड़ी मुख्य मार्ग से गंवाई बेरा सड़क तक इंटरलॉकिंग सी. सी. सड़क का निर्माण	8.00
❖ जिला जैसलमेर, पुलिस लाईन परिसर में सामुदायिक का निर्माण	8.98
❖ जिला बाड़मेर निंबला पंचायत समिति शिव में नरपतजी की ढाणियों के पास सिंगल फेज मशीन मय हैंडपंप	5.50
❖ जिला पाली नादाणा वाया नाडोल के श्री रूपमुनी सार्वजनिक गौशाला में चारा गोदाम का निर्माण	8.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ उत्तराखंड आपदा प्रबंधन के लिए	50.00
❖ जिला झुंझुनु नवलगढ़ रामदेव मंदिर के सामने, रामदेव चौक पर सार्वजनिक जल के लिए प्याऊ का निर्माण	5.00
❖ जिला नागौर, ग्राम लिलिया के उदावतों के पास वार्ड संख्या 1 में वाचनालय का निर्माण	7.00
❖ जिला झुंझुनु पंचायत समिति नवलगढ़ के परसरामपुरा में खेल स्टेडियम का निर्माण	18.00
❖ बाड़मेर रावणा राजपूत छात्रावास शहद सर्किल के पास में वाचनालय और पुस्तकालय का निर्माण	5.00
❖ जिला जालोर, ग्राम मंडोली के विभिन्न स्थलों पर सी. सी. कुर्सियों का निर्माण	3.50
❖ जिला जालोर मंडोली पंचायत समिति जसवंतपुरा में सुलभ कॉम्प्लेक्स का निर्माण	22.00
❖ जिला जैसलमेर के हाथी का बास घने की ढाणी मिखाला बाघा पंचायत समिति सम सार्वजनिक बस स्टैंड का निर्माण	5.00
❖ जिला बाड़मेर बिस कला पंचायत समिति शिव में जगमालजी बास में सार्वजनिक जल सुविधा के लिए प्याऊ का निर्माण	5.00
❖ जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल के लिए 500 M.A. X-RAY मशीन	5.51
❖ जोधपुर के महात्मा गाँधी अस्पताल के लिए 2 यूनिट इलेक्ट्रो-सर्जिकल क्वार्टरी	5.00
❖ जोधपुर में महात्मा गाँधी अस्पताल में ब्लड गैस अनाल्यसेर	4.47

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ जोधपुर के महात्मा गाँधी अस्पताल में आई.सी.यू. का विस्तार	8.25
❖ उम्मेद चिकित्सालय में उम्मेद अस्पताल में वेंटीलेटर (1 यूनिट) जोधपुर	7.90
❖ उम्मेद अस्पताल में मल्टी पैरामॉनिटर (M. I. B. P 6 पैरामीटर्स) 2 यूनिट	2.59
❖ उम्मेदपुर अस्पताल, जोधपुर में सिरिज इन्फ़जीन पंप (8 यूनिट)	2.67
❖ जोधपुर उम्मेद अस्पताल, ओपन केयर सिस्टम 2 यूनिट सहित ट्रॉली	0.47
❖ एमडीएम अस्पताल, जोधपुर में मुख्य ऑपरेशन थिएटर के लिए इलेक्ट्रो-सर्जिकल कॉटरी-4 नंबर	5.80
❖ एमडीएम अस्पताल, जोधपुर में डायलिसिस मशीन-1 नंबर	6.00
❖ एमडीएम अस्पताल, जोधपुर में स्टरलाईजर (Air Steriliser)-10 नंबर	4.24
❖ जिला जोधपुर के जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में मीटिंग हॉल का निर्माण	20.00
❖ जोधपुर के नेशनल लॉ युनिवर्सिटी में फर्नीचर के साथ कॉन्फ्रेंस हॉल का निर्माण	50.00
❖ प्री प्राइमरी स्कूल निर्माण बेलवा राणाजी जिला जोधपुर, भारती फाउंडेशन, नई दिल्ली	6.88
❖ प्री प्राइमरी स्कूल निर्माण लोरड़ी देजगरा (मंडोर) जिला जोधपुर भारती फाउंडेशन, नई दिल्ली	6.75
❖ प्री प्राइमरी स्कूल का निर्माण बावरला मंडोर, जिला जोधपुर भारतीय फाउंडेशन नई दिल्ली	6.73

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण, ग्राम पंचायत खारीबेरी पंचायत समिति बालेसर, जिला जोधपुर	3.75
❖ जिला जोधपुर के औसिया में राजपुरोहित छात्रावास में सार्वजनिक वाचनालय का निर्माण	5.00
❖ दो कक्षा कक्ष का निर्माण राजकीय सी.मा.वि. सामराऊ, जिला जोधपुर	3.00
❖ जिला जोधपुर के बारनी खुर्द पंचायत समिति भोपालगढ़ में राजकीय माध्यमिक विद्यालय में कक्षाओं का निर्माण	3.80
❖ जवाहर नगर, ग्राम पंचायत केतुमदा, पंचायत समिति बालेसर, जिला जोधपुर में उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण	4.00
❖ मथुरादास माथुर अस्पताल, जोधपुर में ट्रॉमा एंबुलेन्स	12.38
❖ ग्राम होपराड़ी, पंचायत समिति फलौदी, जिला जोधपुर में वाचनालय का निर्माण	4.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति शेरगढ़ ग्राम मौनसागर ग्राम पंचायत साई के आड़ा गाला भीलों की ढाणियों के राजकीय शिक्षाकर्मी विद्यालय में तीन कक्षा कक्ष का निर्माण	4.50
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति शेरगढ़ ग्राम पंचायत हिम्मतपुरा, प्रेमनगर के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में दो कक्षा कक्ष का निर्माण	3.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति बाप चांगुरी ग्राम पंचायत शेखासर में राजकीय प्राथमिक विद्यालय में दो कमरों का निर्माण	3.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ राजकीय प्राथमिक विद्यालय बड़ी सीड ग्राम पंचायत पंचायत समिति बाप, जिला जोधपुर में दो कक्षा कक्ष का निर्माण	3.00
❖ भील बस्ती गाँव जुड़ पंचायत समिति औसिया जिला जोधपुर में सामुदायिक हॉल का निर्माण	3.00
❖ राजकीय प्राथमिक विद्यालय खेतानाड़ा मेघवालों की ढाणियों में कक्षा कक्ष का निर्माण जुडिया समिति, बालेसर जोधपुर	4.00
❖ जिला जोधपुर के महाराजा प्रहलाद सिंह चैरिटेबल ट्रस्ट माणकलाव में तीन विज्ञान प्रयोगशालाओं का निर्माण	17.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति लूणी, ग्राम पंचायत खुडाला में दुग्ध सहकारी समिति में हॉल का निर्माण	2.00
❖ जिला जोधपुर मोगरा कला पंचायत समिति लूणी में जसाराम सरगरा की दुकान से राजकीय बालिका विद्यालय तक सी. सी. सड़क का निर्माण	2.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति फलौदी के होपारड़ी में सार्वजनिक विश्राम गृह का निर्माण	2.00
❖ राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, मथानिया, पंचायत समिति औसिया, जिला जोधपुर में दो कमरों का निर्माण	3.00
❖ पशु चिकित्सा अस्पताल का निर्माण, आसोप, ग्राम पंचायत समिति भोपालगढ़, जोधपुर	5.00
❖ जोधपुर रातानाड़ा के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में कंप्यूटर प्रिंटर आदि खरीदने हेतु	5.92

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ जोधपुर मदेरणा कॉलोनी के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में कंप्यूटर आदि खरीदने हेतु	6.21
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति फलौदी, ग्राम पंचायत कोलू पाबूजी के राजकीय प्राथमिक विद्यालय कोलू राठौड़ान में कक्षा कक्ष का निर्माण	2.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति औसिया ग्राम पंचायत पल्ली के पल्ली राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पल्ली फांटा में कंप्यूटर कक्ष का निर्माण	2.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति औसिया, ग्राम पंचायत निंबों का तालाब में राजकीय माध्यमिक विद्यालय निंबा का तालाब में कक्षा कक्ष का निर्माण	2.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति फलौदी ग्राम पंचायत कुश्लावा में मदरसा भैय्या की ढाणी के पास सामुदायिक हॉल का निर्माण	2.00
❖ राजकीय प्राथमिक विद्यालय चांगूरी ग्राम पंचायत शेखासर, पंचायत समिति पंचायत समिति बाप, जिला जोधपुर में दो कक्षा कक्ष का निर्माण	
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति लूणी, ग्राम पंचायत रोहितचा कलां के राजकीय प्राथमिक विद्यालय खोतों की ढाणी रोहिचाकलां में कक्षा कक्ष का निर्माण	1.85
❖ ग्राम पंचायत उम्मेदनगर, पंचायत समिति औसिया जिला जोधपुर में सार्वजनिक विश्राम गृह का निर्माण खार की मेघवालों की ढाणियों के पास	3.00
❖ ग्राम पंचायत नंदवान पंचायत समिति लूणी जिला जोधपुर के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय चाबड़ी में हॉल का निर्माण	3.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ विजय नगर ग्राम पंचायत खुडियाला, पंचायत समिति बालेसर में उप स्वास्थ्य केंद्र के भवन का निर्माण	4.00
❖ राजकीय प्राथमिक विद्यालय गजेसिंह नगर, ग्राम पंचायत भूंगरा पंचायत समिति शेरगढ़, जिला जोधपुर में कक्षा कक्ष का निर्माण	2.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति मंडोर, ग्राम पंचायत पोपावास में उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण	4.75
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति बिलाड़ा में विश्राम गृह भवन का निर्माण	7.00
❖ जिला जोधपुर जुड़िया ग्राम पंचायत ढाणियां शासन के मेघवालों की ढाणियों में विश्राम गृह का निर्माण	2.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति बिलाड़ा के पंचायत समिति परिसर में स्वागत कक्ष का निर्माण	3.00
❖ जिला जोधपुर के श्री गोपालकृष्ण गौशाला घेवड़ा पंचायत समिति ओसिया में चारा गोदाम का निर्माण	3.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति फलौदी के राजकीय माध्यमिक विद्यालय भोजासर में एक कक्षा कक्ष का निर्माण	2.67
❖ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दर्ईकड़ा ग्राम पंचायत दर्ईकड़ा पंचायत समिति मंडोर, जिला जोधपुर में विज्ञान वर्ग के लिए प्रयोगशाला का निर्माण	7.00
❖ जिला जोधपुर पीपाड़ शहर के इंदिरा कॉलोनी खेजड़ला रोड के मेघवंशी विकास समिति में सार्वजनिक हॉल का निर्माण	5.00
❖ मथुरादास माथुर अस्पताल, जोधपुर में फुली ऑटोमेटिक एनेलाईजर मशीन (analyser machine)	11.03

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति औसिया के भैसेर कोटवाली के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में दो कक्षा कक्षों का निर्माण	6.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति बालेसर ग्राम पंचायत कनोड़िया में ग्राम पंचायत बिल्डिंग से लाल सिंह/सिमरथसिंह के घर तक 400 मीटर डामर सड़क का निर्माण	5.67
❖ जिला जोधपुर मोखेरी पंचायत समिति में पशु चिकित्सा अस्पताल के लिए भवन का निर्माण	4.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति फलौदी ग्राम पंचायत छिला के राजकीय माध्यमिक विद्यालय छिला में कंप्यूटर कक्ष का निर्माण	3.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति भोपालगढ़ आईजी/ दादूजी खोजा के बाड़े से वाया महाजन मेघवाल मंडी खांगटा तक एक नहर का निर्माण	3.00
❖ पंचायत समिति बिलाड़ा ग्राम पंचायत बाला के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में चारदीवारी और मुख्य गेट का निर्माण	3.50
❖ जिला जोधपुर ग्राम पंचायत देड़ा के नगाजी की ढाणियों लवारन में सार्वजनिक भवन का निर्माण	3.00
❖ जिला जोधपुर उम्मेद अस्पताल के प्रसूति कक्ष में चैरिटेबल सोनोग्राफी मशीन	3.62
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति बालेसर ग्राम पंचायत गोदलाई के राजकीय माध्यमिक विद्यालय गादलाई में दो कक्षा कक्षों का निर्माण	5.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति लूणी ग्राम पंचायत कांकेलाव के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में एक कक्षा कक्ष का निर्माण	3.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति लूणी के वन्यजीव उपचार केंद्र की चारदीवारी का निर्माण	3.90
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति बावड़ी के उम्मेदनगर ग्राम पंचायत के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में दो कक्षा कक्ष का निर्माण	5.00
❖ जिला जोधपुर देचू में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मोर्चरी कक्ष का निर्माण	4.00
❖ जिला जोधपुर पुलिस लाईन, क्वार्टर गार्ड के पास में सार्वजनिक महिला शौचालय का निर्माण	2.38
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति भोपालगढ़ के राजकीय बालिका विद्यालय ढंडोरा में एक कक्षा कक्ष का निर्माण	3.00
❖ राजीव गाँधी युवा क्लब भोपालगढ़ में राज्य सरकार द्वारा आवंटित भूमि पर पुस्तकालय हॉल का निर्माण, जिला जोधपुर	4.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति बालेसर के नाथड़ा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सार्वजनिक वाचनालय का निर्माण	5.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति बापिणी में मेहोजी मंदिर के पास में सार्वजनिक विश्राम गृह का निर्माण	4.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति बिलाड़ा ग्राम पंचायत पिचियाक के मुस्लिम मोहल्ला में सामुदायिक हॉल का निर्माण	3.00
❖ जोधपुर के विकलांग व्यक्तियों के लिए ट्राई साईकिल	5.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति बालेसर, ग्राम पंचायत खारीबेरी में चारदीवारी, शौचालय और पानी की टंकी का निर्माण	5.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति लूणी ग्राम पंचायत बोरानाड़ा के बोरानाड़ा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कक्षा कक्ष का निर्माण	4.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति फलौदी ग्राम पंचायत चाड़ी के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में एक कक्षा कक्ष का निर्माण	3.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति लूणी, ग्राम पंचायत लोलावास के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में एक कक्षा कक्ष का निर्माण	3.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति औसिया ग्राम पंचायत बड़ला बासनी के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में दो कक्षा कक्ष का निर्माण	5.00
❖ जिला जोधपुर में भगवान महावीर शिक्षण संस्थान में तीन कक्षा कक्ष का निर्माण	12.00
❖ मदरसा तमिमुल हाजी सागर के पास एक सामुदायिक भवन का निर्माण ग्राम पंचायत आऊ, पंचायत समिति फलौदी, जिला जोधपुर	3.00
❖ सैनिक कल्याण कार्यालय ग्राम पंचायत शेरगढ़, जिला जोधपुर के पास एक बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	10.00
❖ उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण गाँव टीकमगढ़ ग्राम पंचायत आगोलाई, जिला जोधपुर	4.93
❖ प्रजापति छात्रावास और न्याति नोहरा औसिया के पास एक सार्वजनिक विश्राम गृह भवन का निर्माण, पंचायत समिति औसिया, जिला जोधपुर	4.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति लूणी लूणावास कलां के सार्वजनिक शमशान पर एक टीन शेड का निर्माण	3.30

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति औसिया ग्राम पंचायत चेराई के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कक्षा कक्ष का निर्माण	3.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति लूणी, ग्राम पंचायत मोडी जोशियान के मनणा बस्ती में राजकीय माध्यमिक विद्यालय में कक्षा कक्ष का निर्माण	4.00
❖ जिला जोधपुर घाणा मगरा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कक्षा कक्ष का निर्माण	4.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति भोपालगढ़ के ग्राम पंचायत नाइसर में राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय में कक्षा कक्ष का निर्माण	3.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति भोपालगढ़ ग्राम पंचायत खांगटा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पुस्तकालय कक्ष का निर्माण	5.00
❖ श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथ जैन महाविद्यालय सरस्वती नगर जोधपुर में सभागार का निर्माण	20.00
❖ कक्षा के कमरे का निर्माण, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, बालाजी नगर बाराखुर्द पंचायत समिति बावड़ी, जिला जोधपुर	3.00
❖ कक्षा कक्ष का निर्माण राजकीय माध्यमिक विद्यालय बड़ीसिड़ पंचायत समिति बाप, जिला जोधपुर	3.00
❖ ऐंबुलेन्समय जीवन रक्षक उपकरण उम्मेद अस्पताल जोधपुर, मेडिकल रिलीफ सोसाइटी उम्मेद अस्पताल, जोधपुर	8.73
❖ प्रयोगशाला कक्ष का निर्माण राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आसोप पंचायत समिति भोपालगढ़ जिला जोधपुर	

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण राजकीय सामाजिक कल्याण छात्रावास भगत की कोठी, जोधपुर सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग	8.75
❖ बाबा रामदेव मंदिर के पास मेघवालों का बास में सार्वजनिक बस स्टैंड का निर्माण, ग्राम काली माली ग्राम पंचायत आमला पंचायत समिति फलौदी जिला जोधपुर	5.00
❖ कक्षा के कमरे का निर्माण, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सालवा कला पंचायत समिति मंडोर जिला जोधपुर	5.00
❖ जिला जोधपुर पंचायत समिति फलौदी, ग्राम पंचायत दयाकोर में गाँव सिलोलाई नाडी के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में कंप्यूटर कक्ष का निर्माण	4.00
❖ जीवित एक्स-रे मशीन, महात्मा गाँधी अस्पताल (3-D I.I.T.B.) मेडिकल रिलीफ सोसाइटी, महात्मा गाँधी अस्पताल, जोधपुर	30.00
❖ करणी माता धाम गाँव सुआप के पास शौचालय के साथ सार्वजनिक सभा भवन का निर्माण, ग्राम पंचायत इशरू पंचायत समिति फलौदी, जिला जोधपुर	8.00
❖ कक्षा कक्ष का निर्माण नव राजकीय प्राथमिक विद्यालय बालिका लांबा, ग्राम पंचायत लांबा पंचायत समिति बिलाड़ा, जिला जोधपुर	7.00
❖ सार्वजनिक सामुदायिक हॉल (बालिका छात्रावास) का निर्माण, धन्ना भगत शिक्षण संस्थान नंदवान ग्राम पंचायत नंदवान पंचायत समिति लूणी, जिला जोधपुर	10.00
❖ दो कक्षा कक्षों का निर्माण, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, लूणा ग्राम पंचायत लूणा पंचायत समिति बाप जिला जोधपुर	6.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ एक कक्षा कक्ष का निर्माण राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, कलानिया की ढाणी ग्राम पंचायत लोड़ता अचलावता पंचायत समिति सेंखाला जिला जोधपुर	4.00
❖ मेघवाल छात्रावास के पास सार्वजनिक विश्राम घर का निर्माण औसिया (एससी क्षेत्र) पंचायत समिति औसिया, जिला जोधपुर	7.00
❖ दो कक्षा कक्ष का निर्माण राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, गढ़सूरिया ग्राम पंचायत मादलिया पंचायत समिति बिलाड़ा, जिला जोधपुर	9.00
❖ एक कक्षा कक्ष का निर्माण राजकीय माध्यमिक विद्यालय मनणा बस्ती मोडी ग्राम पंचायत मोडी जोशीयान पंचायत समिति लूणी, जिला जोधपुर	5.00
❖ चारदीवारी का निर्माण राजकीय माध्यमिक विद्यालय लूणा ग्राम पंचायत लूणा पंचायत समिति बाप, जिला जोधपुर	6.00
❖ मेघवाल्लों के वास में माताजी मंदिर से भदाल्लों के बास में डामर सड़क तक सी. सी. सड़क का निर्माण गाँव माधोपुरा ग्राम पंचायत सतलाना, पंचायत समिति लूणी, जिला जोधपुर	7.00
❖ पुस्तकालय एवं वाचनालय भवन का निर्माण, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खारिया खंगार ग्राम पंचायत खंगार पंचायत समिति भोपालगढ़, जिला जोधपुर	6.00
❖ चारदीवारी का निर्माण, राजकीय बाप माध्यमिक विद्यालय केलनसर ग्राम पंचायत केलनसर पंचायत समिति बाप, जिला जोधपुर	5.00
❖ पशु चिकित्सा स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण देवगढ़ ग्राम पंचायत आगोलाई पंचायत समिति बालेसर, जोधपुर	5.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ बार कॉंसिल ऑफ राजस्थान के विवेक विहार जोधपुर में जमीन पर वकील भवन का निर्माण	40.00
❖ पुलिस आयुक्त कार्यालय जोधपुर के पास सार्वजनिक प्यारु का निर्माण	4.45
❖ मेड़ता रोड रेलवे स्टेशन डी. आर. एम. उत्तर पश्चिमी रेलवे जोधपुर में यात्रियों के बैठने के लिए 28 बेंच की खरीद	1.20
❖ जोधपुर मुख्य रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के बैठने के लिए 58 बेंच की खरीद	5.60
❖ भगत की कोठी रेलवे स्टेशन डी. आर. एम. उत्तर पश्चिमी रेलवे जोधपुर में यात्रियों के बैठने के लिए 7 बेंच की खरीद	0.70
❖ बालोतरा रोड रेलवे स्टेशन डी. आर. एम. उत्तर पश्चिमी रेलवे, जोधपुर में यात्रियों के बैठने के लिए 20 बेंच की खरीद	2.00
❖ रामदेवरा रेलवे स्टेशन डी. आर. एम. उत्तर पश्चिमी रेलवे, जोधपुर में यात्रियों के बैठने के लिए 28 बेंच की खरीद	2.80
❖ नागौर रेलवे स्टेशन डी. आर. एम. उत्तर पश्चिमी रेलवे, जोधपुर में यात्रियों के बैठने के लिए 20 बेंच की खरीद	2.00
❖ गौशाला मैदान, जोधपुर में खो-खो का मैदान का निर्माण	1.75
❖ गौशाला मैदान, जोधपुर में बॉलीबॉल के कोर्ट का निर्माण	1.00
❖ आँगनबाड़ी केंद्र का निर्माण खुशाल जी की ढाणियां टेपू ग्राम पंचायत टेपू पंचायत समिति बाप, जिला जोधपुर	6.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ विद्युतीकरण कार्य भीलों की ढाणियां जालम नगर जिला जोधपुर	7.99
❖ देशनोक रेलवे स्टेशन डी. आर. एम. उत्तर पश्चिमी रेलवे, जोधपुर में यात्रियों के बैठने के लिए 25 बेंच की खरीद	2.50
❖ गोटेन रोड रेलवे स्टेशन डी. आर. एम. उत्तर पश्चिमी रेलवे, जोधपुर में यात्रियों के बैठने के लिए 25 बेंच की खरीद	2.50
❖ नांवा सिटी रेलवे स्टेशन डी.आर.एम. उत्तर पश्चिमी रेलवे, जोधपुर में यात्रियों के बैठने लिए 20 बेंच की खरीद	2.00
❖ लूणी रेलवे स्टेशन डी. आर. एम. उत्तर पश्चिमी रेलवे, जोधपुर में यात्रियों के बैठने के लिए 10 बेंच की खरीद	1.00
❖ फलौदी रेलवे स्टेशन डी. आर. एम. उत्तर पश्चिमी रेलवे, जोधपुर में यात्रियों के बैठने के लिए 10 बेंच की खरीद	1.00
❖ पोकरण रोड रेलवे स्टेशन डी. आर. एम. उत्तर पश्चिमी रेलवे, जोधपुर में यात्रियों के बैठने के लिए 10 बेंच की खरीद	1.00
❖ सूजानगढ़ रोड रेलवे स्टेशन डी. आर. एम. उत्तर पश्चिमी रेलवे, जोधपुर में यात्रियों के बैठने के लिए 5 बेंच की खरीद	0.50
❖ समदड़ी रेलवे स्टेशन डी. आर. एम. उत्तर पश्चिमी रेलवे, जोधपुर में यात्रियों के बैठने के लिए 7 बेंच की खरीद	0.70
❖ बाड़मेर रोड रेलवे स्टेशन डी. आर. एम. उत्तर पश्चिमी रेलवे, जोधपुर में यात्रियों के बैठने के लिए 15 बेंच की खरीद	1.50

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ औसिया रेलवे स्टेशन डी. आर. एम. उत्तर पश्चिमी रेलवे, जोधपुर में यात्रियों के बैठने के लिए 10 बेंच की खरीद	1.00
❖ सार्वजनिक जल सुविधा ग्रामीण पुलिस लाईन दर्ज़र, जिला जोधपुर के लिए प्याऊ का निर्माण	5.00
❖ बस स्टैंड के पास सार्वजनिक जल सुविधा के लिए प्याऊ का निर्माण ग्राम पंचायत भोपालगढ़ पंचायत समिति भोपालगढ़, जिला जोधपुर	5.00
❖ सार्वजनिक जल सुविधा के लिए प्याऊ का निर्माण, गाँव आबादी कनोडिया, पंचायत समिति सेखाला, जिला जोधपुर	5.00
❖ कक्षा कक्ष का निर्माण राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय उदयसर ग्राम पंचायत कोनरी, पंचायत समिति बालेसर, जिला जोधपुर	4.00
❖ पुस्तकालय भवन का निर्माण, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, केरू पंचायत समिति मंडोर जिला जोधपुर	8.00
❖ पशु चिकित्सा अस्पताल का निर्माण मरूधर केशरी गौशाला रणसी गाँव पंचायत समिति बिलाड़ा, जिला जोधपुर	8.00
❖ सार्वजनिक हॉल का निर्माण सेक्टर-डी, कमला नेहरू नगर, जोधपुर (ब्लाईंड स्कूल कमला नेहरू नगर, जोधपुर)	8.00
❖ नवज्योति मनोविकास केंद्र सेक्टर-10, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, जोधपुर (मूक-बधिरछात्रों के लिए) में दो कक्षा कक्षों का निर्माण	10.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ भुनेश्वर महादेव शमशान रोड जोधपुर के पास सार्वजनिक पेयजल सुविधा के लिए प्याऊ का निर्माण	5.00
❖ सार्वजनिक पेयजल सुविधा के लिए प्याऊ का निर्माण मंडोर गार्डन, जोधपुर	5.00
❖ कंप्यूटर कक्ष का निर्माण राजकीय प्रवेश (माध्यमिक) संस्कृत स्कूल, कुड़ी भगतासनी ग्राम पंचायत कुड़ी पंचायत समिति लूणी, जिला जोधपुर	5.00
❖ सार्वजनिक सुलभ शौचालय का निर्माण, लूणी, जिला जोधपुर	5.00
❖ सार्वजनिक सुलभ शौचालय का निर्माण, कलेक्ट्रेड परिसर, सिरोही	20.00
❖ सार्वजनिक सुलभ शौचालय का निर्माण, टाकलिया, सिरोही	20.00
❖ सड़क का निर्माण, बड़ोदा गाँव जैसलमेर	10.00
❖ सार्वजनिक सुलभ शौचालय का निर्माण, नगरपालिका, जालोर	20.00
❖ सोनोग्राफी मशीन (4D) राजकीय अस्पताल, बाड़मेर	25.00
❖ डायलिसिस मशीन राजकीय अस्पताल, जैसलमेर	8.00
❖ सार्वजनिक पेयजल सुविधा के लिए प्याऊ का निर्माण, भागु का गाँव जैसलमेर	5.00
❖ सार्वजनिक पेयजल सुविधा के लिए प्याऊ का निर्माण, रामदेवरा रोड, पोकरण, जैसलमेर	5.00
❖ सार्वजनिक सुलभ शौचालय का निर्माण, बालोतरा	20.00
❖ सार्वजनिक सुलभ शौचालय का निर्माण, पाली	25.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ बार चैंबर का निर्माण, कोर्ट परिसर बार एसोसिएशन, पाली	20.00
❖ खेल मैदान का निर्माण फोगेरा पंचायत समिति गड़रा रोड, जिला बाड़मेर	18.00
❖ सार्वजनिक सुलभ शौचालय का निर्माण, जवाहर अस्पताल के पास, जैसलमेर	25.00
❖ सार्वजनिक सुलभ शौचालय का निर्माण, पोकरण जिला जैसलमेर	25.00
❖ सार्वजनिक सुलभ शौचालय का निर्माण, नगर पालिका, जालोर	25.00
❖ मांडोली पंचायत जसवंतपुर, जिला जालोर में गवाईनाडी को एक सुंदर पार्क में विकसित करने हेतु	12.00
❖ सार्वजनिक सुलभ शौचालय का निर्माण, मई पंचायत समिति नदबई जिला भरतपुर	18.00
❖ सार्वजनिक सुलभ शौचालय का निर्माण, मरियाड़ा पंचायत समिति सिकराय, जिला दौसा	18.00
❖ चैंबर का निर्माण कोर्ट परिसर, रानीवाड़ा बार एसोसिएशन रानीवाड़ा जालोर	10.00
❖ चैंबर का निर्माण कोर्ट परिसर मेड़ता शहर	15.00
❖ कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सोनू जिला जैसलमेर	12.00
❖ चैंबर का निर्माण, कोर्ट परिसर, झुंझुंनु	15.00
❖ ग्राम मांडोली, जिला जालोर के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर सोलर लाईटें लगवाने बाबत	8.80

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ अनुसूचित जाति के आवासीय क्षेत्र में सार्वजनिक वाचनालय का निर्माण भूतवास पंचायत समिति, जसवंतपुरा जालोर	6.00
❖ सार्वजनिक पेयजल सुविधा के लिए प्याऊ का निर्माण बस स्टैंड, वेनपुरा जिला पाली	8.00
❖ सार्वजनिक पेयजल सुविधा के लिए प्याऊ का निर्माण बोथिया ग्राम पंचायत कपूरडी, जिला बाड़मेर	5.00
❖ सार्वजनिक पेयजल सुविधा के लिए प्याऊ का निर्माण हाजी सरादीन का बास ग्राम पंचायत रमजान की गाफान जिला बाड़मेर	5.00
❖ दो कक्षा कक्षों का निर्माण राजकीय प्राथमिक विद्यालय, दयालपुरा, जिला अलवर	14.00
❖ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरसोलाव मेड़ता सिटी, जिला नागौर में सामान्य वार्ड का निर्माण	12.00
❖ पुस्तकालय बिल्डिंग का निर्माण, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय इंद्राणा जिला बाड़मेर	5.00
❖ कक्षा कक्ष का निर्माण, राजकीय प्राथमिक स्कूल सिवाड़ा, जिला जालोर	5.00
❖ एक अतिरिक्त कक्षा का निर्माण, मदरसा कादरिया फैजे सिकंदरिया उच्च माध्यमिक विद्यालय डबला जैसलमेर	15.00
❖ राजकीय अस्पताल बासनी दावाडियान पंचायत समिति रायपुर जिला पाली में रक्त पारगमन मशीन और जैव रसायन मशीन	7.00
❖ आदी गौड़ बालिका हॉस्टल बिदासर बाड़मेर के पास सार्वजनिक पेयजल सुविधा के लिए प्याऊ का निर्माण	5.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ घमाणा नर्मदा नहर से हुकमाराम की ढाणियां कमालपुरा सांचौर, जिला जालोर तक पानी की पाईप लाईन	12.00
❖ सार्वजनिक पेयजल सुविधा के लिए प्याऊ का निर्माण, गाँव आबादी सिलोर जिला बाड़मेर	5.00
❖ ऑडिटोरियम का निर्माण, सिवाना बाड़मेर	50.00
❖ बीएसएफ शिविर कालीघाटी चौप, जयपुर में ट्यूब वेल का निर्माण	10.00
❖ राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हिंडोली, जिला बूंदी में विश्राम गृह का निर्माण	5.00
❖ राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, नैनवा, जिला बूंदी में विश्राम गृह का निर्माण	5.00
❖ राजकीय उच्च माध्यमिक बायुत पनजी बाड़मेर जिले में हॉल का निर्माण	10.00
❖ ओवरहेड जल टैंक का निर्माण अकदड़ा पंचायत समिति, सुमेरपुर जिला पाली	14.00
❖ सार्वजनिक पेयजल सुविधा के लिए प्याऊ का निर्माण, पंचायत मुख्यालय केतुमदा जोधपुर	5.00
❖ राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बैंगरी खुर्द फलौदी, जिला जोधपुर में सार्वजनिक पेयजल सुविधा के लिए प्याऊ का निर्माण	5.00
❖ सार्वजनिक वाचनालय का निर्माण राताभाकर ग्राम पंचायत जलंधर नगर, जिला जोधपुर	10.00
❖ बाबा रामदेव मंदिर खेतुसर फलौदी, जिला जोधपुर के पास सार्वजनिक पेयजल सुविधा के लिए प्याऊ का निर्माण	5.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ टिकमजी की ढाणियां पाबूसर पंचायत समिति बापिणी जिला जोधपुर में सार्वजनिक पेयजल सुविधा के लिए प्याऊ का निर्माण	5.00
❖ उमेजी की ढाणियां गिलाकौर, जिला जोधपुर में सार्वजनिक पेयजल सुविधा के लिए प्याऊ का निर्माण	5.00
❖ लूणा पंचायत समिति बाप, जिला जोधपुर में सार्वजनिक पेयजल सुविधा के लिए प्याऊ का निर्माण	5.00
❖ राजकीय माध्यमिक विद्यालय में सार्वजनिक पेयजल सुविधा के लिए प्याऊ का निर्माण खारीया आनावास पंचायत समिति पीपाड़ शहर, जिला जोधपुर	5.00
❖ मथुरादास माथुर अस्पताल, जोधपुर के लिए मल्टी प्लान ट्रांस एस्कोकुअल प्रोब (Multi-plan Adult Esocasual Probe) (सोनोग्राफी जाँच) मशीन की खरीद	15.00
❖ राजकीय कमला नेहरू चेस्ट अस्पताल जोधपुर में ब्रोंकोस्कोपी (Bronchoscopy) कक्ष का निर्माण	18.00
❖ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुडाबिशिनोयान, जिला जोधपुर में हॉल का निर्माण	7.00
❖ खुरा का निर्माण श्री भोलारामजी महाराज रूप रजत गौशाला रतकुडिया पंचायत समिति भोपालगढ़, जिला जोधपुर	5.00
❖ सार्वजनिक शमशन के चाहरदीवारी का निर्माण, ग्राम पंचायत टेपु पंचायत समिति बाप, जिला जोधपुर	15.00
❖ राजकीय माध्यमिक विद्यालय तनावड़ा पंचायत समिति लूणी, जिला जोधपुर में कक्षा कक्ष का निर्माण	5.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ सार्वजनिक शमशान बड़ली, जिला जोधपुर में टीन शेड का निर्माण	8.50
❖ उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण घटोर पंचायत समिति बाप, जिला जोधपुर	8.00
❖ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, गुमानपुरा देचू जिला जोधपुर में सार्वजनिक पेयजल सुविधा के लिए प्याऊ का निर्माण	5.00
❖ राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय, ढढोरा पंचायत समिति भोपालगढ़ जिला जोधपुर में कक्षा कक्ष का निर्माण	5.00
❖ नए ठाकुरजी मंदिर से पुराना बाजार (ओल्ड मार्केट) औसिया में ईट रोड का निर्माण	3.00
❖ राजकीय अस्पताल खुडियाला, जिला जोधपुर में विश्राम गृह का निर्माण	5.00
❖ राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, मोरिया नाडा हमीरनगर फीच, जिला जोधपुर में कक्षा कक्ष का निर्माण	5.00
❖ जामनबाई पारख राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लोहावट जाटाबास, जिला जोधपुर में कक्षा कक्ष का निर्माण	5.00
❖ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सिलारी, जिला पंचायत समिति पीपाड़, जिला जोधपुर में कक्षा कक्ष का निर्माण	5.00
❖ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, डांगियावास, जिला जोधपुर में कक्षा कक्ष का निर्माण	6.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लोरड़ी देजगरा पंचायत समिति मंडोर, जिला जोधपुर में कक्षा कक्ष का निर्माण	5.00
❖ उम्मेद अस्पताल, जोधपुर में ऐंबुलेन्स (मारूती ओमनी)	4.00
❖ सार्वजनिक वाचनालय का निर्माण ग्राम जसवंतपुरा पंचायत समिति बिलाड़ा, जिला जोधपुर	10.00
❖ महावीर गेम्स कॉम्प्लेक्स के खेल मैदान में विभिन्न विकास कार्य करवाने बाबत सरदार स्कूल, जोधपुर	11.00
❖ चारा गोदाम का निर्माण श्री ओसवाल सिंह सभा धर्मपुरा गौशाला मोकलावास अरणा झरणा, जोधपुर	15.00
❖ कक्षा कक्ष का निर्माण राजकीय माध्यामिक विद्यालय बालरवा पंचायत समिति तिवरी, जिला जोधपुर	4.00
❖ लाइब्रेरी कक्ष का निर्माण राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लोड़ता पंचायत समिति सेखाला, जोधपुर	5.00
❖ सार्वजनिक वाचनालय का निर्माण हाथीजी का वास बड़ोडा गाँव, जिला जैसलमेर	7.00
❖ सार्वजनिक वाचनालय का निर्माण दानावतो की ढाणियां बस्सी नगर ग्राम पंचायत बड़ला बासनी, जोधपुर	6.00
❖ कक्षा कक्ष का निर्माण राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रहलादपुरा पंचायत समिति सेखाला जिला जोधपुर	5.00
❖ दो कक्षा कक्ष का निर्माण राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिपला, जिला जैसलमेर	10.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ सार्वजनिक पानी की प्याऊ का निर्माण सती माता मंदिर के पास खरींगसर डाडिया, जिला जोधपुर	4.00
❖ सार्वजनिक वाचनालय का निर्माण सांगवास ग्राम पंचायत हरियामाली पंचायत समिति सोजत, जिला पाली	5.00
❖ कक्षा कक्ष का निर्माण राजकीय उच्चतर प्राथमिक विद्यालय माचरो की ढाणियां बैठवासिया पंचायत समिति औसिया, जोधपुर	5.00
❖ सार्वजनिक विश्राम भवन का निर्माण कोटेचों की ढाणियों के पास निबों का गाँव पंचायत समिति बालेसर, जिला जोधपुर	7.00
❖ राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बापिणी की चारदीवारी की ऊँचाई का निर्माण, जिला जोधपुर	2.00
❖ सार्वजनिक वाचनालय का निर्माण, डिगरना पंचायत समिति जैतारण पाली	5.00
❖ सार्वजनिक वाचनालय का निर्माण, शिव मंदिर के पास रामदेरि ग्राम पंचायत हाथीतला पंचायत समिति, बाड़मेर	4.00
❖ सार्वजनिक वाचनालय का निर्माण, जरतानाथा मढ़ के पास भाडखा पंचायत समिति बाड़मेर	4.00
❖ सार्वजनिक पार्क ई सेक्टर शास्त्रीनगर जोधपुर में विभिन्न विकास कार्य एवं सौंदर्यीकरण हेतु	40.00
❖ कक्षा कक्ष का निर्माण राजकीय माध्यमिक विद्यालय गाजणावास ग्राम पंचायत बावरली पंचायत समिति बालेसर, जोधपुर	5.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ दो कक्षा कक्षाओं का निर्माण राजकीय उच्चतर प्राथमिक विद्यालय जामड़ा ग्राम पंचायत सिपला, जिला जैसलमेर	8.00
❖ टेबल टेनिस हाल में सिंथेटिक फ्लोर मेट, टी. टी. टेबल, लगाने हेतु गौशाला मैदान जोधपुर	11.20
❖ विज्ञान प्रयोगशाला कक्ष का निर्माण, मदरसा कादरिया फैजे सिंकदरिया उच्च माध्यमिक विद्यालय सड़िया ग्राम पंचायत डाबला, जिला जैसलमेर	10.00
❖ ब्लड बैंक का निर्माण, राजकीय चिकित्सालय, सिरोही	30.00
❖ सी. सी. ब्लॉक का निर्माण गौरव पथ से राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व किसान सेवा केंद्र की ओर पालड़ी जोधा पंचायत समिति मुंडवा, जिला नागौर	10.00
❖ कक्षा कक्ष का निर्माण राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केतु कला, जिला जोधपुर	5.00
❖ दो कक्षा कक्ष का निर्माण राजकीय माध्यमिक विद्यालय डिगाडी, जिला जोधपुर	10.00
❖ लक्ष्मणगढ़ मुकुन्दगढ़ रोड से हरिजन कॉलोनी की ओर सी. सी. सड़क का निर्माण बालरा पंचायत समिति लक्ष्मणगढ़, जिला सीकर	5.00
❖ सी. सी. का निर्माण भूमा बड़ा पंचायत समिति लक्ष्मणगढ़, जिला सीकर	5.00
❖ इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य ग्राम अलखपुरा गोदारान ग्राम पंचायत कुमास पंचायत समिति लक्ष्मणगढ़, जिला सीकर	5.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ सार्वजनिक पानी की प्याऊ का निर्माण, राजकीय बा.उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरदारपुरा रोटरी चौराहा, जोधपुर	4.00
❖ सार्वजनिक पानी की प्याऊ का निर्माण, देवीसिंह भोमियाजी के थान के पास कानोडिया पंचायत समिति सेखाला, जिला जोधपुर	4.00
❖ राजकीय प्राथमिक विद्यालय ढूटीवास की चारदीवारी का निर्माण, ग्राम पंचायत फिडोद पंचायत समिति मुंडवा, नागौर	12.00
❖ ग्राम पंचायत भवन का विस्तार कार्य, ग्राम पंचायत फिरनोद पंचायत समिति बालोतरा, जिला बाड़मेर	20.00
❖ सार्वजनिक सी. सी. ब्लॉक का निर्माण, मेघवालों का मोहल्ला ग्राम ऊँचाईया ग्राम पंचायत सांडिला, जिला नागौर	8.00
❖ 1013 आर. डी. मुख्य नहर के पास पानी की डिग्गी निर्माण, ग्राम पंचायत गोगडियाला पंचायत समिति कोलायत, जिला बीकानेर	12.00
❖ कंप्यूटर कक्ष का निर्माण, राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल बनाड़ पंचायत समिति मंडोर, जोधपुर	7.00
❖ लाइब्रेरी कक्ष का निर्माण, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुड़ी पंचायत समिति भोपालगढ़, जिला जोधपुर	6.00
❖ कंप्यूटर कक्ष का निर्माण, राजकीय उच्चतर प्राथमिक विद्यालय बोथिया ग्राम पंचायत कपूरड़ी पंचायत समिति, बाड़मेर	7.00

कार्य का नाम	राशि (लाखों में)
❖ लाइब्रेरी भवन का निर्माण, राजकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रावत बेरा डाबड़ी पंचायत समिति औसिया, जोधपुर	7.00
❖ अर्बुदा गौशाला में चारा गोदाम का निर्माण, सिरोही	8.00
❖ सार्वजनिक कब्रिस्तान में विश्राम भवन का निर्माण, बालेसर, जिला जोधपुर	7.00

निष्कर्ष

हम सभी जानते हैं कि डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी एक महान वकील, जाने-माने राजनीतिक व्यक्ति और सम्मानित सार्वजनिक बुद्धिजीवी के रूप में जाने जाते हैं। हालाँकि, उनके बहुपक्षीय व्यक्तित्व का एक और भी पक्ष है – वह पक्ष हमेशा ही उनको गरीबों के पीड़ाओं को हल्का करने के उनके प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए कोशिश करता रहता है। वह पक्ष उन्हें समाज को जीने लायक जगह बनाने के लिए पहलकदमी करने के लिए सक्षम बनाने का काम करता है। इस पुस्तक का उद्देश्य डॉ. सिंघवी द्वारा समाज में किए गए महान कार्य को जन-जन तक पहुँचा कर लोगों के बीच जागरूकता पैदा करना है। सामाजिक कार्य सिंघवी परिवार का गुण है और राजस्थान के जोधपुर में डॉ. सिंघवी द्वारा स्वास्थ्य और शिक्षा में की गई पहल, इसका एक उदाहरण है। उन्होंने राज्यसभा में अपने संसदीय क्षेत्र जोधपुर में विभिन्न विकास गतिविधियों को कराने के लिए और शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने के लिए अपनी एम.पी.एल.ए.डी. निधि का इस्तेमाल किया। अपनी तरफ से, उन्होंने पुस्तकालयों और वाचनालयों की स्थापना के अतिरिक्त क्षेत्र में तेजी से संचार की सुविधा के लिए सड़कों का निर्माण करने के लिए भी एम.पी.एल.ए.डी. निधि का भी इस्तेमाल किया। डॉ. सिंघवी एक दयावान व्यक्ति हैं। वह न केवल इंसानों के साथ सहानुभूति रखते हैं बल्कि जानवरों के लिए भी करुणा महसूस करते हैं। जानवरों के प्रति अपने दयावान नजरिए के अनुरूप, उन्होंने शहर में पशु चिकित्सा अस्पतालों के निर्माण के लिए अपनी संसदीय निधि को खर्च किया है। डॉ. सिंघवी भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान का समर्थन करते हैं। अतः उन्होंने अपनी सांसद निधि को अपने निर्वाचन क्षेत्र में शौचालय बनवाने के लिए भी इस्तेमाल किया है।

मैं इमानदारी के साथ उम्मीद करता हूँ कि यह पुस्तक डॉ. अभिषेक सिंघवी के सच्चे व्यक्तित्व को समझाने में बहुत मददगार साबित होगी। यह पाठकों को डॉ. सिंघवी के जीवन के नए परिप्रेक्ष्य के बारे में बताएगी और उन्हें समाज में उनके महान योगदान के बारे में जानकारी देगी।

लेखक परिचय

के. एन. भंडारी का जन्म जोधपुर में हुआ और सेवानिवृत्ति के बाद वह इसी शहर में बस गए। डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी के बहुत दूर के रिश्तेदार होने के बावजूद, वह राजस्थान की राजनीति और सार्वजनिक मामलों के एक गहन विश्लेषक हैं। उन्होंने डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी द्वारा किए गए सामाजिक कार्य के विभिन्न पक्षों को बारीकी से देखा है।

डॉ. के. एन. भंडारी, न्यू इंडिया एस्सुरेंस (New India Assurance) के पूर्व सीएमडी (CMD) रह चुके हैं। इससे पहले नेशनल लॉ स्कूल, जोधपुर के संकाय में, आप 2002 में अपनी सेवानिवृत्ति के बाद से कई प्रमुख कॉर्पोरेट के कॉर्पोरेट सलाहकार रहे हैं, और कई वंचितों और जरूरतमंद की मदद के साथ-साथ कई सामाजिक रूप से प्रासंगिक सार्वजनिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं।

डॉ. अभिषेक सिंघवी का संक्षिप्त परिचय

डॉ. अभिषेक सिंघवी एक प्रतिष्ठित न्यायविद, तीसरी बार के कांग्रेस के वरिष्ठ संसद सदस्य, मीडिया का जाना पहचाना चेहरा, प्रसिद्ध स्तंभकार, लेखक, विचारक और टिप्पणीकार हैं। वह कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठतम राष्ट्रीय प्रवक्ताओं में से एक हैं; क्रमशः, सबसे कम उम्र के नामित वरिष्ठ वकील, एएसजी और उपाध्यक्ष, एससीबीए हैं। कानून और विधि संसदीय समिति के अध्यक्ष रहते हुए, उन्होंने 4 महीने के कम समय में, दिसंबर 2011 में लगभग सर्वसम्मति से पारित लोकपाल रिपोर्ट सौंपी। वह एआईसीसी कानून और मानवाधिकार विभाग के चेयरमैन और कांग्रेस मीडिया विभाग के पूर्व उपाध्यक्ष भी रहे हैं।

डब्ल्यूईएफ (WEF), दावोस द्वारा उन्हें 'भविष्य का वैश्विक नेता पुरस्कार' (Global Leader Award) के पुरस्कार से नवाजा गया, *हिंदुस्तान टाइम्स* और *टाइम्स ऑफ़ इंडिया* में उनके कई लोकप्रिय कॉलमों को दो किताबों क्रमशः *कैंडिड कॉर्नर* और *स्ट्रेट टॉक* को तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की प्रस्तावना के साथ प्रकाशित किया गया। वह *दैनिक भास्कर* तथा *राजस्थान पत्रिका* के लिए हिंदी में भी लिखते हैं।

इंडो यूएस फोरम ऑफ पार्लियामेंटेरियन्स के अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने येल (Yale) विश्वविद्यालय के लिए बारह संसदीय प्रतिनिधियों का दो साल तक नेतृत्व किया, और जजों और वकीलों के एक उच्च गैर-सरकारी संगठन सार्क लॉ के अध्यक्ष रहे। कुछ वर्षों पहले, *इंडिया टुडे* के शीर्ष पचास शक्तिशाली लोगों की सूची में से चौतीसवाँ स्थान हासिल किया था, डॉ. सिंघवी *लीगल ईगल्स (Legal Eagles)* और *कोर्टिंग पॉलिटिक्स (Courting Politics)* में शामिल हैं, जो उन्हें भारत के शीर्ष वकीलों में से एक बनाता है। वह इन सूचियों में सबसे छोटी उम्र के हैं।

चैरिटी उनके लिए विश्वास का विषय है: उन्होंने बेसहारा बच्चों के लिए अनीता सिंघवी प्रयास केंद्र और अपने एल्मा मेटर (स्कूल, कॉलेज या विश्विद्यालय, जहाँ शिक्षा हासिल की हों), ट्रिनिटी कॉलेज, केंब्रिज, यू.के. में सिंघवी ट्रिनिटी छात्रवृत्ति शुरू की है। वह पशु दान और वकील कल्याण निधि में दिल खोल कर योगदान करते हैं।

यह पुस्तक, डॉ. सिंघवी की संक्षिप्त जीवनी को उपलब्ध कराने के अलावा, डॉ. सिंघवी के द्वारा पश्चिमी राजस्थान में 2006 और 2018 के बीच उनके एमपीएलएडी फंड के इस्तेमाल से कार्यान्वित स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में लगभग 400 सामाजिक कल्याण परियोजनाओं का दस्तावेज प्रस्तुत करती है।

विषय सूचकांक

अ

- अंतर्राष्ट्रीय, 14, 16, 25-6, 32, 58
अजमेर, 36, 48, 49, 58, 82
अजय बंगा, 7
अजलान, 28
अटल बिहारी वाजपेयी, 4
अदालत, 16, 27, 67
अधिवक्ताओं, 13
अनीता, 11, 12, 116
अनुभव, 2, 11-2, 23, 29, 30
अनुसूचित जनजातियाँ, 40, 47, 49, 51-2, 54, 58, 70, 79, 80, 81-3
अनुसूचित जाति, 40, 47, 49, 51-2, 54, 58, 70, 79, 81-3, 103
अपंग, 69
अपमानजनक, 22
अप्रवासी, 29
अभिनय, 7
अभिलाषा, 1, 3
अमीर, viii
अयोध्या मसला, 23
अरिवदं सुब्रमण्यम, 7
अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान, 38, 80
अवतार, 1
अविवाहित, 3

अविष्कार सिंघवी, 17, 29-30

अस्पताल, 41-3, 45-6, 52, 60, 64-7, 74-6, 78, 81, 86-9, 91-2, 95-6, 100-03, 105-06

आ

- आँगनबाड़ी केंद्र, 51-2, 56, 70, 81, 83, 98
आइजक न्यूटन, 10
आई.के. गुजराल, 4
आई.आई.एम., 7
आई.आई.टी., 7
आई.सी.सी.ए, 26
आईएलओ सम्मेलन, 26
आईसीयू, 43, 45, 74
आजादी, 44, 59, 71
आतंकवादी, 26
आदर्श ग्रामयोजना, 69, 71
आदर्श बहू, 11
आदिवासी, 71
आध्यात्मिक, 33
आपत्तिजनक, 22
आपातकाल, 9
आर.ओ. प्लांट, 70, 75
आर्थिक, 7, 23, 39, 65

इ

- इंग्लैंड, 6, 11
 इंटरलॉकिंग, 85, 109
 इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, 7
 इंडिया टुडे, 30, 115
 इंडियाज विब्योर मैग, 5
 इंडो यूएस फोरम ऑफ पार्लियामेंट, 115
 इंडो-इजराइल लॉ मंच, 26
 इंडो-कनाडाई कानूनी मंच, 26
 इंडो-यूएस कानूनी मंच, 26
 इंदू भान, 30
 इंसान, vii, viii
 इब्राहीम अल्काज़ी, 7
 इमरजेंसी पॉवर, 10
 इलाहाबाद, 2
 इलाहाबाद विश्वविद्यालय, 2
 इलेक्ट्रो सर्जिकल कॉटरी, 40, 41, 86
 इवान मेनेज़ेस, 8
- ई
- ईदगाह बूचड़खाने, 28
 ईमानदारी, viii, 19, 34
- उ
- उच्च न्यायालय, 3, 7
 उच्च माध्यमिक विद्यालय, 35
 उच्चायुक्त, 1, 4, 16
 उत्तराखंड आपदा प्रबंधन, 86
 उप स्वास्थ्य केंद्र, 44
 उपाध्यक्ष, 17, 31, 115
 उम्मेद अस्पताल, 43, 66, 87, 92, 95, 107

ए

- एडवोकेट जनरल, 3
 एंटी संरचना ऑक्सीजन, 73
 एएसजी, 16-7, 115
 एकलिंग नाथ महादेव मंदिर, 57, 80
 एक्स-रे मशीन, 41-2, 45-6, 74, 78, 96
 एक्साइज लॉ, 13
 एच. डी. देवगौड़ा, 4
 एन. एम. त्रिपाठी, 9
 एन. के. सांघी, 4
 एनटीपीसी, 14
 एनेस्थेसिया वेंटिलेटर, 46
 एयरटेल सचिन भारती, 35
 एल. एम. सिंघवी, 1-5, 9, 12, 18, 23
 एल. के. आडवाणी, 7
 एली लौटरपैच, 11

ऐ

- ऐंबुलेन्स, 41, 45, 66, 73, 88, 95,
 107

ऑ

- ऑक्सफोर्ड, 26
 ऑक्समीटर, 73
 ऑटोमेटिक एनेलाईजर मशीन, 91
 ऑपरेशन थिएटर, 87
 ऑफिस ऑफ़ प्रॉफिट, 23
 ऑयल फील्ड, 17

ओ

- ओएनजीसी, 17
 ओपन केयर सिस्टम, 87
 ओपीओएस छात्रवृत्ति, 6

क

- कक्षा, 36-8, 40, 67-8, 71, 74, 76-9,
88-97, 100, 102-103,
105-09
कानूनविद, 5
कन्हैयालाल मुंशी, 2
कमला सिंघवी, 1, 3, 11
कम्प्यूटर कक्ष, 36-7, 89-90, 92, 96, 101,
110
कम्प्यूटर प्रिंटर, 35, 89
कम्प्यूटर शिक्षा, 34-5
कराची, 26
करियर, 15-8, 24
कलर डोप्लर सोनोग्राफी मशीन, 45
कांग्रेस थिंक टैंक, 18
कांग्रेस पार्टी, 3-4, 18, 21-4, 115
कानून, 8-11, 14-17, 19, 23, 25-26
कानून मंत्री, 19
कार्डिफ़, 26
कार्यकाल, viii, 4, 17, 22
कृत्रिम अंग, 3
कृषि विज्ञान प्रयोगशाला, 37, 75
के. के. वेणुगोपाल, 13
के. पी. कृष्णन, 8
केन्द्रीय बजट, 23
केरला डॉम्स केस, 28
केशव मोहन, 29
केंब्रिज विश्वविद्यालय, 8-9, 11, 13
केंब्रिज सोसाइटी ऑफ़ इंडिया, 26
कैबिनेट, 4
कैसर एल्यूमिनियम सर्विसेज इंक, 16
कॉन्फ्रेंस हॉल, 87
कॉर्नेल विश्वविद्यालय, 2

कोर्टिंग पॉलिटिक्स, 30, 115

कोलकाता, 3, 21

ख

- खुशींद, 30
खेल मैदान, 57, 67, 72, 79, 102,
107

ग

- गरीबों, vii-viii, 112
गवर्नर, 5
गाँव, 44-52, 56-61, 64-7, 69-71, 75, 77,
79-82, 89, 94, 96-97, 100-101,
104, 107-08
गैर-सरकारी संगठन, 3, 115
गैले, 46
गोपाल कृष्ण गाँधी, 5
ग्रामीण क्षेत्रों, 44, 50, 55, 57-58, 62
ग्रीन स्ट्रीट, 12
ग्लोबल लीडर ऑफ़ टुमॉरो, 23

च

- चाग्ला मेमोरियल व्याख्यान, 25
चारदीवारी, 56-7, 65, 77, 79-80, 83,
92-3, 97, 108, 110
चारा गोदाम, 52-3, 64-5, 85, 91, 107, 111
चिदंबरम, 30
चुनाव, 3-9, 18, 27
चुनाव एजेन्ट, 18
चेयरमैन, 7-8, 32, 115

छ

- छात्रवृत्ति, 11, 116
छात्रावास, 32, 36, 47, 61, 66, 74, 86, 88,
94, 96, 97
छात्रों, 7, 10-11, 25-6, 32, 35, 49, 67, 69,
73, 100

ज

- जनकल्याण, 33
 जनप्रतिनिधि, 32
 जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी, 14
 जन-सेवा, 3, 5
 जय नारायण व्यास विद्यालय, 35
 जल टैंक, 70, 80, 104
 जल्ली कट्टू, 28
 जानवरों, 28, 52, 64, 72, 112
 जिम्मेदारियों, 12, 24, 63
 जेएमएम, 17
 जैन, 1, 26, 35, 52, 84, 95
 जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय, 26
 जैसलमेर, 37-8, 45-6, 48-9, 51, 57, 59-60, 62, 65-8, 75-82, 85-6, 101-03, 107, 109
 जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय, 26
 जोधपुर, viii, 1-3, 5, 11, 18, 26, 34-6, 38, 40-5, 48, 50, 52-3, 55-6, 58-9, 61-9, 86-101, 104-112, 114
 ज्योतिरादित्य सिंधिया, 19

झ

झुंझुनु अदालत परिसर, 67

ट

- टाइम्स ऑफ़ इंडिया, 115
 टी. टी. टेबल, 109
 टैम्पो ट्रेवलर ऐंबुलेंस, 41
 ट्रांस-इकोकेजुएल, 66
 ट्राई साईकिल, 93
 ट्रॉमा ऐंबुलेंस, 88
 ट्रिनटी कॉलेज, 8, 10, 116
 2जी स्पेक्ट्रम, 15

ड

- डायनासोर, 29
 डायलिसिस मशीन, 42, 46, 66, 75, 87, 101
 डिजिटल एक्स-रे मशीन, 45, 74, 78,
 डी.के. बासु, 15
 डेनमार्क फर्म, 14
 डेफिब्रिलेटर, 46
 डेफिविलेटर, 73
 डॉ. अभिषेक सिंघवी, vii-viii, 3, 5, 8, 11, 14, 17-25, 30-2, 39, 42-3, 45-8, 50, 53, 55-8, 60, 62-3, 113, 115
 डॉ. डी. वाई. चंद्रचूड़, 7
 डॉ. मनमोहन सिंह, 25, 115

द

- दर्शनिक, 4, 10-11
 दशरथमल सिंघवी, 3
 दावोस, 23, 115
 दिल्ली, 2-3, 5-7, 26, 28, 34-5, 72, 87
 दिल्ली विश्वविद्यालय, 7-8
 दुग्ध सहकारी केन्द्र, 52, 64, 89
 दूरदर्शिता, 39, 48, 57
 देश, 1-2, 6-7, 11, 14, 16, 30, 32, 54, 59-61, 69
 दैनिक भास्कर, 115

ध

- धार्मिक, 40, 62, 72
 धर्मो, 5

न

- नदी, 10, 70
 नरसिम्हा राव, 4
 नवज्योति मनोविकार केंद्र, 62, 100
 नाकोडा पार्श्वनाथ, 35, 95
 नेता, 4-5, 22, 115
 नेत्रहीन विकास केंद्र, 62, 69
 नेत्रहीनों, 68-9
 नेपाल, 26
 नेशनल लॉ युनिवर्सिटी, 35, 87
 नेशनल स्कूल ऑफ़ ड्रामा, 7
 नोबेल पुरस्कार, 26

प

- पंकज सहाय, 6
 पंडित जवाहरलाल नेहरू, 4
 परंपराओं, 5, 58
 परिवहन, 50, 71
 परिवार, vii, viii, 1, 3-5, 26, 28-9, 32, 112
 पवेलियन, 38, 57, 72, 78
 पशु चिकित्सा अस्पताल, 52, 64, 81, 89,
 92, 100, 112
 पशुशाला, 52, 64
 पश्चिम बंगाल, 5, 15
 पार्टी, 3-4, 18-9, 21-24, 115
 पालकीवाला, 5, 14
 पिता, 1-7, 9, 11-14, 16-18, 22-3,
 28-30
 पियानो, 7
 पी. सी. राव, 14
 पीएचडी, 2, 8-13, 25
 पुरस्कार, 2, 6, 25-6, 115

- पुलिस लाईन, 36, 55-6, 59, 62, 85, 93,
 100
 पुस्तक, vii-viii, 25, 112-13, 116
 पुस्तकालय, 8, 36, 38, 54, 60-1, 67, 80,
 93, 95, 97, 100, 103
 पेरिस, 26
 पेशेवर, vii, 27-9
 पोर्टेबल सोनोग्राफी मशीन, 43
 प्याऊ, 58-9, 66, 86, 98, 100-01, 103-06,
 108, 110
 प्रकाश वीर शास्त्री, 7
 प्रतीक्षा कक्ष, 57, 80
 प्रधानमंत्री, 4, 12, 20, 25, 69, 115
 प्रयोगशाला, 35, 37, 41, 45, 75, 91, 95,
 109
 प्रसूति कक्ष, 47, 71, 77, 92
 प्रसूति केन्द्र, 75
 प्राइम टाइम टेलिविज़न, 21

फ

- फली नरीमन, 13, 17
 फैज़ल अल्काज़ी, 7
 फोर्ब्स फाउंडेशन, 35

ब

- बचपन, viii, 1-2, 6, 28
 बरखा दत्त, 21
 बर्कले लॉ स्कूल, 2
 बर्तनों, 1
 बांगड़ अस्पताल, 45-6, 74, 76, 78
 बाइमेर, 36, 38, 46, 48-9, 55, 57, 59, 61,
 66-8, 75, 78, 80-6, 99, 101-04,
 108, 110
 बाबरी मस्जिद, 23

बार एसोसिएशन, 17, 76, 102
बोस्टन, 26

भ

भारत ऐल्युमिनियम कंपनी, 16
भारत केंद्र, 26
भारत-ब्रिटिश कानूनी मंच, 26
भारत, vii, 1, 4, 6-7, 9, 11, 13-4, 16,
23, 26, 30, 61-2, 67, 69, 112,
115
भारत-ब्रिटिश सम्बंधों, 4
भारत-यूएस फोरम, 23
भारत-यूएस शिक्षा संस्कृति आयोग,
26
भारतीय, 2, 5, 7-9, 16-7, 25, 87
भारतीय गणराज्य, 5
भारतीय राजदूत, 8
भावनात्मक, 19, 22, 28
भीलों, 37, 40, 49, 53, 76, 88, 99

म

मंदिर, 41, 47-9, 51-2, 57-8, 60, 66-7,
71-2, 75, 80-84, 86, 93, 96-7,
104, 106, 108
मथुरादास माथुर अस्पताल, 41-2, 66, 86, 88,
91, 105
माधवराव सिंधिया, 16, 18
मानव, vii, 3, 11, 32, 70
मानवतावादी, 41, 66, 69
मानवाधिकार, 5, 32, 115
मारवाड़, 36, 52, 58-9, 66-7, 80, 84
मिनी ऑडिटरियम, 56, 77
मोर्चरी कक्ष, 44, 47, 77, 93

य

यूनाइटेड किंगडम, 1, 4, 8, 12, 16
येल विश्वविद्यालय, 115

र

रंगमंच, 7, 65
राजनीतिक, viii, 3, 18-9, 24, 30, 32, 71,
112
राजस्थान पत्रिका, 115
राजीव गाँधी, 4, 12, 25, 55, 93
राजीव गाँधी युवा क्लब, 55, 93
राजेश सांधी, 6
राज्यसभा, viii, 4, 6, 22, 66-7, 70, 71,
112
राष्ट्रीय, 12, 14, 22, 25-6, 32, 67, 72,
115
राहुल गाँधी, 22
रिलायंस इंडस्ट्रीज, 16
रिश्तेदार, vii, 3, 114
रेलवे स्टेशन, 63, 98-100
रोगियों, 41-43
रोटरी, 2, 110

ल

लंदन, 12, 14
लिब्राहन रिपोर्ट, 23
लैरीगो स्पाइस, 46
लोकतांत्रिक, 33, 61
लोकपाल, 23, 115
लोकसभा, 3-5, 18, 69
लोकायुक्त, 23

व

वंशावली, 2
 वकालत, 5, 9-10, 13, 15-6, 30, 35
 वकील, viii, 1-3, 5, 9, 15, 16-7, 29, 67,
 98, 112, 115
 वाचनालय, 54-5, 60-1, 68, 86, 88, 93,
 97, 103, 104, 107-08
 वाशिंगटन, 26
 विकलांगों, 56
 विमल भंडारी, 6
 वीर सांघवी, 18
 वेंटिलेटर, 43, 46, 73-4
 वेन सर्किट, 73

श

शमशान घाट, 56-7, 82
 शिक्षा, viii, 5, 7, 25-6, 32-5, 38-40, 70,
 112, 116
 शिबू सोरेन, 17
 शैक्षणिक, 8, 13, 35-7, 80
 शोभना भरतिया, 18, 21
 शौचालय, 47, 49, 56, 60, 65, 70, 83, 93,
 96, 101-02, 112
 श्वेता बंसल, 30

स

संगीतकार, 7
 संघवाद, 26
 संजय किशन कौल, 7
 संतुष्ट, vii, 72
 संतोष मेमोरियल, 6
 संवेदनशीलता, 33, 39, 47, 58
 संवैधानिक, 9, 15, 25

संसदीय, viii, 19, 23, 31, 33-5, 66, 112,
 115
 संस्कृत, 2, 5, 37, 101
 सचिव, 8, 14, 32
 सड़क, 50-2, 59, 62, 67, 70-1, 74, 78,
 80-5, 89, 92, 97, 101, 109
 सेंट कोलंबस, 5-8
 सलाहकार, 7, 14-15, 114
 सांस्कृतिक, 26, 39, 65, 72, 84
 साइमन मरांडी, 17
 सामाजिक, viii, 32, 35, 39-40, 48, 52,
 56, 59, 62, 64-5, 96, 112,
 114, 116
 सामाजिक कार्य, viii, 32, 48, 52, 56, 61,
 64, 112, 114
 सामुदायिक हॉल, 32, 47-9, 72, 82-3,
 89, 90, 93, 96
 सार्क लॉ, 23, 115
 सार्वजनिक हॉल, 47-9, 62, 91, 100
 साहित्यिक, 1, 4
 सिब्ल, 30
 सिरोही, 37-8, 46-7, 49, 51-4, 57, 60,
 64-5, 71, 74, 76-83, 85, 101,
 109, 111
 सी. सी. सड़क, 51-2, 62, 70-1, 78, 80-5,
 89, 97, 109
 सुप्रीम कोर्ट, 7, 14-5, 29
 सुलभ शौचालय, 60, 65, 101-02
 सेंट जॉन्स कॉलेज, 11, 25
 सेंट स्टीफन्स कॉलेज, 7
 सेंटर फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट, 26
 सेवा, vii-viii, 3-5, 12, 32, 34, 41-46, 48,
 65, 69, 72

सॉलिसिटर जनरल, 16
 सोनिया गाँधी, 18-20, 22, 24
 सोनोग्राफी मशीन, 43, 45, 47, 66, 75-6,
 78, 92, 101
 सोली सोराबजी, 13, 17
 स्कैंडिनेविया, 23
 स्कॉलर, 2, 25
 स्कवायर लॉ लाइब्रेरी, 13
 स्टेरलाइजर, 42
 स्टार टीवी, 17
 स्टीफन हॉकिंग, 10

स्टैनफोर्ड युनिवर्सिटी, 26
 स्ट्रक्चर, 46
 स्तंभकार, 31, 115
 स्वतंत्रता संग्रामी, 3-4

ह

हार्वर्ड विश्वविद्यालय, 2-3, 26
 हाशिण, viii, 3
 हिंदुस्तान टाइम्स, 5, 25, 115
 हेरिटेज फाउंडेशन, 26
 होप फाउंडेशन, 35